पांच लाख टन गेहूं के आटे का निर्यात करेगी सरकार, 3 साल बाद प्रतिबंध में आंशिक ढील-12

जमीन के बदले नौकरी के मामले में लालू की याचिका पर फैसला सुरक्षित-12

हमारे पड़ोस में आतंकवादी ढांचे को बढ़ावा देने में मदद न करें: जयशंकर-13

भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने कहा- अच्छी शुरुआत बड़े स्कोर में बदलना होगा-14

आज का मौसम
21.0° अधिकतम तापमान
11.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 07.06
सूर्यास्त 05.39

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| हल्द्वानी |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

माघ शुक्ल पक्ष द्वितीया 02:42 उपरांत तृतीया विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 20 जनवरी 2026, वर्ष 5, अंक 331, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

प्रोटोकॉल तोड़कर किया स्वागत, कई बड़े मुद्दों पर हुई बातचीत

मोदी के बुलावे पर दो घंटे के लिए नई दिल्ली पहुंचे यूएई के राष्ट्रपति

नई दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान एक दिन की आधिकारिक यात्रा पर सोमवार शाम यहां पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रोटोकॉल तोड़कर हवाई अड्डे पर खुद उनका स्वागत किया। लगभग दो घंटे की आधिकारिक यात्रा पर भारत पहुंचे शेख नाहयान की इस बीच कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर मोदी से वार्ता हुई, जिसके बाद नाहयान स्वदेश लौट गए। राष्ट्रपति का पद संभालने के बाद नाहयान की यह तीसरी और पिछले एक दशक में पांचवीं यात्रा थी।

लकड़ी का झूला, पशमीना शॉल भेंट किया

मोदी ने लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने आवास पर नाहयान और उनके परिवार का स्वागत किया और उन्हें पारंपरिक भारतीय उपहार लकड़ी का नक्काशीदार झूला तथा पशमीना शाल भेंट किया। गुजरात के नक्काशीदार लकड़ी के झूले पर बारीक पुष्प और पारंपरिक डिजाइन उकेरी गई है। पशमीना शाल कश्मीर की है जो अत्यंत महीन ऊन से हाथ से बनाई जाती है, इससे यह बेहद मुलायम, हल्की और गर्म होती है।

चांदी का सुनहरा इतिहास... तीन लाख के पार

नई दिल्ली, एजेंसी

सोना भी 1,900 रुपये बढ़कर 1.48 लाख पर पहुंचा

राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को चांदी 10,000 रुपये की जोरदार उछाल के साथ सुनहरा इतिहास रच दिया और तीन लाख रुपये किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर को पार कर गई। सोमवार को चांदी का कारोबार 3,02,600 रुपये प्रति किलोग्राम पर हुआ जो तीन लाख रुपये से ऊपर का पहला बंद भाव है। इसके साथ सोना भी 1,900 रुपये उछलकर 1.48 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया।

सर्राफा कारोबारियों के मुताबिक घरेलू और वैश्विक बाजारों में मजबूत मांग के कारण चांदी के दाम में जबर्दस्त तेजी रही। शुक्रवार को चांदी 2,92,600 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। स्थानीय सर्राफा बाजार में सोने की कीमतों में भी

मजबूती देखी गई और यह नए रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गई। सोना सभी करों सहित 1,48,100 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया, जो शुक्रवार के 1,46,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर से 1,900 रुपये अधिक है। सोने के वायदा भाव में पिछले सप्ताह के दौरान 3,698 रुपये यानी 2.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

एक सप्ताह में 14% चढ़ा भाव

चांदी के वायदा भाव में पिछले सप्ताह के दौरान करीब 14 प्रतिशत यानी 35,037 रुपये की तेजी आई है। इसकी कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2,35,701 रुपये किलोग्राम थी। इसमें अबतक 68,499 रुपये यानी 29 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

टैरिफ अनिश्चितता से लगे पंख

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के विश्लेषक सौमिल गांधी के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से यूरोपीय देशों पर टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद निवेशकों में चिंता और बढ़ी है। बढ़ती अनिश्चितता के कारण उन्हें सुरक्षित निवेश विकल्पों की तलाश है। इसी कारण वे कीमती धातुओं में निवेश कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

लद्दाख में 5.7 तीव्रता का भूकंप, नुकसान नहीं

लेह। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लेह जिले में सोमवार को 5.7 तीव्रता का भूकंप आया। हालांकि अधिकारियों के मुताबिक भूकंप के कारण किसी प्रकार का नुकसान होने की कोई सूचना नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, भूकंप के झटके दिन में 11:51 बजे महसूस किए गए। एनसीएस ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि भूकंप का केंद्र 171 किलोमीटर की गहराई में 36.71 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 74.32 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि अभी तक भूकंप से संबंधित किसी भी प्रकार की क्षति की कोई सूचना नहीं है।

पूर्व आईपीएस अफसर अमिताभ ठाकुर को जमानत मिली

देवरिया। धोखाधड़ी मामले में देवरिया जेल में बंद पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर को सोमवार को जिला जज की अदालत से जमानत मंजूर हो गई लेकिन उनकी पत्नी नूतन ठाकुर की अग्रिम जमानत अर्जी को अदालत ने खारिज कर दिया। डीजीसी क्राइम राजेश मिश्रा के मुताबिक अब नूतन को हाईकोर्ट जाना होगा या अदालत में समर्पण करना होगा। अमिताभ ठाकुर के खिलाफ लखनऊ में भी मुकदमा दर्ज हैं और वहां की अदालत से जारी वारंट बी देवरिया जेल में तामील करा दिया गया है। उनकी रिहाई अभी आसान नहीं होगी।

मणिकर्णिका घाट पर विरोध कर रहे लोगों को खदेड़ा, 16 हिरासत में

वाराणसी। बनारस के मणिकर्णिका घाट पर पुनर्विकास को लेकर चल रहे कार्यों के दौरान रानी अहिल्याबाई होलकर की मूर्ति तोड़े जाने के आरोप को लेकर सोमवार को दर्जनों लोगों ने घाट पर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। पुलिस ने उन्हें समझाने का प्रयास किया लेकिन प्रदर्शनकारियों ने पुलिसकर्मियों के साथ धक्कामुक्की की। इस पर पुलिस ने सभी को खदेड़ दिया। 16 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। एसीपी डॉ. अतुल अंजान त्रिपाठी ने बताया कि प्रदर्शन करने वालों ने कोई अनुमति नहीं ली थी।

पीठासीन अधिकारी चाहे जिस दल के हों, निष्पक्ष होना चाहिए

ओम बिरला का पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में अनुशासन-जवाबदेही पर जोर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि विधायिका लोकतंत्र का वह मंच है, जहां जनता की आवाज शासन तक पहुंचती है और समाधान का रास्ता निकलता है। ऐसे में राज्य विधानमंडलों की कार्यवाही का घटता समय लोकतंत्र के लिए गंभीर चिंता का विषय है। राज्य विधानसभाओं की कार्यवाही के लिए एक निश्चित और पर्याप्त समय सुनिश्चित किया जाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सदन जितना अधिक चलेगा, उतनी ही अधिक सार्थक, गंभीर और परिणामोन्मुख चर्चा संभव होगी।

बिरला सोमवार को विधानसभा में आयोजित तीन दिवसीय 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में पहले दिन बतौर मुख्य अतिथि यह भी कहा कि पीठासीन अधिकारी चाहे जिस भी राजनीतिक दल से आते हों,

लखनऊ विधान सभा में सम्मेलन में बोलते लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला।

ये लोकतांत्रिक सहयोग का मजबूत मंच : राज्यपाल

इसके पहले सम्मेलन का उद्घाटन राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने किया। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन जैसे मंच राज्यों के बीच संवाद, सहयोग और सर्वोत्तम संसदीय प्रथाओं के आदान-प्रदान का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि यह सम्मेलन विधायी संस्थाओं को और अधिक प्रभावी बनाएगा।

उनका आचरण दलगत राजनीति से हटकर न्यायपूर्ण, निष्पक्ष, संतुलित होना चाहिए। पीठासीन अधिकारी का व्यवहार केवल निष्पक्ष होना ही नहीं बल्कि निष्पक्ष दिखना भी चाहिए, ताकि सदन की गरिमा और जनता का विश्वास बना रहे। बिरला ने कहा कि सोशल मीडिया के इस दौर में जनप्रतिनिधियों के प्रत्येक आचरण पर जनता की पैनी निगाह रहती है। ऐसे में संसदीय शिष्टाचार, अनुशासन और सदन की प्रामाणिकता बनाए

- कहा- सदन जितना अधिक चलेगा लोकतंत्र उतना ही होगा मजबूत

आज इन मुद्दों पर होगा मंथन

मंगलवार को सम्मेलन में विधायी प्रक्रियाओं में तकनीक व डिजिटल टूल्स के उपयोग, विधायकों का क्षमता निर्माण व प्रशिक्षण, जनता के प्रति विधायिका की जवाबदेही और संसदीय शिष्टाचार और सदन की गरिमा बनाए रखने के उपाय के मुद्दों पर मंथन होगा।

रखना कहीं ज्यादा जरूरी हो गया है। यह केवल नियमों से नहीं, बल्कि व्यवहार और परंपराओं के पालन से संभव है। सम्मेलन में 28 राज्यों, तीन केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं व छह विधान परिषदों के पीठासीन अधिकारियों ने भाग लिया। यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सम्मेलन में पीठासीन अधिकारियों के समक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का शुभकामना संदेश पढ़कर सुनाया।

बंगाल में तार्किक विसंगतियों की सूची प्रदर्शित करे आयोग

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया कि वह पश्चिम बंगाल के ग्राम पंचायत भवनों, तालुका प्रखंड कार्यालयों और वार्ड कार्यालयों में ''तार्किक विसंगतियों'' की सूची में शामिल लोगों के नाम प्रदर्शित करे, साथ ही वहां उनके दस्तावेज और आपत्तियां भी स्वीकार की जाएं। कोर्ट यह भी कहा कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर की प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए और इससे किसी को असुविधा नहीं होनी चाहिए।

राज्य में 2002 की मतदाता सूची से संतानों के संबंध में तार्किक विसंगतियों में माता-पिता के नाम का बेमेल होना और मतदाता और उनके माता-पिता के बीच आयु का अंतर 15 वर्ष से कम या 50 वर्ष से अधिक होना शामिल है। राज्य में 1.25 करोड़ मतदाताओं के तार्किक विसंगतियों की सूची में शामिल होने पर संज्ञान लेते हुए सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की की पीठ ने कहा कि पश्चिम बंगाल में जारी एसआईआर से

- एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट का निर्देश, 1.25 करोड़ मतदाता शामिल हैं सूची में
- मतदाताओं के दस्तावेज और आपत्तियां भी स्वीकार करनी होंगी आयोग को

प्रभावित होने की संभावना वाले लोगों को अपने दस्तावेज या आपत्तियां प्रस्तुत करने की अनुमति दी जाए और इसके लिए पंचायत भवनों या ब्लॉक कार्यालयों के भीतर कार्यालय स्थापित किए जाएं।

पीठ ने निर्देश दिया कि सुचारू कामकाज के लिए प्रत्येक जिला, ईसीआई या राज्य सरकार द्वारा कर्मचारियों के लिए जारी किए गए निर्देशों का सावधानीपूर्वक पालन करे। कहा, पश्चिम बंगाल के डीजीपी यह सुनिश्चित करने के लिए बाध्य होंगे कि कानून-व्यवस्था की कोई समस्या न हो और सभी गतिविधियां सुचारू रूप से पूरी हों।

कर्नल सोफिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी का मामला

मंत्री विजय शाह पर केस चलाने की मंजूरी पर दो सप्ताह में फैसला करे मध्य प्रदेश सरकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले मंत्री कुंवर विजय शाह पर मुकदमा चलाने की मंजूरी देने का निर्णय दो सप्ताह के भीतर करने का निर्देश दिया है। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि न्यायालय द्वारा गठित एसआईटी ने जांच पूरी कर अंतिम रिपोर्ट 19 अगस्त 2025 को सौंप दी है। आगे की कार्यवाही अब तक रुकी हुई है, क्योंकि बीएनएस की धारा 196 के तहत राज्य सरकार से मंजूरी की जरूरत है। यह धारा सांप्रदायिक घृणा या वैमनस्य को बढ़ावा देने से संबंधित है। पीठ ने एसआईटी की रिपोर्ट में उल्लिखित उन आपत्तिजनक टिप्पणियों पर भी गौर किया, जो अन्य मामलों में मंत्री शाह ने की थीं।

सोशल मीडिया पर एसीआर लीक होने की जांच एसटीएफ के हवाले की गई

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः सुखवंत सुसाइड मामले में सस्पेंड सब इंस्पेक्टर कुन्दन सिंह रौतेला के जनपद बागेश्वर में तैनाती की वार्षिक गोपनीय आख्या (एसीआर) सोशल मीडिया पर प्रसारित होने सम्बन्धी प्रकरण में डीजीपी दीपम सेठ ने गहन जांच कराने के लिए एसएसपी एसटीएफ को निर्देशित किया है।

डीजीपी ने कहा कि, किसी भी अधिकारी/कर्मचारी की गोपनीय

- सस्पेंड एसआई कुंदन रौतेला की एसीआर हुई थी लीक, डीजीपी ने जारी किया आदेश

आख्या का सोशल मीडिया पर प्रसारित होना अत्यंत संवेदनशील एवं गंभीर विषय है। चूंकि एसीआर एक गोपनीय डिजिटल दस्तावेज है, जिसे सुरक्षित आईटी/डिजिटल प्रणाली के जरिए अधिकृत अधिकारी/कर्मचारी ही एक्सेस कर सकते हैं। अतः इस प्रकरण में अनधिकृत डेटा एक्सेस की आशंका एवं साइबर साक्ष्यों की तकनीकी जांच सुनिश्चित करने के लिए एसटीएफ को निर्देश दिए गए हैं।

ज्ञातव्य है कि प्रतिकूल एसीआर टिप्पणी अंकित होने के बाद भी संबंधित को थानाध्यक्ष पद पर तैनात किए जाने के संबंध में पूर्व से जांच प्रचलित है। एसएसपी एसटीएफ नवनीत भुल्लर ने बताया कि पुलिस मुख्यालय के आदेशों के क्रम में सभी तथ्यों एवं तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जांच की जाएगी। एसटीएफ कुमाऊं यूनिट ने इसकी जांच प्रारंभ कर दी है।

राज्यपाल की राष्ट्रपति से शिष्टाचार भेंट

देहरादून : राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने सोमवार को नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राज्यपाल ने उत्तराखंड की रजत जयंती और नैनीताल लोक भवन के 125 वर्ष पूर्ण होने पर राष्ट्रपति के आगमन पर आधारित दो कॉफी टेबल बुक भेंट कीं। राज्यपाल ने राष्ट्रपति से उत्तराखंड द्वारा टीबी उन्मूलन की दिशा में किए जा रहे प्रयासों और राज्य की प्रगति पर भी चर्चा की।

मां भारती की सेवा करते हुए उत्तराखंड के दो सपूत शहीद

देहरादून, अमृत विचारः सैन्य भूमि उत्तराखंड के दो वीर सपूत मां भारती की सेवा करते हुए शहीद हो गए। रुद्रप्रयाग निवासी 15 गढ़वाल राइफल्स में तैनात हवलदार रविंद्र सिंह के अरुणाचल प्रदेश में शहीद होने का सोमवार को दुखद समाचार मिला।

वहीं, जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के सिंहपोरा क्षेत्र में आतंकियों से लोहा लेते हुए जनपद बागेश्वर निवासी हवलदार गजेंद्र सिंह गढ़िया वीरगति को प्राप्त हुए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वीर सपूतों हवलदार रविंद्र सिंह और हवलदार गजेंद्र सिंह के सर्वोच्च बलिदान को नमन किया है। शहीद

गजेन्द्र

रविंद्र

- हवलदार रविंद्र सिंह को अरुणाचल और गजेंद्र को किश्तवाड़ में वीरगति

जवानों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोकाकुल परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।

अल्मोड़ा में सड़क किनारे खड़े यूपी नंबर के पिकअप वाहन से दो शव बरामद

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः भिकियासैंण क्षेत्र में यूपी के बिजनौर रजिस्ट्रेशन नंबर के पिकअप वाहन से दो लोगों के शव मिलने से सनसनी फैल गई। वाहन से पुलिस ने पेट्रोमैक्स बरामद किया है। एक व्यक्ति की जेब से मुरादाबाद की आईडी बरामद हुई है। प्रारंभिक तौर पर माना जा रहा है कि दोनों लोगों की मौत पेट्रोमैक्स से बनी गैस से दम घुटने से हुई होगी।

पुलिस के अनुसार, भिकियासैंण से करीब पांच किमी दूर जैनल गांव के पास यूपी-20 रजिस्ट्रेशन नंबर का पिकअप वाहन सोमवार दिन भर सड़क किनारे खड़ा था। शाम करीब

- पेट्रोमैक्स की गैस से दम घुटना माना जा रहा मौत का प्रारंभिक कारण

छह बजे तक कोई हलचल न होने और वाहन में मौजूद दोनों लोगों को बेहोश जानकर ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने वाहन से दोनों लोगों के शव बरामद किए। पुलिस ने बताया कि यह पिकअप वाहन किसके नाम पर पंजीकृत है, वाहन यहां कब और कहां से आया इसकी जांच पड़ताल की जा रही है। उपनिरीक्षक संजय जोशी ने बताया कि प्रारंभिक तौर पर एक शव की शिनाख्त उसके जेब में मिली आईडी के आधार पर मुरादाबाद निवासी अलाउद्दीन के रूप में हुई हैं जबकि दूसरे शव की शिनाख्त के प्रयास जारी हैं। पिकअप वाहन से चालू हालत में पेट्रोमैक्स भी मिला हैं। संभवतः वाहन का केबिन बंद होने और पेट्रोमैक्स की गैस से दम घुटना दोनों लोगों की मौत का कारण हो सकता है। एसएसपी देवेंद्र पींचा ने बताया कि सभी पहलुओं पर विस्तृत जांच के बाद ही स्थिति पूरी तरह से साफ हो पाएगी।

सबसे युवा अध्यक्ष

पार्टी के शीर्ष पद के लिए एकमात्र उम्मीदवार के प्रस्तावकों में मोदी, शाह, राजनाथ, गडकरी, नड्डा शामिल

नितिन नवीन ही होंगे भाजपा के अगले राष्ट्रीय अध्यक्ष

- पक्ष में दाखिल किए नामांकन के 37 सेट, सभी वैध पाए

नई दिल्ली, एजेंसी

नितिन नवीन का सोमवार को नामांकन के दिन ही भाजपा का अगला राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना तय हो गया। पार्टी के शीर्ष पद के लिए हो रहे चुनाव में एकमात्र उम्मीदवार हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता और अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारी के. लक्ष्मण के मुताबिक उनके पक्ष में नामांकन पत्रों के 37 सेट दाखिल किए गए जिन्हें वैध पाया गया।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए नवीन की उम्मीदवारी का प्रस्ताव रखने वालों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हैं। इसके अलावा पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह और नितिन गडकरी सहित कई वरिष्ठ भाजपा नेता भी उनके प्रस्तावक बने। लक्ष्मण ने बताया कि कार्यक्रम के अनुसार, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के नामांकन की प्रक्रिया सोमवार को अपराह्न दो बजे से चार बजे के बीच पूरी हो गई। उन्होंने कहा, नितिन नवीन के पक्ष में दाखिल सभी 37 नामांकन सेट वैध पाए गए हैं।

भाजपा अध्यक्ष की नामांकन प्रक्रिया में पहुंचे मुख्यमंत्री धामी समेत कई वरिष्ठ नेता।

राष्ट्रीय अध्यक्ष के नामांकन में पहुंचे सीएम धामी

देहरादून, अमृत विचार : भाजपा मुख्यालय, नई दिल्ली में सोमवार को संगठन पर्व के अंतर्गत विश्व के सबसे बड़े राजनैतिक दल भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए नामांकन प्रक्रिया में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री, सांसद, विधायक और पार्टी पदाधिकारी सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री धामी ने इस अवसर पर कहा कि, भाजपा संगठन केवल एक राजनीतिक ढांचा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित कार्यकर्ताओं का परिवार है। इसी सामूहिक शक्ति से हम जनसेवा और राष्ट्रहित के अपने संकल्प को और मजबूत करते हैं।

मोदी की मौजूदगी में सौंपी जाएगी जिम्मेदारी

भाजपा के सबसे युवा अध्यक्ष बनने जा रहे नितिन नवीन को मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में पूर्णकालिक स्थाई अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। सोमवार को ही भाजपा मुख्यालय में नए अध्यक्ष की ताजपोशी को लेकर होने वाले कार्यक्रम के लिए तैयारियां शुरू हो गईं। पार्टी सूत्रों के अनुसार नितिन नवीन को आधिकारिक रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किए जाने के अवसर पर पार्टी मुख्यालय में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की भीड़ जुटने का अनुमान है।

शिष्टाचार भेंट : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन से भेंट की। दोनों वरिष्ठ नेताओं के बीच देश-प्रदेश के विभिन्न समसामयिक विषयों पर चर्चा हुई।

इस सीजन पूरी तरह से बदली मौसम की चाल से विज्ञानी भी हैरान, विपरीत परिस्थितियों के बीच वर्षा पर निर्भर किसान बेहाल

तो बिना बर्फबारी के बीतेगा विंटर सीजन या यूटर्न लेगा मौसम

- शीत का मौसम करीब डेढ़ माह का शेष, आशा है अभी बरकरार
- जलवायु परिवर्तन का बड़ा असर हिमालयी क्षेत्र को करता प्रभावित

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: उत्तराखंड में विंटर सीजन में सूखा परेशानी का सबब बनने जा रहा है। शीत का करीब डेढ़ माह शेष है और मौसम ने अभी भी यदि यूटर्न नहीं लिया तो ग्रीष्मकाल में पेयजल के साथ कृषि, बागवानी क्षेत्र भी प्रभावित रहेगा। मौसम विशेषज्ञों की मानें तो जलवायु परिवर्तन का बड़ा असर नजर आने लगा है, जो हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित कर रहा है।

अतीत में शायद ही कोई वर्ष रहा हो जब शीतकाल की शुरुआत में हिमालय राज्य बर्फबारी अथवा वर्षा से विरक्त रहा हो, लेकिन इस बार के हालात भयावह सूखे को जन्म देता प्रतीत हो रहे हैं। यह बड़ी चिंता का विषय है, जो ग्रीष्मकाल में पेयजल संकट का अलार्म दे रहा है। पश्चिमी विक्षोभ बरसने अमूमन अक्टूबर से शुरू हो जाते हैं। अभी तक आधा दर्जन विक्षोभ हिमालय की चोटियों को बर्फ की सफेद चादर में तब्दील कर दिया करते थे और हिमालय के निचले पर्वतीय क्षेत्र भी कई बार बर्फ की चादर से ढक जाया करते थे। मगर इस बार हिमपात पर बुरी नजर लग चुकी है। मौसम की इन विपरीत स्थितियों के बीच वर्षा पर निर्भर कृषकों की नजरें टकटकी लगाए आसमान को देख रहे हैं मगर बादल धोखा देने लगे हैं। करीब चार माह से सूखा अकाल बनकर उभरता प्रतीत हो रहा है।

जानकार मौसम के अजीबो गरीब हालात देख परेशान हैं और इसकी ठोस वजह तलाश रहे हैं। वैज्ञानिक मानते हैं कि यह परिस्थितियां उत्तराखंड के लिए मौसम की दृष्टि से वाकई असामान्य और चिंताजनक है। अभी तक आए पश्चिमी विक्षोभ बेहद कमजोर रहे हैं, जो उत्तराखंड पहुंचते-पहुंचते निष्क्रिय हो जाते हैं। हिमपात तो दूर वर्षा ने भी मुंह मोड़ लिया है। इससे ग्रीष्मकाल का अनुमान लगाया जा सकता है कि यदि शेष शीत ऋतु भी सूखे की भेंट चढ़ गयी तो गर्मी में तमाम समस्याएं उत्पन्न होंगी। स्वास्थ्य पर भी इसका असर पड़ेगा।

हैरानी करने वाला है राज्य का सूखा

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के वरिष्ठ वायुमंडलीय वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र सिंह कहते हैं कि पिछले 4 माह से राज्य में सूखे की स्थिति हैरान करने वाली है। इसके पीछे पश्चिमी विक्षोभों का कमजोर होना सबसे बड़ी वजह है तो जलवायु परिवर्तन का असर भी पश्चिमी विक्षोभों को प्रभावित कर रहा है। सूखे की स्थिति भविष्य के लिए कदापि अच्छे संकेत नहीं हैं। इस बार का सूखा मौसम को लेकर नई दिशा देने जा रहा है। अब यदि आने वाले दिनों में हिमपात और बारिश नहीं हुई तो ग्रीष्मकाल में स्थितियां अच्छी नहीं होंगी।

कल से पश्चिमी विक्षोभ बरसेगा या धोखा देगा

राज्य में एक और पश्चिमी विक्षोभ 22 जनवरी से सक्रिय होने जा रहा है। यह विक्षोभ बरसेगा या पिछले विक्षोभों की तरह धोखा दे जाएगा। इसका पता दो दिन बाद पता चलेगा। मौसम विभाग के अनुसार इस विक्षोभ का सर्वाधिक असर 23 से 25 जनवरी तक रहेगा। उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली आदि ऊंचे इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई गई है।

स्टेट ब्रीफ

गृह मंत्री शाह धर्मनगरी के दौरे पर आएंगे

देहरादून : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के 21 और 22 जनवरी को ऋषिकेश और हरिद्वार में प्रस्तावित आगमन को देखते हुए पुलिस-प्रशासन अलर्ट मोड पर है। जानकारी के अनुसार, गृह मंत्री 21 जनवरी को ऋषिकेश गीता भवन में विशेष कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे जबकि 22 जनवरी को हरिद्वार में शांतिकुंज में आयोजित होने वाले समारोह में प्रतिभाग करेंगे। गृह मंत्री के आगमन को देखते हुए हरिद्वार पुलिस होटल/धर्मशाला एवं संवेदनशील स्थानों पर लगातार चेकिंग और सत्यापन अभियान चला रही है।

बास्केटबॉल चयन प्रक्रिया संपन्न

हरिद्वार : उत्तराखंड में खेल महाकुम्भ-2025-26 के अंतर्गत मुख्यमंत्री चैम्पियनशिप ट्रॉफी बास्केटबॉल प्रतियोगिता के लिए आयु वर्ग अंडर-14 एवं अंडर-19 बालक वर्ग की चयन प्रक्रिया सोमवार को सम्पन्न हुई। चयन प्रक्रिया का आयोजन नेहरू युवा केन्द्र, रानीपुर हरिद्वार में किया गया। जिला युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को आयु वर्ग अंडर-14 एवं अंडर-19 बालिका वर्ग की बास्केटबॉल प्रतियोगिता हेतु चयन प्रक्रिया नेहरू युवा केन्द्र, हरिद्वार में आयोजित होगी।

तपोवन में तीन अवैध निर्माण सील

देहरादून : टिहरी गढ़वाल में अवैध निर्माणों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण की टीम ने नरेंद्रनगर अंतर्गत तपोवन क्षेत्र में सोमवार को तीन अवैध निर्माणों को सील कर दिया। सील किए गए निर्माण कार्यों में अंकुर मलिक, मनमोहन पोखरियाल एवं सूर्य कुमार के निर्माण शामिल हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनपद में अवैध निर्माण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे और आगे भी इसी प्रकार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

हर बच्चा खास.. पहचानें प्रतिभा... आगे बढ़ाने का करें प्रयास: सीएस

मुख्य सचिव ने 'शिक्षा की बात' कार्यक्रम में किया राज्य भर के छात्र-छात्राओं से संवाद

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्य सचिव (सीएस) आनन्द बर्द्धन ने सोमवार को राजीव गांधी नवोदय विद्यालय में 'शिक्षा की बात' कार्यक्रम के तहत प्रदेश के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद किया।

सीएस ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हर बच्चा खास होता है। उसमें कोई न कोई विशेषता अवश्य होती है। हमें अपनी प्रतिभा पहचानने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी शिक्षकों एवं परिजनों से भी अनुरोध किया कि वे अपने बच्चों की प्रतिभा को पहचानते हुए आगे बढ़ाने का प्रयास करें। सीएस ने शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि वे 'शिक्षा की बात' कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए इसमें उद्योगपतियों, वैज्ञानिकों, प्रोफेसर और विभिन्न क्षेत्रों में महत्त्वपूर्ण कार्य कर रहे व्यक्तियों से बातचीत कराते हुए बच्चों का मार्गदर्शन करने का अवसर दें। उन्होंने यह कार्यक्रम सभी विद्यालयों में भी शुरू करने के साथ सभी क्लस्टर विद्यालयों को इससे जोड़ने को कहा।

मुख्य सचिव ने इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न विद्यालयों से आए बच्चों द्वारा तैयार साइंस प्रोजेक्ट्स का अवलोकन करते हुए कहा कि कौशल विकास विभाग के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का भी भ्रमण कराया जाए। इससे उनको किताबी ज्ञान के अलावा अन्य बहुत सा व्यावहारिक ज्ञान और जानकारियां मिलेंगी। इस अवसर पर सचिव रविनाथ रमन एवं निदेशक माध्यमिक शिक्षा मुकुल सती सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

मोबाइल व तकनीक पर करें कंट्रोल: बच्चों से चर्चा के दौरान सीएस ने महत्वपूर्ण सीख देते हुए कहा कि आज मोबाइल और तकनीक का युग है, मगर मोबाइल और तकनीक पर हमारा कंट्रोल हो, न कि वो हमें कंट्रोल करें। किताबें, खेल और रचनात्मक सोच आपको मजबूत बनाते हैं। हमें इन सभी पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

बच्चों द्वारा तैयार किए गए साइंस प्रोजेक्ट्स का अवलोकन करते मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन।

मेहनत व अनुशासन बनाते बेहतर

सीएस ने कहा कि सफलता का कोई शॉर्ट-कट नहीं है। इसके लिए एक लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत करनी होती है। मेहनत और अनुशासन हमें बेहतर बनाते हैं। हमें अच्छा मनुष्य, अच्छा नागरिक बनकर देश और समाज के प्रति जिम्मेदारियां निभानी है। इसके लिए सभी शिक्षकों और अभिभावकों को भी अपने बच्चों को देश का जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारी निभानी होगी।

पिथौरागढ़ में दो हादसे, 6 घायल

पिथौरागढ़ : पिथौरागढ़-घाट मोटर मार्ग और पिथौरागढ़-धारचूला मोटर मार्ग पर दो अलग-अलग सड़क हादसों में छह लोग घायल हो गए। इनमें तीन घायलों की हालत गंभीर बतायी गयी।

जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र, पिथौरागढ़ के अनुसार, सोमवार को पिथौरागढ़-घाट मोटर मार्ग पर गुरना के समीप एक पिकअप वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। वाहन में चालक सहित दो व्यक्ति गोटियां, खटीमा निवासी कबीर अहमद और एजाज सवार थे। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने दोनों घायलों को जिला चिकित्सालय पिथौरागढ़ पहुंचाया। इसके अलावा, बीती रविवार देर रात धारचूला अंतर्गत पिथौरागढ़-धारचूला मोटर मार्ग पर जौलजीबी पुल के समीप एक टिप्पर वाहन दुर्घटनाग्रस्त होकर खाई में गिर गया। वाहन में चालक सहित छह व्यक्ति सवार थे, जो दुर्घटना में घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने सभी घायलों को खाई से निकालकर स्वास्थ्य केन्द्र डीडीहाट पहुंचाया। जहां से तीन घायलों- विक्रम सिंह, प्रकाश सिंह और राहुल सिंह को जिला चिकित्सालय पिथौरागढ़ रेफर किया गया। शेष घायलों की स्थिति सामान्य बताई गयी।

बसंत पर खुलने तय होंगे बदरीनाथ धाम के कपाट

संवाददाता, टिहरी

अमृत विचार: धार्मिक आस्था और सनातन परंपरा का प्रतीक माने जाने वाले श्री बदरीनाथ धाम के कपाट खोलने का निर्णय बसंत पंचमी के पावन अवसर पर 23 जनवरी को लिया जाएगा। कपाट खुलने की तिथि का निर्धारण नरेंद्रनगर स्थित ऐतिहासिक टिहरी राज दरबार में पारंपरिक विधि-विधान के साथ किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार, कपाट खुलने की तिथि तय करने के लिए आयोजित होने वाला यह महत्वपूर्ण कार्यक्रम पूर्वाह्न 10:30 बजे से प्रारंभ होगा। कार्यक्रम में टिहरी राज परिवार के प्रतिनिधि, बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के पदाधिकारी, राजपुरोहित, धर्माचार्य एवं पंचांग गणना करने वाले विद्वान शामिल होंगे। वैदिक मंत्रोच्चार और पंचांग के आधार पर शुभ तिथि और समय की घोषणा की जाएगी। श्री बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि तय होते ही चारधाम यात्रा 2026 की औपचारिक शुरुआत मानी जाती है। इसके साथ ही प्रशासन, मंदिर समिति और पर्यटन विभाग की तैयारियां भी तेज हो जाती हैं। हर वर्ष लाखों श्रद्धालु देश-विदेश से भगवान बदरीविशाल के दर्शन के लिए बदरीनाथ धाम पहुंचते हैं, ऐसे में कपाट खुलने की तिथि को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह रहता है। गौरतलब है कि परंपरा के अनुसार बदरीनाथ धाम के कपाट शीतकाल में बंद रहते हैं और बसंत पंचमी पर शुभ मुहूर्त तय कर ग्रीष्मकालीन यात्रा का मार्ग प्रशस्त किया जाता है। यह आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टि से बल्कि सांस्कृतिक और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

तीन लाख से ज्यादा लोगों को मिला सीधा लाभ

देहरादून, अमृत विचार: राज्य सरकार की ओर से चलाए जा रहे जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार कार्यक्रम के तहत 13 जिलों में लगाये गए शिविरों से अब तक तीन लाख से अधिक लोगों ने सीधा लाभ उठाया है। सरकारी आंकड़ों पर गौर करें तो 19 जनवरी तक प्रदेशभर में 395 शिविर आयोजित किए गए। इसमें 3 लाख 22 हजार 585 से अधिक नागरिकों ने प्रतिभाग किया। इन शिविरों के माध्यम से 32746 शिकायत और प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिनमें से 22173 मामलों का तत्काल निस्तारण कर दिया गया। शिविरों के दौरान विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्रों व अन्य शासकीय सेवाओं के लिए 43418 आवेदन प्राप्त हुए। विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से 1 लाख 75 हजार 258 नागरिकों को सीधे लाभ पहुंचा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यह एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनता के साथ सरकार के विश्वास का सेतु है। इस पहल ने यह साबित कर दिया है कि जब सरकार खुद जनता के द्वार तक पहुंचती है, तो न केवल समस्याओं का समाधान होता है, बल्कि शासन के प्रति जनविश्वास भी बढ़ता है।

पिकनिक मनाने को गया युवक खाई में गिरा, मौत

नैनीताल: स्नोव्यू क्षेत्र के जंगल में दोस्तो के साथ पार्टी कर रहा युवक असंतुलित होकर खाई में गिर गया। करीब एक घंटे के रेस्क्यू अभियान के बाद युवक को खाई से निकालकर सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत के बाद परिजनों में कोहराम मचा है। पुलिस के मुताबिक ब्रेसाइड सात नंबर निवासी भुवन राम आर्या छह दोस्तों के साथ पार्टी करने हिमालय दर्शन क्षेत्र गया था। सभी दोस्तों ने मिलकर शराब पी। इस दौरान भुवन पहाड़ी से नीचे को लघुशंका करने लगा। नशा होने के कारण अचानक उसका संतुलन बिगड़ा और वह खाई में गिर गया। दोस्तों की सूचना पर पुलिस, एसडीआरएफ व दमकल विभाग की टीमों ने करीब एक घंटे की सर्च के बाद भुवन को सड़क से करीब 70 मीटर नीचे बेसुध अवस्था में बरामद किया। एसएसआई दिनेश जोशी ने बताया कि मृतक भुवन के दोस्तों द्वारा उसका पैर फिसलकर गिरने की जानकारी दी गई है। दोस्तों से पूछताछ के साथ ही सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है।

राजकीय मेडिकल कालेजों को मिल गए 64 योग्य फार्मासिस्ट

संवाददाता, देहरादून

- राज्य चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड ने घोषित किया परीक्षा परिणाम
- 8 पदों का परिणाम हाईकोर्ट में याचिका के चलते रोका गया

अमृत विचार: उत्तराखंड चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड ने चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत विभिन्न मेडिकल कालेजों में फार्मासिस्ट (भेषज) के रिक्त 73 पदों का अंतिम परीक्षा परिणाम घोषित कर 64 योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया है।

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने सोमवार को बताया कि सरकार द्वारा मेडिकल कॉलेजों एवं सम्बद्ध चिकित्सालयों में फार्मासिस्ट (भेषज) के रिक्त पदों को भरने का निर्णय लिया गया था जिसके क्रम में विभाग द्वारा राज्य चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड को फार्मासिस्ट के रिक्त 73 पदों को भरने का अधियाचन भेजा गया था। चयन बोर्ड ने उक्त अधियाचन के क्रम में फार्मासिस्ट के पदों को सीधी भर्ती के माध्यम से भरने के लिए 19 अक्टूबर 2024 को भर्ती विज्ञापन जारी किया था। बोर्ड को प्राप्त अभ्यर्थियों के आवेदनों का चरणवार अभिलेख सत्यापन किया गया।

इसके उपरांत चयन बोर्ड ने वर्षवार मेरिट के आधार पर 73 रिक्त पदों के सापेक्ष 64 योग्य अभ्यर्थियों का चयन कर अंतिम परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया है जबकि 8 पदों का परिणाम हाईकोर्ट में दायर रिट याचिका के चलते रोक दिया है। डॉ. रावत ने बताया कि चयनित फार्मासिस्ट को प्रदेशभर के राजकीय मेडिकल कालेजों में शीघ्र तैनाती दी जाएगी। इसके लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देश दे दिए गए हैं।

यूसीसी का एक साल

एक साल से कम समय में 4,74,447 शादियों का पंजीकरण

ऑनलाइन प्रक्रिया से आसान हुआ विवाह पंजीकरण

- रजिस्ट्रेशन के लिए अब सब रजिस्ट्रार ऑफिस में जाने की भी नहीं मजबूरी

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लागू हुए आगामी 27 जनवरी को एक साल पूरा होने जा रहा है। महिला सशक्तिकरण, बाल अधिकारों की सुरक्षा और नागरिक अधिकारों में समानता कायम करने के साथ ही यूसीसी का एक महत्वपूर्ण योगदान प्रक्रियाओं के सरलीकरण के रूप में रहा है।

यही कारण है कि यूसीसी लागू होने के एक साल से कम समय में 4,74,447 शादियों का पंजीकरण हो चुका है। अब पति-पत्नी कहीं से भी ऑनलाइन तरीके से विवाह पंजीकरण करवा रहे हैं। पहले उन्हें दो गवाहों के साथ तय तिथि पर सब रजिस्ट्रार कार्यालय में उपस्थित होना पड़ता था। दरअसल, यूसीसी लागू होने से पहले, उत्तराखंड विवाहों का अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 2010 के तहत विवाह पंजीकृत किए जाते थे। यह पूरी प्रक्रिया ऑफलाइन थी, इसलिए पति-पत्नी को दो गवाहों के साथ विवाह पंजीकरण के लिए सब रजिस्ट्रार कार्यालय में उपस्थित होना पड़ता था लेकिन यूसीसी के लगभग शत प्रतिशत विवाह पंजीकरण ऑनलाइन माध्यम से हो रहे हैं जिसमें दंपती या गवाह कहीं से भी, अपने रिकॉर्ड और वीडियो बयान दर्ज कराकर पंजीकरण के लिए आवेदन कर सकते हैं।

रोजाना रजिस्ट्रेशन 1400 के करीब: यूसीसी लागू होने के बाद एक साल से कम समय में इस दिन तक 4,74,447 विवाह पंजीकरण सम्पन्न हो चुके थे। इस तरह प्रतिदिन औसत पंजीकरण की संख्या 1400 के करीब पहुंच रही है, जबकि पिछले अधिनियम में विवाह पंजीकरण का औसत प्रतिदिन 67 का आता था।

> उत्तराखंड ने यूसीसी लागू करते हुए अन्य राज्यों को दिशा दिखाई है। बीते एक साल में जितनी पारदर्शी और सरलता से यूसीसी के प्रावधानों को लागू किया गया है, उससे लोगों में पूरी प्रक्रिया के प्रति विश्वास बढ़ा है। यही कारण है कि अब बड़ी संख्या में लोग यूसीसी के तहत पंजीकरण करवा रहे हैं। उत्तराखंड समान नागरिक संहिता हर तरह से एक मॉडल कानून साबित हुआ है।
> -पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री

68 लिव इन रिलेशनशिप में गए, दो निकले

इस अवधि में 316 लोगों ने ऑनलाइन माध्यम से ही विवाह विच्छेद करने और 68 ने लिव इन रिलेशनशिप में जाने जबकि 2 ने लिव इन रिलेशनशिप समाप्त करने का प्रमाणपत्र भी प्राप्त किया है।

पांच दिन में पंजीकरण पत्र

यूसीसी के तहत यूं तो आवेदन के बाद विवाह पंजीकरण प्रमाणपत्र जारी करने के लिए 15 दिन की समय सीमा तय है, लेकिन आवेदन करने के बाद औसत पांच दिन के भीतर ही पंजीकरण प्रमाणपत्र प्राप्त हो रहा है जबकि पुराने अधिनियम में एक तो आवेदकों को भौतिक तौर पर पंजीकरण कार्यालय में उपस्थित होना पड़ता था, उस पर विवाह पंजीकरण के लिए समय सीमा भी तय नहीं थी।

सिटी ब्रीफ

इंस्टाग्राम पर जातिगत टिप्पणी का आरोप

हल्द्वानी : इंस्टाग्राम पर एक युवक ने एससी समाज पर जातिगत टिप्पणी की, जिससे समाज में रोष है। अंबेडकर नगर निवासी अभिमन्यु सागर ने हल्द्वानी कोतवाली में तहरीर देकर आरोप लगाया कि इंस्टाग्राम में एक युवक ने उनके समाज पर अपमानजनक और जातिगत टिप्पणी की है। युवक वीडियो में गाली दे रहा है। कोतवाली विजय मेहता ने बताया कि तहरीर मिली है, जांच की जा रही है।

चार दिन बाद शुरू हुआ इंदिरानगर का ट्यूबवेल

हल्द्वानी : इंदिरानगर क्षेत्र का ट्यूबवेल चार दिन बाद शुरू कर दिया गया। ट्यूबवेल बंद रहने के कारण क्षेत्र में पेयजल संकट बना हुआ था और लोगों को पानी की समस्या से जूझना पड़ रहा था। जल संस्थान की टीम ने मरम्मत कार्य पूरा किए जाने के बाद ट्यूबवेल को पुन: चालू किया गया।

ऑनलाइन दर्ज नहीं होने की शिकायत के बाद तहसील प्रशासन ने लोगों की सुविधा के लिए सुचारू की व्यवस्था, मिलेगी राहत

तहसील के रजिस्ट्रार कानूनगो सेक्शन से लें दाखिल खारिज की प्रति

काम की खबर

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

तहसीलदार कुलदीप पांडे।

1 **अमृत विचार :** कुमाऊं के सबसे बड़े शहर हल्द्वानी तहसील में दाखिल खारिज नहीं होने की शिकायतों के बाद प्रशासन जाग उठा है। दाखिल खारिज की ऑनलाइन दर्ज नहीं होने की शिकायत पर तकनीकी विशेषज्ञों से भी वार्ता की गई है। साथ ही आमजन के दाखिल खारिज की वजह से कोई काम नहीं रुके इसलिए रजिस्ट्रार कानूनगो से सत्यापित कॉपी देने की व्यवस्था को सुचारू कर दिया गया है।

तहसीलदार कुलदीप पांडेय ने बताया कि भूमि के क्रय-विक्रय के बाद दाखिल खारिज के आदेश के बाद इसकी एंट्री आर-6 पंजिका में दर्ज की जाती है। इसके बाद भू-लेख पोर्टल में डाटा दर्ज कर खतौनी में ऑनलाइन प्रदर्शित होता है। इसका नया पोर्टल लॉन्च होने से अब तक ऑनलाइन डाटा प्रदर्शित नहीं हो पा रहा है। इस वजह से लोग परेशान हैं, वे बार-बार तहसीलों के चक्कर काट रहे हैं। इस समस्या के समाधान के लिए शासन को पत्र भेजा गया था।

उन्होंने बताया कि इस समस्या के निजात के लिए तकनीकी विशेषज्ञ से वार्ता भी की गई है। विशेषज्ञ ने बताया कि जल्द ही डाटा ऑनलाइन फैच करने के बाद ऑनलाइन प्रदर्शित हो जाएगा। तब तक जनता की समस्या से समाधान के लिए दाखिल खारिज का आदेश जो आर-6 पंजिका में दर्ज है, उसकी सत्यापित कॉपी रजिस्ट्रार कानूनगो सेक्शन से हासिल कर सकते हैं।

तहसीलदार ने आमजन से अपील की है कि तहसील में दाखिल खारिज संबंधित कार्यो में किसी भी प्रकार की कोई समस्या नहीं है। दाखिल खारिज की प्रक्रिया नियमानुसार लगातार गतिमान है। यदि फिर भी किसी को भी कोई समस्या होने पर सीधे तहसीलदार से भी संपर्क कर सकते हैं।

बॉब आरसेटी देगा एसी-फ्रिज मरम्मत का प्रशिक्षण

2 **हल्द्वानी :** बैंक ऑफ बड़ौदा-आरसेटी नैनीताल की ओर से कुंवरपुर गौलापार में 18 से 50 वर्ष के महिला व पुरुषों को एसी व फ्रिज की मरम्मत का 31 दिवसीय आवासीय निशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण 27 जनवरी से शुरू होगा। जनपद भर से 35 सीटें हैं, इनमें 25 ग्रामीण क्षेत्र के बीपीएल परिवारों के सदस्यों, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन समूह, स्वयं सहायता समूहों, मनरेगा परिवार के सदस्यों के लिए आरक्षित हैं। इच्छुक अभ्यर्थी आधार कार्ड, राशन कार्ड, जॉब कार्ड, चार फोटो और बैंक पासबुक की फोटोकॉपी के साथ सुबह 9 :30 से शाम 5 :30 बजे तक संस्थान में आवेदन कर सकते हैं। प्रशिक्षण के बाद ग्रामीण विकास मंत्रालय से प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा, जिसके माध्यम से विभिन्न ऋण योजनाओ का लाभ लिया जा सकेगा। यह जानकारी आरसेटी निदेशक ने दी है।

आज डीएम रयाल की अध्यक्षता में बहुद्देश्यीय शिविर

हल्द्वानी : डीएम ललित मोहन रयाल की अध्यक्षता में आज (मंगलवार) कोटाबाग ब्लॉक के बैलपड़ाव स्थित डाक बंगले में बहुद्देश्यीय शिविर लगाया जाएगा। इसमें जन समस्याओं का समाधान और मौके पर ही निस्तारण किया जाएगा।

पात्रों को योजनाओं से जोड़े जाने के साथ ही विभिन्न योजनाओं का लाभ भी जनता को दिया जाएगा। डीएम रयाल ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि अधिकाधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं तथा अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त करें। यह बहुद्देशीय शिविर सरकार और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करने तथा जनविश्वास को और सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

मेडिकल कॉलेज में विश्राम गृह निर्माण पर जमीन का पेंच

मेडिकल कॉलेज में बनना है विश्राम गृह लेकिन जमीन पर स्वामित्व कृषि विभाग का

नरेन्द्र देव सिंह, हल्द्वानी

अमृत विचार: पिछले साल जुलाई माह में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राजकीय मेडिकल कॉलेज देहरादून व हल्द्वानी में मरीजों और तीमारदारों के लिए विश्राम गृह बनाने की घोषणा की थी। इसके लिए मेडिकल कॉलेज से 1400 वर्गमीटर जगह मांगी गई जो दी भी गई लेकिन दिक्कत यह है कि भूमि का स्वामित्व कृषि विभाग के पास है। इसलिए घोषणा होने के छह माह बाद भी विश्राम गृह का निर्माण शुरू नहीं हो पाया है।

राजकीय मेडिकल कॉलेज के अधीन अस्पतालों में उपचार कराने के लिए कुमाऊं भर के मरीज आते हैं लेकिन मेडिकल कॉलेज में मरीजों और उनके तीमारदारों के लिए कोई विश्राम गृह नहीं है। ऐसे में विश्राम गृह बनाने की घोषणा की गई। ऐसे में मरीजों के तीमारदारों को अस्पताल के अंदर फर्श पर ही अपना बसेरा बनाना होता है। विश्राम गृहों में नाश्ता 20 रुपये, दोपहर व रात्रि भोजन 35 रुपये में उपलब्ध होगा। सेवादान आरोग्य फाउंडेशन के साथ हल्द्वानी में कुल 350 बिस्तरों की क्षमता वाले विश्राम गृह बनाने का अनुबंध भी हुआ। अब दिक्कत यह है कि हल्द्वानी मेडिकल कॉलेज के पास अपनी जमीन नहीं है। इसके पास जमीन का एक बड़ा हिस्सा वन विभाग से लीज पर हुआ है और एक हिस्सा कृषि विभाग से लिया गया है। विश्राम गृह मेडिकल कॉलेज में मेडिकल पुलिस चौकी के पास बनाया जाना प्रस्तावित है। यह जमीन कृषि विभाग से लीज पर मिली है। यहीं पर मामला अटका हुआ है। अब मेडिकल कॉलेज ने शासन में पत्र लिखकर कहा है कि कृषि विभाग से अनुमति दिलाई जाए। अनुमति मिलने के बाद ही काम शुरू हो पाएगा। डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल के प्राचार्य डॉ. अरुण जोशी ने बताया कि शासन को पत्र भेजा गया है। उम्मीद है कि शीघ्र ही अनुमति मिल जाएगी और विश्राम गृह का निर्माण शुरू हो जाएगा।

विश्राम गृह में होंगी ये सुविधाएं

यहां 10 बेड वाले पांच व आठ बेड वाले दो शयनागारों में 55 रुपये प्रति बिस्तर तीमारदारों को उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके अलावा 6 बेड वाले 5 शयानागार में तीमारदारों को 75 रुपये प्रति बिस्तर मिलेगा। विश्रामगृह में डबल बेड वाले 33 कमरे का 330 रुपये प्रति कक्ष की दर पर लोगों को मिलेंगे। डबल बेड वाले 8 कमरे (एसी युक्त) 850 रुपये प्रति कक्ष की दर पर मिलेगा। इसके अलावा विश्रामगृह में चार बेड वाले 36 कमरे का दरें 75 रुपये प्रति बिस्तर के हिसाब से मिलेंगे।

राशन केवाईसी: बीमार बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए कोई व्यवस्था नहीं

हल्द्वानी : नैनीताल जिले में भी राशन कार्ड की केवाईसी चल रही है। करीब 75 प्रतिशत लोगों की केवाईसी हो गई है। अब लोग 31 जनवरी तक केवाईसी करा सकते हैं। हालांकि विभाग की ओर से बीमार, बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए केवाईसी कराने के लिए अभी कोई सुविधा नहीं है। राशन कार्ड केवाईसी में सबसे ज्यादा बीमार, बुजुर्गों और दिव्यांगों को हो रही है। सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान पर जाकर केवाईसी का काम पूरा हो रहा है। अब दिक्कत यह है कि राशन कार्ड की केवाईसी के लिए इनका दुकान तक जाना जरूरी है। किसी तरह दुकान तक जाने के बाद भी अधिकांश बजुर्गों के फिंगर प्रिंट लग ही नहीं रहे हैं। कई वयोवृद्ध ऐसे हैं जो दुकान तक नहीं जा सकते हैं। केवाईसी कराने के लिए मोबाइल एप भी जारी नहीं हुआ है। अगर मोबाइल जारी होता तो बीमार, बुजुर्ग और दिव्यांग घर बैठे-बैठे केवाईसी करा लेते। क्षेत्रीय खाद्य सुरक्षा अधिकारी विजय जोशी ने बताया कि अभी केवाईसी के लिए यही तरीका है। कोशिश करें कि अंतिम तिथि 31 जनवरी तक केवाईसी करा लें।

कर्ज में नगर निगम, शासन के बजट भरोसे शहर का विकास

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : नगर निगम वर्तमान में कर्ज में डूबा है। निगम के पास छोटे मोटे विकास कार्यों के लिए भी बजट नहीं है। ऊपर से करोड़ों की देनदारी है। निगम पर वर्तमान में 40 करोड़ से अधिक की देनदारी है। इसमें सड़क निर्माण का 20 करोड़, स्ट्रीट लाइट बिल का 10 करोड़, स्वास्थ्य अनुभाग का 14 करोड़ समेत अन्य मदों का दो करोड़ बकाया शामिल है।

नगर निगम में करीब 1200 कार्मिक तैनात हैं, इनमें 1028 पर्यावरण मित्र हैं। करीब 400 कार्मिक सेवानिवृत्त हो चुके हैं। इन कर्मचारियों पर हर माह वेतन और पेंशन पर चार करोड़ रुपये खर्च हो रहे हैं जबकि सालभर की कमाई करीब 15 करोड़ तक है। शासन से मिलने वाली 28 करोड़ रुपये की ग्रांट कर्मचारियों के वेतन पर खर्च हो रही है। हालात ऐसे हैं कि पार्क सुधारीकरण और सड़क निर्माण जैसे कार्य भी निगम शासन के बजट पर कर रहा है। 2018 में नए वार्ड शामिल होने के बाद निगम के खर्चों में तो काफी बढ़ोत्तरी हो गई, लेकिन आय के स्त्रोत अधिक नहीं बढ़े हैं। बजट की कमी के चलते अधिकांश आंतरिक सड़कें पूर्व में ही लोनिवि को ट्रांसफर कर दी गई हैं। निगम अपने बजट से वार्डों के छोटे-मोटे कार्य करने के लिए भी सक्षम नहीं है। नगर आयुक्त परितोष वर्मा ने बताया कि निगम आय बढ़ाने के लिए कई कार्य कर रहा है।

आय बढ़ाने पर फोकस

नगर निगम की आय का मुख्य स्रोत भवन व स्वच्छता कर है। इसके माध्यम से ही निगम को सबसे अधिक आय होती है। निगम पुराने वार्डों के करीब 25 हजार भवनों से टैक्स वसूल रहा है। जिसमें व्यावसायिक भवन भी शामिल हैं। नए वार्डों में करीब पांच हजार व्यावसायिक भवनों से टैक्स वसूला जाता है। निगम द्वारा आय बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। दुकान किराया बढ़ाने, नए वार्डों में कॉर्मिशयल प्रतिष्ठानों से टैक्स वसूली, पार्किंग स्थल चिह्नित करने के साथ ही नए शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बनाए जाना है।

घुघते हैं साहब... पुलिस ने सूंघा तो निकली चरस

चरस के साथ पुलिस और एसओजी की गिरफ्त में आरोपी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : मोटरसाइकिल पर चरस की खेप लेकर उसे खपाने निकला युवक पुलिस के हत्थे चढ़ गया। युवक ने हेलमेट में चरस छिपा रखी थी और जब पुलिस पूछा कि ये क्या है तो युवक बोला कि साहब, ये घुघुते हैं और इसे वह अपने रिश्तेदार को देने जा रहा है। पुलिस ने जब थैली खोल कर घुघुते को सूंघा तो वह चरस निकली। इस पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया और न्यायाल के आदेश पर जेल भेज दिया।

टीपीनगर चौकी प्रभारी मनोज कुमार के नेतृत्व में पुलिस की टीम रविवार रात मंडी बाईपास क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी। पुलिस ने एक युवक अपनी बाइक पर बैठे देखा। उसने हाथ में हेलमेट थाम रखा था। पुलिस पहुंची तो युवक ने भागने लगा, लेकिन पुलिस ने उसे दबोच लिया।

पुलिस ने युवक के हाथ में टंगे हेलमेट में रखी पन्नी के बारे में पूछा तो युवक कहने लगा कि वह गांव में रहता है। हल्द्वानी में उसके रिश्तेदार रहते हैं। रिश्तेदार के लिए इस पन्नी में घुघते लेकर जा रहा हूं। पुलिस ने पन्नी खोली तो 750 ग्राम चरस बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम गोपाल सिंह निवासी ग्राम सुनकिया भटेलिया मुक्तेश्वर बताया। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी चरस को शहर में खपाने की फिराक में था।

किशोरी राजस्थान से बरामद, पुलिस ने आरोपी युवक को किया गिरफ्तार

संवाददाताः रामनगर

अमृत विचार: पुलिस ने बहला-फुसलाकर ले जाई गई नाबालिग को राजस्थान से सकुशल बरामद करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

बताया गया कि रामनगर निवासी एक पीड़ित पिता ने करीब आठ माह पूर्व, 30 मई 2025 को कोतवाली रामनगर में लिखित तहरीर दे अजय उर्फ बक्खू, निवासी शील गांव, राजस्थान को उसकी 17 वर्षीय नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगाया था। तहरीर के आधार पर थाना रामनगर में धारा 137(2) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के अंतर्गत आरोपी के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया था।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी। ● अमृत विचार

मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी द्वारा नाबालिग की शीघ्र बरामदगी एवं आरोपी की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए। इसके क्रम में क्षेत्राधिकारी के पर्यवेक्षण एवं प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने 18 जनवरी को राजस्थान राज्य के जिला खैरथल अंतर्गत थाना मुड़ावर क्षेत्र से आरोपी अजय पुत्र बक्खू, निवासी शील गांव, बख्तावर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से नाबालिग किशोरी को भी सकुशल बरामद किया।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार बरामद की गई नाबालिग को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के तहत संरक्षण में लिया गया है, जबकि गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक गणेश जोशी, कांस्टेबल विनीत चौहान एवं महिला कांस्टेबल भारती शामिल रहीं।

सीआरपीएफ जवान हीरा लाल की हार्टअटैक से मौत

संवाददाता, रामनगर

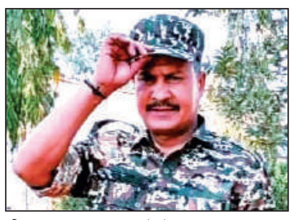

हीरा लाल (फाइल फोटो)।

अमृत विचारः झारखंड के नक्सल प्रभावित क्षेत्र में तैनात सीआरपीएफ जवान हीरा लाल का हार्ट अटैक से निधन हो गया। तीन दिन पूर्व ड्यूटी के दौरान नक्सली क्षेत्र में बने सीआरपीएफ कैंप में उन्हें दिल का दौरा पड़ा। जवान हीरा लाल हवलदार के पद पर तैनात थे।

उनका पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव रामनगर के मालधन पहुंचते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। सीआरपीएफ के जवानों और अधिकारियों ने उन्हें सैन्य सम्मान के साथ अंतिम सलामी दी। "हीरा लाल अमर रहें" और "भारत माता की जय" के नारों के बीच नम आंखों से अंतिम विदाई दी गई। इस दौरान मालधन और आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग श्रद्धांजलि देने पहुंचे। ग्रामीणों व जनप्रतिनिधियों ने शहीद के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। हीरा लाल अपने पीछे पत्नी और चार बच्चों को छोड़ गए हैं। स्थानीय लोगों ने सरकार और प्रशासन से शहीद के परिजनों को हर संभव सहायता और सम्मान प्रदान करने की मांग की।

सेवा भारती ने लगाए चिकित्सा शिविर

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : स्वामी विवेकानंद की जयंती के उपलक्ष पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सेवा भारती विभाग ने शहर और ग्रामीण क्षेत्रों की सेवा बस्तियों में 10 अलग-अलग स्थानों पर निशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाए। शिविरों में 60 से ज्यादा एनएमओ और डॉक्टरों की टीम ने लोगों की बीपी, शुगर व आंखों के साथ ही अन्य बीमारियों की भी जांच की और निशुल्क दवाएं बांटी।

साथ ही निशुल्क ऑपरेशन करवाने की सुविधा के साथ ही चश्मे भी उपलब्ध कराए गए। इस दौरान शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों की जनता ने स्वास्थ्य शिविर में पहुंचकर लाभ लिया। शिविर में शहर की एनएमओ के डॉक्टर्स और मेडिकल के छात्रों ने अपनी सेवाएं दी। जगह-जगह लगाए गए शिविर के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों ने व्यवस्था संभाली। मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पश्चिमी उत्तर प्रदेश के क्षेत्र सेवा प्रमुख धनीराम ने शिविर का शुभारंभ किया। धनी राम ने इस तरह के सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए स्वामी विवेकानंद के विचारों को अपने जीवन में आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर जिला संघ संचालक डॉ. नीलांबर भट्ट, सेवा भारती के प्रदेश सह मंत्री यशपाल सिंह बिष्ट, जिलाध्यक्ष आनंद सिंह भाकुनी, जिला मंत्री सुदर्शन राणा आदि रहे।

सेवा भारती की ओर से लगाए चिकित्सा शिविर में जांच करते डॉक्टर।

गड़बड़झाला

पति-पत्नी मिलकर लगाकर रहे थे लोगों को चूना, पति बना था चेयरमैन और पत्नी डायरेक्टर, तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

रकम दोगुनी करने का झांसा, 8 हजार लोगों से 39 करोड़ की ठगी

- मंडलायुक्त दीपक रावत के पास पहुंचा एक पीड़ित तो हुआ जालसाजी का भंडाफोड़
- फाइनेंस कंपनी के सीईओ और दो निदेशकों पर जालसाजी करने के लिए मुकदमा दर्ज

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

पति चेयरमैन और पत्नी डायरेक्टर बनकर लगाती थी लोगों को चूना।

अमृत विचार : शहर में जालसाजों में एक और दंपति का नाम जुड़ गया है और ठगी के मामले में इन्होंने कई ठगों को पीछे छोड़ दिया है। दो साल में रकम दोगुनी करने का झांसा देकर इस दंपति ने करीब 8 हजार लोगों को अपना शिकार बनाया और करीब 39 करोड़ की बड़ी ठगी को अंजाम दिया। जिस फाइनेंस कंपनी की आड़ में इस शातिर दंपति ने ठगी का जाल बिछाया था, उसमें पति चेयरमैन बना था और पत्नी डायरेक्टर। इस मामले में पुलिस को पहली तहरीर मिली है, जिसके आधार पर हल्द्वानी कोतवाली में तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

मुखानी निवासी पार्थ पराशर ने हल्द्वानी कोतवाली में दी तहरीर में लिखा, सत्यलोक कॉलोनी डहरिया में जीएसएफएक्स ग्लोबल लिमिटेड फाइनेंस कंपनी है और इस कंपनी का सीईओ है विमल रावत। विमल की पत्नी रूबी रावत इस कंपनी की निदेशक और एक अन्य आरोपी अनूप कंडारी भी निदेशक है। पार्थ का आरोप है कि तीनों अपनी टीम के साथ मिलकर लोगों को 25 से 30 महीनों में रकम दो गुनी करने का झांसा देते और कंपनी में निवेश कराते थे। आरोपी कहते थे कि वह जितनी रकम वह निवेश करेंगे, मार्केट ट्रेडिंग में लगाकर लाभ को कंपनी दोगुना कर देगी। झांसे में आए पार्थ ने दो किस्तों में 10 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। ठगों ने पार्थ को एक एग्रीमेंट भी दिया, जिसमें यह लिखा गया था कि कंपनी निवेश की राशि पर 8 प्रतिशत प्रतिमाह ब्याज देगी। शुरुआत में कंपनी ने पार्थ को 1 लाख 90 हजार रुपये लाभ के तौर पर दिए, लेकिन 8 लाख 90 हजार रुपए वापस नहीं दिए। तकादा करने पर आरोपियों ने फोन बंद कर दिए। जिसके बाद पीड़ित को ठगी का एहसास हुआ। बताया जा रहा है कि इस कंपनी में करीब 8 हजार लोगों ने निवेश किया है, जिनका करीब 39 करोड़ रुपया कंपनी पर है। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि तहरीर के आधार पर सीईओ विमल, विमल की पत्नी निदेशक रूबी और दूसरे निदेशक अनूप पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

मंडलायुक्त के दखल पर खुला करोड़ों का खेल

हल्द्वानी : बीते शनिवार को पार्थ ने मंडलायुक्त दीपक रावत के कैंप कार्यालय में जनसुनवाई कार्यक्रम में पहुंचा। पार्थ की शिकायत पर आयुक्त ने कंपनी के सीईओ विमल रावत को कार्यालय में बुलाया लेकिन सीईओ संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। दाल में काला होने की आशंका पर आयुक्त देर सायं कंपनी के सतलोक कॉलोनी स्थित दफ्तर पहुंचे। उन्होंने कंपनी के रजिस्ट्रेशन दस्तावेज, लेन-देन, बैलेंस शीट आदि मांगी लेकिन सीईओ रावत किसी भी प्रकार के दस्तावेज नहीं दिखा सके। इतना ही नहीं, कंपनी के पोर्टल पर ऑनलाइन डेटा भी नहीं दिखाई दे रहा था। इस पर आयुक्त ने जीएमएफएक्स ग्लोबल लिमिटेड के सतलोक कॉलोनी फेज-6 स्थित दफ्तर का निरीक्षण किया। कंपनी के पास लेनदेन, बैलेंस शीट संबंधी दस्तावेज नहीं थे। वहीं, 3,900 से अधिक लोगों की देनदारी भी सामने आई। जब खातों की जांच की गई तो कंपनी के आईडीएफसी बैंक अकाउंट में 42,455 रुपये तथा एचडीएफसी बैंक अकाउंट में लगभग 50 हजार रुपये मिले। जांच में यह भी सामने आया कि 25 माह में रुपया डबल करने के नाम पर 8 हजार लोगों से 39 करोड़ रुपये जमा किए गए हैं।

प्लंबरों पर भारी पड़ेगी मानकों की अनदेखी

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः शहर और आसपास के क्षेत्रों में पेयजल व सीवरेज पाइप लाइन बिछाने के कार्य में मानकों की अनदेखी करना अब प्लंबरों को भारी पड़ेगा।

जल संस्थान के अधिशासी अभियंता आरएस लोशाली ने चेतावनी दी है कि मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर उनके लाइसेंस के नवीनीकरण (रिन्यूअल) पर रोक लगा दी जाएगी और उन्हें ब्लैकलिस्ट किया जा सकता है। लोशाली ने आदेश जारी कर कहा कि कई क्षेत्रों से पाइप लाइन बिछाने में गंभीर कोताही की शिकायतें मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि कई प्लंबर पाइप लाइनें नालियों के अंदर बिछा रहे हैं, जिससे पाइप टूटने पर गंदगी पानी में मिलने का खतरा रहता है। लाइनों को तय गहराई पर न बिछाने के कारण वाहनों के दबाव से वे क्षतिग्रस्त हो जाती हैं, जिससे सड़कें खराब हो रही हैं। विभाग ने सभी लाइसेंसधारी प्लंबरों के लिए निर्देश जारी किए हैं। नालियों में पाइप डालना पूरी तरह वर्जित कर दिया है। ईई ने सहायक व कनिष्ठ अभियंताओं को प्लंबरों के कार्यों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। यदि कोई प्लंबर मानकों के विपरीत कार्य करता पाया गया, तो उसे अपने खर्च पर लाइन दोबारा ठीक करनी होगी और विभाग उसके लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई करेगा।

सिटी ब्रीफ

अंकिता भंडारी मामले में यूकां का अभियान शुरू

नैनीताल : अंकिता भंडारी हत्याकांड की सीबीआई जांच को लेकर यूथ कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव हरनीत कौर ने सोमवार को नैनीताल क्लब में पत्रकार वार्ता की। इस दौरान अंकिता को इंसाफ दिलाने के उद्देश्य से एक अभियान की शुरुआत विधानसभा स्तर से की। इस दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान में की जा रही सीबीआई जांच में थर्ड पार्टी को शामिल किया गया जो दबाव बना सकती है। कहा, सीबीआई जिन बिंदुओं पर जांच कर रही है उसे सार्वजनिक करना चाहिए। यहां यूथ कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष अमन महेंद्र, अमन जाटव, मोहित बिष्ट, पीयूष आर्या, अतुल कुमार, अभय रहे।

घर से पेन लेने निकली किशोरी गायब

हल्द्वानी : घर से पेन खरीदने निकली किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। गुसाई नगर निवासी रेखा सिंह ने हल्द्वानी कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में लिखा, बीती 18 जनवरी को उनकी 15 वर्षीय बेटी रितिका सिंह घर से पेन खरीदने की बात कहकर निकली थी, लेकिन फिर लौट कर घर नहीं आई। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि गुमशुदगी दर्ज कर किशोरी की तलाश की जा रही है।

स्कूटी हादसे में मां-बेटा गंभीर रूप से घायल

लालकुआं : बिंदुखत्ता से लालकुआं की ओर आ रही स्कूटी को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे स्कूटी अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई जिससे स्कूटी सवार मां-बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। पास के कुछ युवकों ने उन्हें प्राथमिक उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्र लालकुआं पहुंचाया। डॉक्टरों ने गंभीर चोटों के कारण उन्हें 108 सेवा के माध्यम से डॉ. सुशीला तिवारी चिकित्सालय, हल्दवानी रेफर कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, घायल व्यक्ति शिवराम (42) अपनी मां मोतिमा देवी (65) को लेकर स्कूटी से लालकुआं जा रहे थे। टक्कर से मां के चेहरे और बेटे के हाथ-पांव में गंभीर चोटें आई हैं।

रंगेहाथ पकड़े सटोरिए

हल्द्वानी : बनभूलपुरा कोतवाली पुलिस ने दो सटोरियों को रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से गत्ता, सट्टा पर्ची, पेन, एक कैलकुलेटर और 9070 बरामद किए हैं। पुलिस के मुताबिक, 18 जनवीर को एसआई मोनी टम्टा, कांस्टेबल सुच्चा सिहं, अमित शरण और नरेन्द्र गिरी ने नूरी मस्जिद के पास से मो. निशार पुत्र स्व. नूर मोहम्मद निवासी वार्ड 14 नूरी मस्जिद बनभूलपुरा और इरफान पुत्र स्व. इकबाल अहमद निवासी वार्ड 14 मोहम्मदी चौक बनभूलपुरा को गिरफ्तार किया। आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

आगर उत्तरायणी महोत्सव का रंगारंग कार्यक्रमों के साथ आगाज, लोक संस्कृति की छटा बिखरी

माया उपाध्याय व नवीन पाठक के गीतों ने मचाया धमाल

संवाददाता, धानाचूली

अमृत विचार: धारी विकासखंड के डीएस बिष्ट आगर इंटर कॉलेज, पोखराड़ के मैदान में तीन दिवसीय आगर उत्तरायणी महोत्सव का शुभारंभ रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ देवीधुरा के व्यास कीर्तिबल्लभ शास्त्री ने मंत्रोच्चारण के साथ विधिवत पूजा-अर्चना कर किया। इसके पश्चात पूर्व ब्लॉक प्रमुख शांति बिष्ट एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य गोपाल बिष्ट ने दीप प्रज्वलित कर महोत्सव का औपचारिक उद्घाटन किया। महोत्सव के प्रथम दिन लोक संस्कृति की मनोहारी छटा देखने को मिली। मंच पर लोकगायिका माया उपाध्याय, नवीन पाठक,

आगर उत्तरायणी महोत्सव का शुभारंभ करते मुख्य अतिथि। • अमृत विचार

स्कूली बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियां। • अमृत विचार

प्रकाश कुमार, मल्लिका लोक समिति हल्द्वानी तथा छोलिया नृत्य दल चंपावत की टीमों ने शानदार प्रस्तुतियां देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यालयों के बच्चों एवं क्षेत्रीय लोक कलाकारों ने भी अपनी कला का सुंदर प्रदर्शन किया। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य गोपाल बिष्ट ने कहा कि आगर के युवाओं द्वारा लोक संस्कृति और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के लिए किया जा रहा प्रयास अत्यंत सराहनीय है। ऐसे आयोजनों से आने वाली पीढ़ी अपनी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ी रहेगी। वहीं पूर्व ब्लॉक प्रमुख शांति बिष्ट ने कहा कि आगर में पहली बार उत्तरायणी महोत्सव का आयोजन होना गर्व की बात है। युवाओं की सकारात्मक सोच और सांस्कृतिक चेतना क्षेत्र की पहचान को नई दिशा दे रही है। महोत्सव में अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह बिष्ट, जिला पंचायत सदस्य दीप सिंह बिष्ट, विजय बिष्ट, गौरव बिष्ट, अखिलेश बिष्ट, चंदन बिष्ट, महेश बिष्ट, भानु बिष्ट सहित बड़ी संख्या में युवा, बुजुर्ग एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। तीन दिवसीय इस महोत्सव के आगामी दिनों में भी विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों से क्षेत्र में उत्सव का माहौल बना रहेगा।

शिविर में 67 शिकायतों का किया गया निस्तारण

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से विकासखंड भीमताल की न्याय पंचायत पिनरौ अंतर्गत ओपन थिएटर पिनरौ में 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में नोडल अधिकारी अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) विवेक राय ने क्षेत्रीय जनता की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए।

शिविर में ग्राम्य विकास एवं पंचायती राज, पेयजल एवं जल जीवन मिशन, लोक निर्माण विभाग, समाज कल्याण विभाग, कृषि विभाग, वन विभाग, राजस्व विभाग, लघु सिंचाई, उडेरा, खाद्य आपूर्ति तथा उद्यान विभाग द्वारा स्टॉल लगाए गए। इन स्टॉलों के माध्यम से स्थानीय लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र लाभार्थियों को मौके पर ही योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। शिविर के दौरान कुल 67 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि लगभग 408 नागरिकों ने बहुउद्देशीय शिविर का प्रत्यक्ष लाभ उठाया। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख भीमताल डॉ. हरीश बिष्ट, ज्येष्ठ उप प्रमुख उमेश पलडिया, खीमानंद शर्मा, जिला पंचायत सदस्य, खंड विकास अधिकारी हर्षित गर्ग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

गुलदार के आतंक के विरोध में लोगों का जाड़ापानी-धानाचूली में प्रदर्शन

कांग्रेस नेता पनेरु ने की ठोस कार्ययोजना की मांग, स्कूल 10 बजे से 2 बजे करने की मांग

- बच्चों को स्कूल लाने और ले जाने की व्यवस्था करने की मांग
- उपजिलाधिकारी धारी अंशुल भट्ट को ज्ञापन सौंपा

संवाददाता, धानाचूली

अमृत विचार: धारी विकास खंड के जाड़ापानी-धानाचूली क्षेत्र में गुलदार के लगातार बढ़ते आतंक को लेकर सोमवार को ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन पूर्व दर्जा राज्य मंत्री हरीश पनेरु के नेतृत्व में किया गया, जिसमें ग्रामीणों ने वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए स्थायी समाधान की मांग की।

धरना स्थल से हरीश पनेरु ने मुख्य वन संरक्षक उत्तराखंड, कुमाऊं मंडल के वन संरक्षक एवं जिलाधिकारी नैनीताल से दूरभाष पर वार्ता की। उन्होंने कहा कि पूरे क्षेत्र के विद्यालयों को बंद करना समस्या का समाधान नहीं है। सत्ता पक्ष के विधायक और ब्लॉक प्रमुख इसे बड़ी उपलब्धि के रूप

एसडीएम धारी अंशुल भट्ट को मांगों का ज्ञापन सौंपते हरीश पनेरु एवं अन्य।

में प्रस्तुत कर रहे हैं, जो गंभीर चिंता और मंथन का विषय है। पनेरु ने सुझाव दिया कि गुलदार प्रभावित 5 से 10 किलोमीटर के दायरे में स्थित विद्यालयों के बच्चों को वन विभाग की निगरानी में स्कूल लाने-ले जाने की व्यवस्था की जाए। साथ ही अभिभावकों को जागरूक करने, ग्रामीण क्षेत्रों में जंगली जानवरों के लिए चारे की व्यवस्था करने तथा प्रत्येक घर में सोलर लाइट लगाने की मांग रखी, ताकि अंधेरे में गुलदार के खतरे को समय रहते भांपा जा सके।

उन्होंने जिलाधिकारी नैनीताल एवं मुख्य वन संरक्षक उत्तराखंड से मांग की कि वन विभाग के विशेषज्ञों को तत्काल क्षेत्र में तैनात किया जाए, ग्रामीणों में फैली दहशत को दूर किया जाए तथा आवश्यकता अनुसार प्रभावित क्षेत्रों में पिंजरे लगाए जाएं। उच्च अधिकारियों ने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को समस्या के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। करीब दो घंटे तक चले घेराव के बाद सहमति बनने पर उपजिलाधिकारी धारी अंशुल भट्ट को ज्ञापन सौंपा गया। इसके बाद उपजिलाधिकारी अंशुल भट्ट, वन क्षेत्र अधिकारी विजय भट्ट सहित वन विभाग की टीम ग्रामीणों की समस्याएं जानने के लिए खुटियाखान क्षेत्र की ओर रवाना हुई। इस दौरान पर्यावरण प्रेमी चंदन नयाल के साथ हरीश पनेरु ने यह भी मांग की कि विद्यालयों को बंद करने के बजाय स्कूलों का समय प्रातः 10 बजे से अपराह्न 2 बजे तक किया जाए, कुछ समय के लिए प्रार्थना सभा पर रोक लगाई जाए तथा पठन-पाठन का माहौल बनाए रखा जाए।

उपजिलाधिकारी अंशुल भट्ट ने बताया कि मंगलवार को बाल विकास, शिक्षा विभाग एवं वन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई है। बच्चों को सुरक्षित रूप से स्कूल भेजने के लिए कार्ययोजना तैयार कर उच्चाधिकारियों को अवगत कराया जाएगा। मौके पर वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

कर्मचारियों ने मांगों को लेकर की गेट मीटिंग

भीमताल में गेट मीटिंग करते कर्मचारी। • अमृत विचार

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद, उत्तराखंड की प्रांतीय कार्यकारिणी के आह्वान पर 18 सूत्रीय मांगों के समर्थन में कर्मचारियों ने सोमवार को विकास भवन भीमताल में गेट मीटिंग का आयोजन किया गया।

गेट मीटिंग के दौरान विकास भवन भीमताल स्थित विभिन्न कार्यालयों में जाकर कर्मचारियों को आंदोलन के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही 18 सूत्रीय मांगों के बारे में विस्तार से बताया गया, जिनमें 10, 16 एवं 26 वर्ष की सेवा पूर्ण करने पर पूर्व की भांति पदोन्नत वेतनमान, गोल्डन कार्ड, वेतन विसंगति दूर करना, पदोन्नति में शिथिलीकरण, वाहन भत्ता, सेवानिवृत्त कार्मिकों को चिकित्सा प्रतिपूर्ति, पुरानी पेंशन बहाली, केंद्र सरकार की भांति मकान किराया भत्ता, निगम/निकाय कार्मिकों को राज्य कर्मचारियों के समान सुविधाएं प्रदान करना आदि प्रमुख मांगें शामिल हैं। कर्मचारियों को चरणबद्ध आंदोलन की जानकारी देते हुए सक्रिय भागीदारी का अनुरोध किया गया। बताया गया कि 7 फरवरी 2026 को जनपद स्तर पर धरना एवं 21 फरवरी 2026 को प्रदेश स्तर पर धरना-प्रदर्शन का कार्यक्रम प्रस्तावित है। इस अवसर पर मण्डलीय अध्यक्ष केएस सामंत, पीके शर्मा, जिला महामंत्री उमेश सनवाल, कुंवर सिंह बगड़वाल, रणजीत सिंह थापा, हरेन्द नेगी, उमेश बेलवाल, राजीव पाठक, नवीन सिंह, गिरीश मुदगली, देवेन्द्र सिंह, कमल सिंह आदि रहे।

मृदा विश्लेषण प्रयोगशाला का हुआ उद्घाटन

नैनीताल : रसायन विज्ञान विभाग में फाइटोकेमिस्ट्री एवं मृदा विश्लेषण प्रयोगशाला का उद्घाटन बुधवार को हुआ। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. दीवान एस. रावत रहे। रसायन विज्ञान विभाग के समस्त प्राध्यापक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विज्ञान संकायाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष प्रो. चित्रा पांडे, प्रो. नंदा गोपाल साहू, प्रो. गीता तिवारी, प्रो. शहजराज अली, डॉ. सुहैल जावेद, डॉ. महेश चंद्र आर्य, डॉ. पेनी जोशी, डॉ. मनोज धोनी, डॉ. ललित मोहन, डॉ. गिरिश खर्कवाल, डॉ. दीपशिखा जोशी, डॉ. अंचल अनेजा एवं डॉ. भावना पंत मौजूद रहे।

इस मौके पर कुलपति प्रो. दीवान एस. रावत ने कहा कि यह अत्याधुनिक प्रयोगशाला फाइटोकेमिस्ट्री और मृदा विश्लेषण के क्षेत्र में शोध एवं नवाचार को नई दिशा देगी। उन्होंने बताया कि इस प्रयोगशाला के माध्यम से विद्यार्थियों और शोधार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान के साथ-साथ उन्नत शोध सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिससे गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान को बढ़ावा मिलेगा। कहा कि वर्तमान समय में औषधीय पौधों, प्राकृतिक उत्पादों तथा मृदा गुणवत्ता के वैज्ञानिक अध्ययन की अत्यंत आवश्यकता है।

ग्राफिक एरा में एआई आधारित शिक्षण पर हुई एफडीपी शुरू

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: ग्राफिक एरा हिल विश्वविद्यालय, भीमताल परिसर के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के तत्वावधान में पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) द फ्यूचर ऑफ टीचिंग एंड लर्निंग इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय पर आरंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन पारंपरिक दीप जलाकर किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में कुमाऊं विवि नैनीताल के कंप्यूटर साइंस विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुनील कुमार अरोड़ा का स्वागत किया गया। ग्राफिक एरा हिल विश्वविद्यालय, भीमताल परिसर के निदेशक ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को कोई चुनौती के रूप में

अतिथि को पौधा भेंट करते आयोजक।

देख रहा है तो कोई इसे अवसर के रूप में, ठीक उसी प्रकार जैसे इंटरनेट के आगमन के समय प्रतिक्रियाएं देखने को मिली थीं। उन्होंने कहा कि तकनीकी विकास के बावजूद शिक्षकों की भूमिका सदैव महत्वपूर्ण बनी रहेगी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शिक्षण प्रक्रिया को सहयोग दे सकता है, लेकिन शिक्षक का मार्गदर्शन एवं मेंटरशिप कभी प्रतिस्थापित नहीं की जा सकती। निदेशक ने प्रतिभागियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को एक सहयोगी उपकरण के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित किया। इसके पश्चात डॉ. सुनील कुमार अरोड़ा ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड द फ्यूचर ऑफ एजुकेशन विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने व्यक्तिगत शिक्षण, स्मार्ट क्लासरूम तथा डेटा आधारित निर्णय प्रणाली में इसके उपयोग पर प्रकाश डाला। डॉ. अरोड़ा ने छात्र व्यवहार की निगरानी, एआई आधारित सुपरविजन, चैटबॉट सपोर्ट सिस्टम, ऑटो-करेक्शन, स्पीच-टू-टेक्स्ट एवं टेक्स्ट-टू-स्पीच जैसी आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने शिक्षकों को शिक्षण एवं शोध में एआई की संभावनाओं को अपनाने को प्रेरित किया।

गणतंत्र दिवस परेड का पूर्वाभ्यास शुरू

नैनीताल: आगामी गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों के तहत नैनीताल के डीएसए मैदान में सोमवार से परेड का पूर्वाभ्यास शुरू हो गया है। परेड के साथ-साथ अन्य सांस्कृतिक व विभागीय कार्यक्रमों की तैयारियां भी प्रारंभ कर दी गई हैं।

आरआई नैनीताल हरपेश सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि गणतंत्र दिवस पर आयोजित होने वाली परेड का नियमित पूर्वाभ्यास डीएसए मैदान में कराया जा रहा है। इसमें पुलिस परेड के साथ पुलिस बैंड की ओर से भी अभ्यास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गणतंत्र दिवस तक पुलिस कर्मियों की ओर से परेड और अन्य कार्यक्रमों का पूर्वाभ्यास लगातार जारी रहेगा, ताकि कार्यक्रम को भव्य और अनुशासित रूप से संपन्न कराया जा सके।

अधिकारियों को करना पड़ा विरोध का सामना

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: कोसी नदी के कठिया पुल खनन निकासी गेट पर 10 टायरा वाहनों के प्रवेश को लेकर विरोध तेज हो गया है। सोमवार को खनन ट्रांसपोर्टरों ने गेट पर तालाबंदी कर वन विभाग एवं वन निगम के खिलाफ नारेबाजी करते हुए गेट को अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया।

ट्रांसपोर्टरों का आरोप है कि पूर्व वर्षों में खनन निकासी गेटों पर 10 टायरा वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित था, लेकिन इस वर्ष इस गेट पर इन वाहनों का पंजीकरण किए जाने से 6 टायरा वाहनों एवं ट्रैक्टर-ट्रॉली स्वामियों के समक्ष रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। ट्रांसपोर्टरों का कहना है कि अधिकारियों द्वारा पहले यह आश्वासन दिया गया था कि इस गेट पर केवल 20 प्रतिशत

एसडीएम के समक्ष विरोध जताते खनन ट्रांसपोर्टर। • अमृत विचार

10 टायरा वाहनों का ही पंजीकरण किया जाएगा, जबकि वर्तमान में यहां 50 प्रतिशत से अधिक ऐसे वाहन पंजीकृत हो चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे जहां एक ओर छोटे वाहन स्वामियों की आजीविका प्रभावित हो रही है, वहीं दूसरी ओर भारी वाहनों के कारण दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ गई है। ट्रांसपोर्टरों ने तत्काल प्रभाव से इस गेट पर 10 टायरा वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाने की मांग की है। मांगें पूरी न होने तक गेट को अनिश्चितकाल तक बंद रखने का ऐलान भी किया गया है।

सोमवार को गेट का निरीक्षण करने उपजिलाधिकारी प्रमोद कुमार, तराई पश्चिम वन प्रभाग की एसडीओ किरण शाह तथा वन निगम के डीएलएम ललित आर्य मौके पर पहुंचे। इस दौरान अधिकारियों को ट्रांसपोर्टरों के तीखे विरोध का सामना करना पड़ा। ट्रांसपोर्टरों ने अधिकारियों के वाहनों के सामने खड़े होकर नारेबाजी और प्रदर्शन किया। बाद में उपजिलाधिकारी प्रमोद कुमार ने ट्रांसपोर्टरों को संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया। इस दौरान ग्राम प्रधान जसकरण सिंह, विनय फर्त्याल, नवीन बिष्ट, अन्नू मेहरा, विक्की चौधरी, विशाल रावत, संजय रौतेला, मोहम्मद इमरान, राम चौधरी, अमर लटवाल, भगवत राणा, प्रशांत, देव गिरी समेत दर्जनों लोग मौजूद रहें।

पीपलपानी (शोक सूचना)

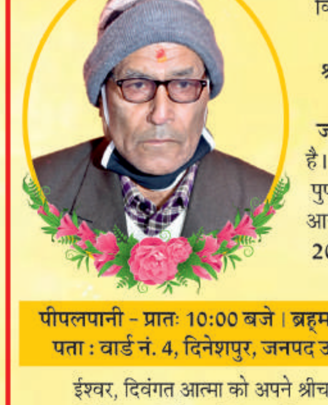

अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे पूज्य पिताजी **श्री कुशाल सिंह बिष्ट** का **स्वर्गवास दिनांक 11 जनवरी, 2026** को हो गया है। दिवंगत आत्मा की शांति एवं पुण्य स्मृति में **पीपलपानी** का आयोजन **दिनांक 22 जनवरी, 2026 दिन बृहस्पतिवार** को किया जाएगा।

पीपलपानी - प्रातः 10:00 बजे । ब्रह्मभोज - दोपहर 01:00 बजे
पता : वार्ड नं. 4, दिनेशपुर, जनपद उधम सिंह नगर, उत्तराखंड

ईश्वर, दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें।
आप सभी से विनम्र निवेदन है कि कार्यक्रम में उपस्थित होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करें।

शोकाकुल परिवार

सरुली देवी (पत्नी), मनोज सिंह बिष्ट (पुत्र), गोविंद सिंह बिष्ट (पुत्र) एवं समस्त बिष्ट परिवार
मो. 9599023049, 8650945775

चिंताजनक | गांव पर मंडराया खतरा, कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के निदेशक डॉ. साकेत बडोला

सांवल्दे नदी में चट्टान से मिट्टी गिरने से प्रवाह प्रभावित

संवाददाताः रामनगर

अमृत विचार: सांवल्दे क्षेत्र में पहाड़ से भारी मात्रा में मिट्टी और मलबा गिरने के कारण सांवल्दे नदी का प्राकृतिक बहाव प्रभावित हो गया है, जिससे निकटवर्ती गांव पर खतरा मंडराने लगा है। इस संभावित खतरे को लेकर क्षेत्र के ग्रामीणों ने कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के निदेशक डॉ. साकेत बडोला से मुलाकात की। सांवल्दे क्षेत्र के ईडीसी अध्यक्ष तारा दत्त बेलवाल के नेतृत्व पहुंचे ग्रामीणों ने निदेशक को अपनी समस्याओं से अवगत कराते हुए ज्ञापन सौंपा।

ग्रामीणों ने ज्ञापन के माध्यम से बताया कि सांवल्दे नदी के समीप वर्षों से खड़े पहाड़ का मध्य भाग

मामले को लेकर कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के निदेशक से मिलने जाते ग्रामीण।

हाल ही में धंसकर नदी में गिर गया है। इसके कारण नदी का पानी रुक गया है और उसका बहाव बाधित हो चुका है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते नदी में गिरे मलबे को नहीं हटाया गया, तो भविष्य में नदी का रुख गांव की ओर मुड़ सकता है, जिससे जान-माल के नुकसान की आशंका बनी हुई है। ईडीसी अध्यक्ष तारा दत्त बेलवाल ने कहा कि यह समस्या किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे गांव की सुरक्षा से जुड़ी हुई है। उन्होंने बताया कि संभावित खतरे को देखते हुए ग्रामीणों ने प्रशासन को समय रहते अवगत कराने का निर्णय लिया है, ताकि किसी भी बड़े हादसे को रोका जा सके। ग्रामीणों ने मांग की कि नदी में गिरी मिट्टी और मलबे को शीघ्र हटाकर नदी के बहाव को पूर्व की भांति सुचारू किया जाए। इस पर कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के निदेशक डॉ. साकेत बडोला ने बताया कि सांवल्दे गांव के समीप जंगल क्षेत्र से होकर आने वाली नदी में हर वर्ष बरसात के दौरान मिट्टी और मलबा बहकर आता है। डॉ. बडोला ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित एसडीओ को मौके पर जाकर स्थलीय निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पिनरौ में आयोजित बहुउद्देशीय शविर। • अमृत विचार

दुकानों में राशन न पहुंचने पर उपपा ने जताया रोष

रामनगर, अमृत विचार : सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत उपभोक्ताओं को सस्ते गल्ले की दुकानों से मिलने वाले राशन की आपूर्ति न होने से लोगों को हो रही परेशानी को लेकर उत्तराखंड परिवर्तन पार्टी ने घर रोष जताया है। पार्टी ने एसडीएम को संबोधित एक ज्ञापन उनकी अनुपस्थिति पर पेशकार को सौंपा। उपपा का कहना है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत सस्ते गल्ले की दुकानों से मिलने वाले खाद्यान्न की आपूर्ति विगत दो महीनों से न हो पाने के कारण गरीब व मध्यम वर्ग के लोगों को जीवनयापन में परेशानी हो रही है। उपपा ने प्रशासन से जल्द ही खाद्यान्न उपलब्ध कराने की मांग की है। ऐसा न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। इस दौरान ज्ञापन देने वालों में उपपा के प्रधान महासचिव प्रभात ध्यानी, आसिफ, किरण आर्य, लालमणि रहे।

सिटी ब्रीफ

लाइन मेंटेनेंस के लिए दो बिजलीघरों से हुई कटौती

हल्द्वानी : गौलापार और रानीबाग बिजलीघर से जुडे क्षेत्रों मे सोमवार को सुबह से शाम तक हुई बिजली कटौती ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी। सुबह दस बजे से गायब हुई सप्लाई देर शाम तीन बजे दोबारा शुरू हो सकी। लाइन मेंटेनेंस के लिए दिन भर बिजली की आपूर्ति ठप रही। इससे क्षेत्र में ट्यूबवेल का संचालन ठप होने से पेयजल संकट भी बना रहा। ऊर्जा निगम के उपखंड अधिकारी यूके भाष्कर ने बताया कि मेंटेनेंस कार्य किए जाने से आपूर्ति बाधित रही। काम पूरा होते ही सप्लाई शुरू कर दी गई।

उक्रांद की बैठक 26 को

हल्द्वानी : पहाड़ में जो जंगली जानवरों के आतंक और तेंदुए द्वारा कई लोगों को उन्होंने शिकार बना लेने पर उक्रांद ने चिंता जाहिर की है। उक्रांद का कहना है कि पहाड़ों से पहले ही पलायन हो रहा था अब जंगली जानवरों के आतंक की वजह से पलायन और बढ़ गया है। उन्होंने समस्या को देखते हुए सरकार से ठोस नीति बनाने की मांग की है। उक्रांद जिलाध्यक्ष प्रताप सिंह चौहान के मुताबिक आगामी 26 जनवरी को एक बैठक कर इस संदर्भ में आंदोलन की रणनीति तय की जाएगी।

आज सौंपा जाएगा ज्ञापन

हल्द्वानी : सामाजिक यूजीसी की ओर से जारी उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता के संवर्धन के लिए विनियम– 2026 को रद कराए जाने की मांग को लेकर आज सिटी मजिस्ट्रेट को राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा जाएगा। इसके लिए सभी कार्यकर्ता तिकोनिया स्थित बुद्ध पार्क में इकट्ठा होंगे, वहां से जुलूस की शक्ल में सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय पहुंचेंगे। यह जानकारी विशाल शर्मा ने दी है।

अनुसूचित जाति ओपन वर्ग खो-खो 22 से

हल्द्वानी : अनुसूचित जाति के ओपन पुरुष वर्ग की खो–खो प्रतियोगिता 22 जनवरी से कालाढूंगी इंटर कॉलेज में होगी। डीएसओ निर्मला पंत ने बताया कि प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार व यात्रा भत्ता दिया जाएगा। प्रवेश की अंतिम तिथि 21 जनवरी है। इच्छुक खिलाड़ी कोच राजेन्द्र नेगी से 7895019746 पर संपर्क कर सकते हैं।

सीवर लाइन बिछाने के चलते बंद रहेगा यातायात

हल्द्वानी : पीलीकोठी चौराहे से रौतेला कॉलोनी होते हुए नीम चौराहे तक सीवर लाइन बिछाने का कार्य आज मंगलवार से शुरू होगा। सड़क पर सीवर लाइन बिछाने के दौरान चौपहिया और भारी वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित है।

यूयूएसडीए के प्रोजेक्ट मैनेजर कुलदीप सिंह ने शहर की जनता से इस दौरान सहयोग की अपील की है।

नगर निगम मंगल पड़ाव, वर्कशॉप लाइन व मंडी में बनाएगा वेंडिंग जोन

1800 से अधिक लाइसेंसधारी वेंडर को मिलेगा इसका फायदा

- अन्य स्थानों पर भी तलाशी जा रही है जमीन
- व्यवस्थित और सुरक्षित बाजार विकसित करने की योजना

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : नगर निगम ने शहर में वेंडिंग जोन विकसित करने की कवायद तेज कर दी है। निगम ने मंगल पड़ाव, मंडी और वर्कशॉप लाइन क्षेत्र में वेंडिंग जोन बनाए जाने के लिए जगह चिन्हित कर ली है। अब इन स्थानों पर वेंडिंग जोन के लिए आवश्यक संसाधन जुटाए जाएंगे। निगम की ओर से इन जगहों के अलावा अन्य संभावित स्थानों की भी तलाश की जा रही है, ताकि सड़कों पर अतिक्रमण के बजाय एक व्यवस्थित और सुरक्षित बाजार विकसित किया जा सके।

नगर निगम क्षेत्र में वर्तमान में करीब 1800 लाइसेंसधारी वेंडर कार्यरत हैं। अब तक इनके लिए स्थायी जगह निर्धारित नहीं होने के कारण वे सड़कों और बाजार क्षेत्र में ठेले लगाने को मजबूर हैं। इससे जहां एक ओर आम जनता को आवाजाही में परेशानी होती है, वहीं दूसरी ओर यातायात व्यवस्था भी प्रभावित रहती है।

उल्लेखनीय है कि वेंडरों की इस समस्या को लेकर दायर जनहित याचिका पर बीते दिनों हाईकोर्ट ने नगर निगम को व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद निगम ने वेंडिंग जोन निर्माण को प्राथमिकता देते हुए कार्यवाही तेज की है। नगर आयुक्त परितोष वर्मा ने बताया कि अभी तीन स्थान चयनित कर लिए गए हैं। जिन्हें वेंडिंग जोन के लिए उपयुक्त माना गया है। इन स्थानों पर शीघ्र ही वेंडिंग जोन बनाकर उनका संचालन शुरू किया जाएगा। इससे वेंडरों को लाइसेंस होने के बावजूद होने वाली परेशानियों से राहत मिलेगी और शहर में स्वच्छता और यातायात व्यवस्था में भी सुधार होगा। उन्होंने बताया कि शहर में अन्य उपयुक्त जगह भी ढूंढी जा रही हैं, जहां वेंडिंग जोन बनाए जा सकें।

बैणी सेना ने वसूल किया रिकॉर्ड 35 लाख

हल्द्वानी : नगर निगम की बैणी सेना ने रिकॉर्ड 35 लाख प्रतिमाह की वसूली की है। यह निगम की अभी तक की सबसे अधिक प्रतिमाह आय है। बैणी सेना ने यूजर चार्ज के रूप में दिसंबर में 35.14 लाख की राशि वसूल की है। उल्लेखनीय है कि नगर निगम की कार्यप्रणाली में सुधार के लिए मेयर की अध्यक्षता में बीते 17 दिसंबर को समीक्षा बैठक हुई थी, जिसमें उन्होंने बैणी सेना को यूजर चार्ज की वसूली में बढ़ोत्तरी के साथ आय बढ़ाने के निर्देश दिए थे। इस दौरान उन्हें सफाई व्यवस्था की प्रभावी निगरानी और आम जनता को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए गये थे। निगम की ओर से वर्तमान में सभी वार्डों में विशेष सफाई अभियान चलाकर स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। अभियान के दौरान सड़क, नालियों और सार्वजनिक स्थलों की सफाई के साथ लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है। नगर आयुक्त परितोष वर्मा ने बताया कि बैणी सेना के प्रयासों से आने वाले समय में स्वच्छता व्यवस्था और राजस्व वसूली दोनों में और सुधार की उम्मीद है।

ले. कर्नल रौतेला बने तीसरी बार जिलाध्यक्ष

रामनगर : रिटायर्ड लेफ्टिनेंट कर्नल

बीएस रौतेला के लगातार तीसरी बार उत्तराखंड पूर्व सैनिक लीग जिला नैनीताल के जिलाध्यक्ष बनने पर रामनगर और हेमपुर क्षेत्र के पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और सैनिक आश्रितों ने खुशी जाहिर की है।

बता दें कि लेफ्टिनेंट कर्नल बीएस. रौतेला ने सेवानिवृत्ति के बाद करीब 12 वर्ष से अधिक समय तक जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी के रूप में अपनी सेवाएं दीं। हाल ही में उन्हें थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने उन्हें सम्मानित किया था। उनके जिलाध्यक्ष बनने पर सर्जन कर्नल दिनेश बिष्ट, ईसीएचएस हेमपुर प्रभारी कर्नल एसएस रांगड़ा, उत्तराखंड पूर्व सैनिक लीग रामनगर एवं हेमपुर के अध्यक्ष सूबेदार मेजर नवीन पोखरियाल, ब्लाक प्रतिनिधि चन्द्र मोहन सिंह मनराल, कै. हरगोविंद पांडे, कै. हरेन्द्र रावत, कै. मान सिंह रावत, कै. राजीव पंत, सूबेदार मेजर घनश्याम छिम्वाल, सूबेदार मेजर एनडब्लूएम खान, सूबेदार मेजर डीडीएस रावत, सूबेदार मेजर बीएस नेगी, सूबेदार मेजर खीम सिंह रावत, सूबेदार पूरन सिंह बंगारी, ताजबर गुसाईं ने खुशी जाहिर की है।

बिना लाइसेंस बेचा जा रहा केमिकल वाला मीट

नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपते एकता जनसेवा फाउंडेशन के पदाधिकारी।

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- ऐसे मीट विक्रेताओं पर रोक लगाने की मांग
- नगर आयुक्त परितोष वर्मा को सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार : एकता जन सेवा फाउंडेशन एंटी करप्शन सेल एवं राष्ट्रीय मानव अधिकार ने नगर निगम से विभिन्न मार्गों पर बिना लाइसेंस के मीट विक्रय पर रोक लगाने की मांग की। उन्होंने ऐसे मीट विक्रेताओं पर रोक लगाने की मांग की है।

प्रदेश अध्यक्ष शिवम सिंह ठाकुर के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने सोमवार को नगर आयुक्त परितोष वर्मा को ज्ञापन सौंपकर कहा कि छड़ायल, ऊंचा पुल, कठघरिया, शनि बाजार बरेली रोड समेत अन्य मार्गों पर विक्रेता मनमाने ढंग से बिना किसी वैध अनुमति या लाइसेंस के मीट विक्रय कर रहे हैं। आरोप लगाया कि कुछ विक्रेता मीट को ताजा बनाए रखने के लिए उन पर केमिकल का छिड़काव कर रहे हैं। यह सीधे तौर पर जानलेवा और बीमारियों को न्योता देना है। साथ ही मीट की दुकानों पर मानकों की अनदेखी की जा रही है।

उन्होंने नगर आयुक्त से ऐसे मीट विक्रेताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इस दौरान रोहित दिवाकर आदि रहे।

पीएनबी के ताल-तरंग कार्यक्रम ने मन मोहा

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) मंडल कार्यालय हल्द्वानी द्वारा एसटीएच के सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रम 'ताल-तरंग' का आयोजन किया गया। शुभारंभ उपमंडल प्रमुख संजीव पुरोहित, कार्यक्रम के निर्णायक मंडल व बैंक अधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। विविध प्रतियोगिताओं- क्लासिकल वोकल, लाइट वोकल, सोलो डांस, ग्रुप सॉन्ग, ग्रुप डांस व स्कीट का आयोजन किया गया। स्टाफ सदस्यों के परिवारजनों को प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया गया। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। उपमंडल प्रमुख पुरोहित ने निर्णायक मंडल में मौजूद हरीश चंद्र पांडेय एवं पंचाचूली देश फेम रूचि जंगपांगी को सम्मानित करते हुए कहा कि, बैंक हमेशा से ही प्रतिभाओं को निखारने में अग्रणी रहा है। विजेता अगले चरण में अंचल कार्यालय और फिर प्रधान कार्यालय स्तर के कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे। वरिष्ठ प्रबन्धक राजभाषा अजय कुमार सिंह, एमसीसी प्रमुख उदय शंकर महाजन मौजूद रहे।

पीएनबी के सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रस्तुति देते प्रतिभागी। ● अमृत विचार

बालिका हॉकी टीम का ट्रायल 24 को

हल्द्वानी: खेल निदेशालय की ओर से हरिद्वार में राज्य स्तरीय आमंत्रण हॉकी प्रतियोगिता (अंडर-18 बालिका वर्ग) का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता 30 जनवरी से 2 फरवरी तक वंदना कटारिया हॉकी स्टेडियम में होगी। प्रतियोगिता में विभिन्न जनपदों की टीमें प्रतिभाग करेंगी, जिसमें जनपद नैनीताल की टीम को भी आमंत्रित किया गया है।

उक्त प्रतियोगिता के लिए जनपद नैनीताल की टीम का चयन ट्रायल के माध्यम से किया जाएगा। टीम चयन हेतु ट्रायल 24 जनवरी को सुबह 8 बजे से अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स स्टेडियम गौलापार में आयोजित किए जाएंगे। चयन ट्रायल में भाग लेने वाली सभी खिलाड़ियों को अपने साथ आधार कार्ड व जन्म प्रमाण-पत्र की छायाप्रति लाना अनिवार्य होगा। जिला खेल कार्यालय ने खिलाड़ियों से ट्रायल में समय पर उपस्थित होकर प्रतिभाग करने की अपील की है।

जुड़का में 58 हेक्टेयर वन भूमि को अतिक्रमण मुक्त करा तारबाड़ की

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: तराई पश्चिमी वन प्रभाग के रामनगर रेंज अंतर्गत जुड़का बीट में वन कर्मियों ने लगभग 58 हेक्टेयर वन भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने में सफलता हासिल की है।

डीएफओ प्रकाश चंद्र आर्या ने बताया कि इस भूमि पर पिछले कई वर्षों से अतिक्रमण किया जा रहा था और कुछ अतिक्रमणकारियों द्वारा अवैध रूप से कृषि कार्य किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि पूर्व चिन्हित अतिक्रमित वन भूमि को अतिक्रमणकारियों से मुक्त कराकर वन विभाग के कब्जे में लिया गया।

अतिक्रमण हटाने के उपरांत, पुनः अतिक्रमण की संभावना को ध्यान में रखते हुए उस क्षेत्र में आवश्यक तारबाड़ (फेंसिंग) का कार्य भी तुरंत पूरा किया गया। लोगों को चेतावनी दी गई कि यदि वन भूमि पर दुबारा अतिक्रमण की कोशिश की गई तो अतिक्रमण करने वाले के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। संपूर्ण कार्यवाही रामनगर रेंज, बन्नाखेड़ा रेंज, काशीपुर रेंज और बैलपड़ाव रेंज के वन अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग से की गई। यह कार्यवाही प्रभागीय वनाधिकारी एवं उप प्रभागीय वनाधिकारी के निर्देशन में शांतिपूर्ण, विधिसम्मत और सफलतापूर्वक संपन्न हुई। कार्यवाही के दौरान किसी प्रकार विवाद आदि नहीं हुआ।

अतिक्रमण मुक्त वन भूमि पर तारबाड़ करते वन कर्मी। ● अमृत विचार

राज्य स्तरीय सीएम चैंपियनशिप आज से

हल्द्वानी: राज्य स्तरीय मुख्यमंत्री चैंपियनशिप के अंतर्गत हॉकी प्रतियोगिता का शुभारंभ आज (मंगलवार) से होगा। यह प्रतियोगिता 28 जनवरी तक चलेगी। मुकाबले गौलापार स्थित अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में आयोजित किए जाएंगे।

प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आई हॉकी टीमें प्रतिभाग करेंगी। आयोजन का उद्देश्य प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना और हॉकी खेल को बढ़ावा देना है। प्रतियोगिता की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। खिलाड़ियों के लिए आवास, चिकित्सा, सुरक्षा और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। उद्घाटन अवसर पर खेल विभाग, युवा कल्याण विभाग के अधिकारी और खेल प्रेमी मौजूद रहेंगे। स्थानीय खेल प्रेमियों में प्रतियोगिता को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। दर्शकों को उच्च स्तरीय हॉकी मुकाबले देखने को मिलेंगे।

जंगली जानवरों से फसलों की सुरक्षा के लिए सोलर लाइट लगाने की मांग

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचार: बैलपड़ाव क्षेत्र में जंगली जानवरों के आतंक से फसलों की सुरक्षा के लिए जनप्रतिनिधियों ने डीएफओ रामनगर से सोलर फेसिंग व लाइट लगाने की मांग की है। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि आए दिन जंगली जानवर फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं और क्षेत्र में गुलदार के आतंक से जान-माल का भय बना हुआ है।

सोमवार को कोटाबाग ब्लॉक के बैलपड़ाव क्षेत्र के ग्राम प्रधान और अन्य जनप्रतिनिधियों ने डीएफओ कार्यालय में डीएफओ ध्रुव मार्तोलिया को ज्ञापन सौंपते हुए जंगल से सटे धनपुर, बैलपोखरा, रतनपुर, बैलपड़ाव, सेमलचौड़ और पत्तापानी क्षेत्रों में नीलगाय, हाथी, हिरण और सुअर के बढ़ते आतंक से निजात दिलाने तथा सोलर फेसिंग और लाइट लगाने की मांग की। प्रधानपति अजय रौतेला ने बताया कि हाथियों का झुंड गेहूं की फसल को बर्बाद कर रहा है। रात में पहरेदारी कर रहे किसानों को जानमाल का खतरा बना रहता है। वहीं, क्षेत्र में शाम ढलते ही गुलदार की दस्तक से ग्रामीण दहशत में जीने को मजबूर हैं। डीएफओ ध्रुव मार्तोलिया ने जल्द समाधान का आश्वासन दिया। ग्राम प्रधान लोकेश आर्या, शुभम कंबोज, मलकीत सिंह, गणेश छिम्वाल और सामाजिक कार्यकर्ता सुरजीत सिंह मौजूद रहे।

डीएफओ ध्रुव मार्तोलिया को ज्ञापन सौंपते जनप्रतिनिधि। ● अमृत विचार

पार्ट्स के अभाव में आगरा व जयपुर की बस खड़ी हुई

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : उत्तराखंड परिवहन निगम की काठगोदाम डिपो से आगरा और जयपुर चलने वाली सेवा अनियमित हो गई है। दोनों मार्गों पर चलने वाली एक-एक बस खराब हो जाने के कारण यह एक दिन छोड़कर चल रही है। जिससे यात्रियों को परेशानी हो रही है।

जयपुर चलने वाली एक बस बीते एक महीने से इंजन खराब होने के कारण काठगोदाम डिपो में खड़ी है, जबकि आगरा सेवा की बस पिछले 10 दिनों से फ्रंट शीशा टूटने के कारण मार्ग पर नहीं जा पा रही है। बसों के लिए जरूरी स्पेयर पार्ट्स उपलब्ध नहीं होने के कारण मरम्मत नहीं हो पा रही है। इसे लेकर उत्तरांचल रोडवेज कर्मचारी यूनियन ने नाराजगी जताई है। यूनियन के शाखा अध्यक्ष मनोज भट्ट और शाखा मंत्री शशिकांत गौतम ने निगम प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि ये दोनों सेवाएं निगम को अच्छी आय देती हैं, इसके बावजूद इन्हें समय पर मार्ग पर नहीं भेजा जा रहा है। उन्होंने बताया कि काठगोदाम डिपो की आगरा और जयपुर सेवा कई सालों से प्रतिदिन संचालित होने वाली प्रमुख सेवा रही है। लेकिन वर्तमान में अनियमित संचालन के कारण यात्रियों को वैकल्पिक साधनों का सहारा लेना पड़ रहा है। यूनियन पदाधिकारियों ने बताया कि इन दो बसों ही नहीं, बल्कि कई अन्य बसें भी छोटे-छोटे स्पेयर पार्ट्स के अभाव में खड़ी हैं, जिससे निगम की सेवाएं प्रभावित हो रही हैं।

गलनी त्रिवेणी संगम कौतिक को विशेष पहचान दिलाने का होगा प्रयास : कैड़ा

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : भीमताल विधायक राम सिंह कैड़ा ने सोमवार को ओखलकांडा ब्लॉक के गलनी त्रिवेणी संगम खनस्यूं में तीन दिवसीय उत्तरायणी कौतिक के समापन पर हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि पर्वतीय संस्कृति के संरक्षण के लिए सभी को ऐसे आयोजन करना चाहिए।

विधायक कैड़ा ने कहा कि खनस्यूं और ओखलकांडा का मध्य बिंदु गलनी है। वर्ष 2020 से शुरू हुए इस कौतिक में आसपास के 15 गांवों से अधिक लोग पहुंचते हैं। इस कौतिक को भविष्य में और आगे बढ़ाकर अलग पहचान दिलाने का प्रयास किया जाएगा। इस कौतिक में खुशी जोशी, राकेश पनेरू सांस्कृतिक ग्रुप की टीम ने कुमाउंनी, गढ़वाली गीतों की शानदार प्रस्तुति दी। खुशी जोशी व राकेश पनेरू के गीतों व झोड़ा चांचरी ने विधायक कैड़ा को भी थिरकने पर मजबूर कर दिया। इस दौरान घनश्याम सुयाल, रवि गोस्वामी, राजू बर्गली, प्रकाश थुवाल, राम सिंह मछखोलिया, रोहित थुवाल, अनिल थुवाल, गजेंद्र बर्गली, लक्ष्मण चिलवाल, दीपक मेहता, संजय ऐडी, मोहन पलडिया, करन कुमार, पंकज सुवाल, योगेश पलडिया, चन्दन बर्गली, हरेंद्र चिलवाल, मनोज चिलवाल, ललित चिलवाल, खीमेश सनवाल, यश बर्गली आदि मौजूद रहे।

गलनी में हुए कौतिक में थिरकते विधायक कैड़ा व ग्रामीण। ● अमृत विचार

दयाकृष्ण अध्यक्ष, सुरेश चंद्र पनेरु बने महामंत्री

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: उत्तराखंड जल संस्थान संविदा श्रमिक संघ की कुमाऊं मंडल कार्यकारिणी का चुनाव सम्पन्न हुआ। चुनाव प्रक्रिया प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार, प्रदेश संरक्षक गणेश नाथ गोस्वामी एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष श्याम सिंह संभल की देखरेख में संपन्न कराई गई।

चुनाव में सर्वसम्मति से कुमाऊं मंडल की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें गोविन्द आर्य को कुमाऊं मंडल संरक्षक, दयाकृष्ण कांडपाल को कुमाऊं मंडल अध्यक्ष चुना गया। शाखा नैनीताल से सितम बाल्मीकि को उपाध्यक्ष प्रथम तथा पूनम फर्त्याल को उपाध्यक्ष द्वितीय निर्वाचित किया गया। इसके अतिरिक्त सुरेश चंद्र पनेरु को कुमाऊं महामंत्री, गिरीश चंद्र आर्य को प्रथम मंत्री, प्रकाश चंद शर्मा को कुमाऊं मंडल कोषाध्यक्ष, मनोज कुमार को उपकोषाध्यक्ष, हीरालाल को कार्यालय मंत्री तथा राम सिंह को प्रचार मंत्री चुना गया। चुनाव में कुमाऊं मंडल के सभी जिलों से करीब 180 संविदा कर्मचारी रहे। वरिष्ठ पदाधिकारियों ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को संबोधित करते हुए कहा कि यदि सरकार संविदा कर्मचारियों को सम्मान, समान कार्य के लिए समान वेतन एवं नियमितीकरण से संबंधित निर्णय शीघ्र नहीं लेती है, तो आंदोलनात्मक कदम उठाए जाएंगे।

पहाड़ की परंपराओं पर बाहरियों का अतिक्रमण

हल्द्वानी : पहाड़ी आर्मी ने पहाड़ी हिंदू सशक्तिकरण सदस्यता अभियान कालाढूंगी चौराहे शुरू किया। जिला अध्यक्ष राजेंद्र कांडपाल ने कहा कि हमने सदस्यता अभियान के अंतर्गत पहाडी हिंदू सशक्तिकरण और पहाड़ी आर्मी के उद्देश्यों की जानकारी दी।

हमारी हजारों साल पुरानी परंपराओं पर बाहरी लोगों का अतिक्रमण हो रहा है। नगर अध्यक्ष फौजी भुवन पांडेय ने कहा कि पहाड़ी संस्कृति, बोली भाषा, लोक देवता, लोक परंपरा के संरक्षण के लिए जनता को जागरूक करना और संगठन से जोड़ना बहुत जरूरी है। इस मौके पर कविता जीना, जिला उपाध्यक्ष अंजू पांडे, नगर सचिव महिला गीता बिष्ट, जिला उपाध्यक्ष बबीता, नगर सचिव बसंत, नगर उपाध्यक्ष कमलेश जेठी, गोपाल पांडे, प्रदीप रौतेला आदि रहे।

तोषी जनोटी बनीं शतरंज चैंपियन

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: डोलमार स्थित विकास होटल में रविवार देर शाम 14वीं लिटिल मास्टर शतरंज प्रतियोगिता का समापन हुआ। राज्य स्तरीय इस प्रतियोगिता में उत्तराखंड के विभिन्न क्षेत्रों से आए उभरते बाल शतरंज खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता के सबसे कड़े मुकाबले ओपन वर्ग में देखने को मिले, जहां हल्द्वानी की तोषी जनोटी ने शानदार खेल के दम पर प्रथम स्थान प्राप्त कर खिताब पर कब्जा जमाया। वहीं, हल्द्वानी के ही गर्वित पंत दूसरे, दर्शील तीसरे और सक्षम दर्शन चौथे स्थान पर रहे। रुद्रपुर के अभिराज चिलाना ने पांचवां स्थान हासिल किया। बालिका वर्ग में खटीमा की तनव्या कापड़ी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। हल्द्वानी की प्रियंका पांडे और अनन्या पांडे ने क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। शतरंज कोच व प्रतियोगिता के आयोजक नीरज शाह ने बताया कि समापन अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. चंद्रशेखर पांडे, गीता पंत, सुनील कुमार एवं दीपक ने विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। डॉ. पांडे ने कहा कि भविष्य में भी ऐसी प्रतियोगिताओं का आयोजन हो ताकि राज्य की युवा प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का मंच मिल सके। आयोजन में विकास पांडे, कमलेश बचकेटी, मनीष प्रतियाल, प्रकाश भट्ट, विनीत पंत व राजू का विशेष योगदान रहा।

लिटिल मास्टर शतरंज प्रतियोगिता के चैंपियन। ● अमृत विचार

पेंशन के दायरे से बाहर किए जाने से कर्मचारियों में रोष

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: उत्तराखंड नियमित एवं वर्कचार्ज कर्मचारी संघ, लोक निर्माण विभाग से जुड़े कर्मचारियों ने पेंशन से बाहर किए जाने संबंधी शासनादेश के विरोध में तल्लीताल डांट स्थित गांधी चौक पर प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने शासनादेश को कर्मचारी विरोधी बताते हुए इसकी होली जलाकर विरोध दर्ज कराया।

कर्मचारियों का कहना है कि वर्ष 1980 से 2025 तक सेवाएं देने वाले अनेक सेवानिवृत्त कर्मचारियों और मृतक आश्रितों को आज तक न तो नियमितीकरण का लाभ मिला और न ही पेंशन एवं अन्य देयकों का भुगतान किया गया है। इससे प्रभावित परिवार गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। कर्मचारी संघ के गिरीश जोशी ने बताया कि 16 जनवरी 2026 को जारी शासनादेश के तहत नियमित और वर्कचार्ज कर्मचारियों को पेंशन के दायरे से बाहर किया जा रहा है। जिससे उनके समक्ष जीवनयापन का गंभीर संकट खड़ा हो जाएगा। कर्मचारी नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि शासनादेश को वापस नहीं लिया गया, तो प्रदेशभर में आंदोलन किया जाएगा। संघ के सचिव गोधन सिंह नेगी, हरीश सिंह, कुंदन सिंह, हेमा देवी, किशन सिंह, पूर्ण सिंह, विद्या सागर, कमला देवी, देवकी देवी, कैलाश खोलिया, आनंद सिंह, प्रकाश चंद्र, राजन राम, गणेश चंद्र, टीका सिंह, कृपाल सिंह, ठाकुर सिंह रहे।

सिटी ब्रीफ

पुरानी रंजिश में दो युवकों ने मैकेनिक पर ताबड़तोड़ फायरिंग की

रुद्रपुर : कोतवाली क्षेत्र के रंपुरा में अपराधियों के हौसले पस्त होने का नाम नहीं ले रहे हैं। सोमवार शाम रंपुरा चौकी से चंद कदमों की दूरी पर स्थित एक मैदान में दो युवकों ने टायर स्पेयर पार्ट्स मैकेनिक शिवम पाल पर जानलेवा हमला कर दिया। हमलावरों ने पहले ईंट से हमला किया और फिर तमंचे से ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। गनीमत रही कि शिवम ने ईंटों के ढेर की आड़ लेकर अपनी जान बचाई। घटना का कारण दिवाली के दिन हुआ एक पुराना विवाद बताया जा रहा है, जिसमें शिवम के दोस्त की कुछ युवकों से हाथापाई हुई थी। वारदात के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। पीड़ित ने तुरंत चौकी पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी। चौकी प्रभारी कविंद्र शर्मा ने बताया कि नामजद आरोपियों के परिजनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जल्द ही मुकदमा दर्ज कर फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

सितारगंज : पुलिस ने बाइक सवार आईटीबीपी जवान और उसके पिता को टक्कर मारने वाले आज्ञात वाहन चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। गांव कैलाशपुरी निवासी अवधेश कुमार ने बताया कि 16 जनवरी को उसका छोटा भाई त्रिलोकी कुमार (35) और पिता ओमप्रकाश खटीमा से घर लौट रहा था। तभी गांव बघौरा, मन्नत रेस्टोरेंट के पास हाईवे पर सामने से आए डंपर ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में उसके भाई की मौत हो गई। जबकि, उसके पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया कि रुद्रपुर के एक निजी अस्पताल में उसके पिता का इलाज चल रहा है। जहां उनकी हालत गंभीर है।

कच्ची शराब के साथ महिला सहित तीन धरे

सितारगंज : पुलिस ने 42 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ एक महिला सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। रविवार रात पुलिस ने गांव सरौजा, नानकमत्ता निवासी सोमा कौर को 22 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ अग्निशमन कार्यालय, सिडकुल के पास से गिरफ्तार किया। वहीं, गांव पिपलिया निवासी मक्खन सिंह और पाला सिंह को दस-दस लीटर कच्ची शराब के साथ सिरसा रोड, शक्तिफार्म से गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने क्यों फोन कर बुलाई थी पंचायत, बोले सीओः मामले की होगी पड़ताल, पार्षद सौरभ राज बेहड़ को बुलाने का है आरोप

...तो क्या थाना-चौकी बनते जा रहे पंचायत करने का अड्डा

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः पुलिस अब फरियादियों के शिकायती पत्र पर कार्रवाई करने के बजाय पंचायत करने पर ज्यादा फोकस कर रही है। ऐसी ही चर्चा शहर में होनी लगी है। कारण जिस प्रकार विधायक के बेटे पार्षद सौरभ राज बेहड़ को कांग्रेस नेत्री बेटे हाथापाई प्रकरण में पुलिस द्वारा पंचायत कर मामला रफा दफा करने के लिए बुलाने का आरोप लग रहा है। इससे साफ होता है कि थाना और चौकियां पंचायत का अड्डा बनती जा रही हैं।

बताते चलें कि पिछले माह कांग्रेस महिला मोर्चा की महानगर अध्यक्ष मोनिका ढाली के बेटे पर भाजपा नेता एवं पार्षद पति राधेश शर्मा ने हाथापाई कर चोटिल कर दिया था। उसके बाद आवास विकास चौकी परिसर राजनीति युद्ध का अखाड़ा बन चुकी थी। प्रकरण को कई दिन बीत जाने के बाद भी थाना ट्रांजिट कैंप पुलिस ने क्रॉस एफआईआर पर मुकदमा दर्ज नहीं किया और मध्यस्थता करते हुए समझौता कराने पर आमादा होने लगी। बताया जा रहा है कि प्रकरण का पटाक्षेप करने के लिए भाजपा नेता राधेश शर्मा और आवास विकास के पार्षद एवं विधायक पुत्र सौरभ को भी फोन कर आवास विकास चौकी बुलाया गया था।

आवास-विकास चौकी। ● अमृत विचार

शाम 7 बजे पंचायत में जाते वक्त बाइक सवार हमलावरों ने हमला कर घायल कर दिया। कांग्रेस के कद्दावर नेता के बेटे पर हमला होते ही इलाके में सनसनी फैल गई और फिर पुलिस पर ही सवाल उठने लगे कि जब पंचायत को पुलिस ने बुलाया तो पार्षद के आने की सूचना हमलावरों को किसने दी। जिसको लेकर विधायक और भाजपा नेता ने खुद बयान दिया है कि पुलिस ने ही फोन कर पंचायत को बुलाया था। अब सवाल यही उठता है कि क्या अब पुलिस कानून का डंडा छोड़कर पंचायत का धंधा कर रही है।

> रविवार की शाम छह बजे पार्षद बेटा सौरभ घर आया था और मुलाकात करते हुए बताया कि पापा कांग्रेस नेत्री मोनिका ढाली प्रकरण में एक पंचायत है। पुलिस ने फोन कर मामला रफा दफा करने के लिए बुलाया है। पिता के आदेशानुसार बेटा आवास विकास चौकी के लिए स्कूटी से रवाना हुआ और सात बजे बेटे पर हमला हुआ। बेहड़ ने सवाल उठाए कि हमलावरों को कैसे पता चला कि बेटा पंचायत में सात बजे जा रहा है और रास्ते की जानकारी किसने दी। हमलावर कौन थे और किसके इशारे पर हमला हुआ। यह सभी सवाल पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे हैं। -**तिलकराज बेहड़**, विधायक, किच्छा

> रविवार की शाम को आवास विकास चौकी पुलिस चौकी से पुलिसकर्मी का फोन आया था और हाथापाई प्रकरण में पंचायत कर मामला निपटाने की जानकारी दी थी, लेकिन उस वक्त विधायक शिव अरोरा के साथ वार्ड में गरीबों को कंबल वितरण कार्यक्रम में व्यस्त था और जब पुलिस कर्मी को व्यस्त की जानकारी दी तो पुलिस कर्मी ने खुद ही शाम सात बजे का समय निर्धारित करते हुए आने का न्यौता दिया था। पार्षद पर हमले के दौरान वह विधायक के साथ खड़े थे। हमलावरों को कैसे जानकारी हुई। यह सवाल वास्तव में हैरानी भरा है। -**राधेश शर्मा**, भाजपा नेता

> पुलिस को नियमानुसार किसी भी थाना-चौकी में पंचायत करने का अधिकार नहीं है और पुलिस कभी भी पंचायत करने का न्यौता नहीं देती है। पार्षद सौरभ पर हमला होने के बाद यह संज्ञान में आया है कि आवास विकास पुलिस चौकी द्वारा पंचायत के लिए बुलाया गया था, लेकिन विभागीय पूछताछ में ऐसा कोई मामला नहीं है। बावजूद भाजपा नेता और विधायक के बयान के आधार पर जांच की जाएगी। पंचायत कराने वाला पुलिस कर्मी कौन हैं और किस अधिकार से पंचायत बुलाई गई थी। मामले की जांच कर कठोर कार्रवाई की जाएगी। -**प्रशांत कुमार**, सीओ सदर

डॉक्टर का डेढ़ लाख का मोबाइल लूटा

रुद्रपुरः कोतवाली इलाके में ऑटो लिफ्टर गैंग के बाद अब मोबाइल लुटेरा गिरोह में सक्रिय हो गया है। गिरोह के सदस्य ने नैनीताल हाईवे पर एक डॉक्टर का कीमती मोबाइल लूटकर फरार हो गए। चिकित्सक ने आदर्श कॉलोनी चौकी पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। फुलसुंगी निवासी डॉ. विपलव राय रविवार की रात्रि साढ़े 9 बजे किच्छा विधायक के पार्षद बेटे सौरभ राज बेहड़ पर हुए हमले की जानकारी लेकर लौट रहे थे। इस बीच अचानक मोबाइल पर किसी की कॉल आई। मोबाइल पर बातचीत करते हुए जैसे ही डॉक्टर नैनीताल हाईवे पर पहुंचे तो अचानक बाइक पर सवार दो युवक तेजी से आये और झपट्टा मारकर मोबाइल लूट लिया। जब तक चिकित्सक कुछ समझ पाते और भीड़भाड़ और जाम की वजह से बाइक सवार फरार हो गये।

हमलावर कोई भी हो, पुलिस करेगी कठोर कार्रवाई : एसएसपी

विगत देर रात्रि अस्पताल पहुंचकर सौरभ बेहड़ के स्वास्थ्य की ली जानकारी, विधायक बेहड़ ने उठाया पारदर्शी खुलासे का मुद्दा, खुलासे में जुटी एसओजी

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः किच्छा विधायक के पार्षद बेटे पर हुए कातिलाना हमले के बाद जहां लोगों में भारी आक्रोश है। वहीं देर रात्रि प्राइवेट अस्पताल पहुंचकर एसएसपी ने साफ कर दिया कि कानून से खिलवाड़ करने वाला कोई भी दल या व्यक्ति हो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान विधायक बेहड़ से घटना की जानकारी ली। बेहड़ ने स्पष्ट कहा कि हमले का खुलासा पारदर्शी होना चाहिए ताकि पुलिस की कार्यशैली पर कोई सवालिया निशान नहीं लगे।

बताते चलें कि रविवार की शाम को सात बजे जब किच्छा विधायक के बेटे और आवास विकास के पार्षद सौरभ राज बेहड़ पर हमले की खबर पुलिस प्रशासन को हुई तो पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। देर रात्रि सवा 11 बजे एसएसपी मणिकांत मिश्रा खुद अस्पताल पहुंचे और आईसीयू में भर्ती पार्षद सौरभ के स्वास्थ्य संबंधी हालचाल जाना। उन्होंने डॉक्टरों से भी बातचीत की और विधायक बेहड़ से घटना को लेकर निंदा करते हुए जानकारी ली।

घायल पार्षद का हालचाल जानते एसएसपी मणिकांत मिश्रा, साथ में विधायक बेहड़।

बेहड़ ने एसएसपी से कहा कि बेटे पर हमला करना कोई अचानक होने वाली वारदात नहीं है। कारण उनका बेटा चौकी में हो रहे समझौते में जा रहा था। यही नहीं हमले के पीछे किसी न किसी की साजिश है और कौन इसका साजिशकर्ता है उसका खुलासा करना भी अहम है। उन्होंने एसएसपी से बेटे के हमलावरों के अलावा साजिशकर्ता का जल्द खुलासा करने का मुद्दा उठाया। जिस पर एसएसपी ने आश्वासन दिया कि हमलावर कोई भी हो और किसी भी दल का होगा। पुलिस कठोर कार्रवाई करेगी।

उधर, विधायक के पार्षद बेटे पर हुए हमलाकांड को लेकर पुलिस प्रशासन भी अलर्ट हो गया है। एसएसपी ने फौरन थाना ट्रांजिट कैंप पुलिस और एसओजी को खोजबीन के लिए लगा दिया है। जिसके आधार पर पुलिस घटनास्थल पर कौन-कौन से मोबाइल सक्रिय थे। उस दिशा में तफ्तीश कर रही है। चर्चा यह भी है कि पुलिस और एसओजी ने तीन से चार संदिग्ध युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। अब देखना यह है कि पुलिस कितनी जल्दी खुलासा कर पाती है।

समर्थकों को समझाने में जुटे बेहड़

रुद्रपुर : विधायक के बेटे और पार्षद पर हुए हमले के बाद विधायक बेहड़ समर्थकों के आक्रोश को शांत करने में जुट गई है। रविवार की रात्रि और सोमवार की सुबह से ही बेहड़ अपने आवास पर आने वाले समर्थकों से शांति व्यवस्था बनाने का आह्वान करते हुए दिखाई दिए। उनका कहना था कि पुलिस को दो दिन का अल्टीमेटम दिया गया है। एसएसपी ने भी आश्वासन दिया है कि जल्द ही पर्दाफाश कर दिया जाएगा। बावजूद किसी के बेटे पर जानलेवा हमला करने पर कोई पिता कैसे चुप बैठेगा। बेटे के हमलावरों को सबक जरूर सिखाया जाएगा, लेकिन अभी कानून को कार्रवाई का वक्त दिया गया है।

आवास पर समर्थकों से बातचीत करते विधायक तिलकराज बेहड़।

विधायक के पार्षद बेटे पर हुए हमले की कड़ी निंदा

रुद्रपुर : रविवार की देर रात्रि किच्छा विधायक के पार्षद बेटे सौरभ राज बेहड़ पर हुए कातिलाना हमला होते ही जिले में हड़कंप मच गया। जिसके बाद प्राइवेट अस्पताल में देर रात्रि लोगों का जमावड़ा लगा रहा। वहीं सुबह होते ही किच्छा विधायक के आवास पर भाजपा हो या फिर कांग्रेस नेता सभी ने कड़े शब्दों में निंदा करते हुए पुलिस प्रशासन से जल्द खुलासे की मांग की। साथ ही विधायक से हमला प्रकरण की जानकारी ली। रविवार की शाम सात बजे आवास विकास के पार्षद सौरभ राज बेहड़ कांग्रेस नेत्री बेटे से हुई हाथापाई प्रकरण की पंचायत में चौकी जा रहे थे। इस बीच जब वे एलआईसी रिंग रोड पर स्कूटी लेकर पहुंचे तो तभी अचानक बाइक पर सवार तीन नकाबपोश युवक आये और पार्षद को रोकते ही हमला शुरू कर दिया। अपने चाचा पर हमला होता देख भतीजे ने अपने दादा किच्छा विधायक तिलकराज बेहड़ को जानकारी दी। कुछ ही देर में प्राइवेट अस्पताल में पुलिस और लोगों की भीड़ एकत्रित होने लगी। सोमवार की सुबह भी विधायक के आवास विकास स्थित आवास पर सत्ताधारी हो या फिर कांग्रेस पार्टी से जुड़ा नेता। हर कोई घर पहुंचा और विधायक बेहड़ से घटना की जानकारी लेते हुए हमले की कड़े शब्दों में आलोचना की। सभी नेताओं ने पुलिस प्रशासन से हमलावरों की गिरफ्तारी का मुद्दा उठाया। साथ ही कहा कि यदि कानून व्यवस्था ध्वस्त होती है तो प्रदेश सरकार संज्ञान लेगी और कांग्रेस उग्र आंदोलन करेगी।

त्रिशूल चौक का शिलान्यास 14 को

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः नगर को एक नई पहचान और दिव्य स्वरूप देने की दिशा में नगर निगम प्रशासन ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। 14 फरवरी को नगर के प्रस्तावित त्रिशूल चौक का भव्य शिलान्यास किया जाएगा। इसको लेकर अमरनाथ जी सेवा मंडल के बैनर तले एक विशाल शिव जागरण का आयोजन होगा। इसको लेकर महापौर विकास शर्मा ने मंडल के पदाधिकारियों और सदस्यों के साथ बैठक कर आयोजन की विस्तृत रूपरेखा तैयार की।

सोमवार को आयोजित बैठक के दौरान महापौर शर्मा ने कहा कि त्रिशूल चौक का शिलान्यास शहर के विकास और सांस्कृतिक गौरव के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा। नगर निगम रुद्रपुर को एक दिव्य स्वरूप देने की योजना पर कार्य कर रहा है, जिसकी विधिवत शुरुआत त्रिशूल चौक से होने जा रही है। इसके बाद शहर के अन्य प्रमुख चौराहों और सार्वजनिक स्थलों को भी इसी प्रकार धार्मिक प्रतीक चिन्हों से सुसज्जित किया जाएगा। श्री अमरनाथ सेवा मंडल के अध्यक्ष अजय चड्ढा ने बताया कि मंडल विगत कई वर्षों से महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर शिव जागरण और कांवरियों के लिए विशाल भंडारे का आयोजन करता आ रहा है। पूर्व में ये आयोजन गांधी पार्क और रामलीला मैदान में संपन्न होते थे, किंतु इस वर्ष त्रिशूल चौक के शिलान्यास के महत्व को देखते हुए आयोजन स्थल में परिवर्तन किया गया है। इस अवसर पर श्री अमरनाथ जी सेवा मंडल के संस्थापक सुनील ठुकराल, अध्यक्ष अजय चड्ढा, महामंत्री मन्नू चुघ, सरपरस्त बॉबी अरोड़ा, सरपरस्त राजीव मिड्डा, उपाध्यक्ष राजन राठौड़, सुरेश छाबड़ा मौजूद रहे।

मंडल के पदाधिकारियों के साथ बैठक करते महापौर विकास शर्मा। ● अमृत विचार

शिक्षा और डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा दिया

संवाददाता, पंतनगर

अमृत विचारः सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की एनएसएस इकाई की ओर से 'शिक्षा, डिजिटल साक्षरता और कौशल विकास के माध्यम से ग्रामीण सशक्तिकरण' पर 24 जनवरी तक चकफेरी कॉलोनी में विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसका उद्देश्य शिक्षा को बढ़ावा देना, डिजिटल साक्षरता को सुदृढ़ करना और ग्रामीण समुदाय के सदस्यों में व्यावहारिक कौशल विकसित करने सहित युवाओं में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना है। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संध्या रानी ने शिविर का औपचारिक परिचय प्रस्तुत किया और शिविर के उद्देश्यों एवं सात दिवसीय गतिविधियों की विस्तृत रूपरेखा पर प्रकाश डाला। समन्वयक डॉ. सोनू रानी और सिंचाई विभाग के इंजीनियर बेगराज सिंह ने स्वयंसेवकों को प्रेरित किया और उन्हें शिविर की सभी गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ. सोनू रानी ने वर्तमान में डिजिटल शिक्षा के महत्व पर बल दिया और विद्यार्थियों- प्रतिभागियों को व्यक्तिगत विकास एवं ग्रामीण उन्नति के लिए डिजिटल साधनों के उपयोग के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन एनएसएस प्रतिज्ञा के साथ हुआ, जिसमें स्वयंसेवकों ने समाज सेवा के प्रति समर्पण एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के मूल्यों का पालन करने का संकल्प लिया।

लालकुआं व गदरपुर अव्वल

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः खेल महाकुंभ और मुख्यमंत्री चैंपियनशिप ट्रॉफी के तहत बालक वर्ग की सांसद स्तरीय अंडर-14 और अंडर-19 वालीबॉल, कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित हुई। प्रतियोगिता शिवालिक हॉल स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित हुई। प्रतियोगिता का समापन मुख्य अतिथि जिला क्रीड़ा अधिकारी जानकी कार्की, जिला ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष नागेंद्र शर्मा ने विजेता टीमों को पुरस्कार वितरित कर किया।

रविवार को आयोजित अंडर-14 बालिका वर्ग की कबड्डी प्रतियोगिता के फाइनल मैच में लालकुआं विधानसभा ने नानकमत्ता विधानसभा को हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि नानकमत्ता द्वितीय स्थान पर रहा। वालीबॉल बालिका वर्ग के फाइनल में कालाढूंगी विधानसभा ने काशीपुर विधानसभा को 2-0 से हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

विजेता खिलाड़ियों के साथ मुख्य अतिथि जिला क्रीड़ा अधिकारी व अन्य।

काशीपुर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसी तरह बालिका वर्ग की अंडर-19 कबड्डी प्रतियोगिता के फाइनल में गदरपुर विधानसभा ने रुद्रपुर विधानसभा को हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि रुद्रपुर द्वितीय स्थान पर रहा। वालीबॉल बालिका वर्ग के फाइनल में कालाढूंगी विधानसभा ने हल्द्वानी विधानसभा को 2-0 से हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि हल्द्वानी द्वितीय स्थान पर रहा। प्रतियोगिता में मैच रेफरी की भूमिका खेल समन्वयक दिनेश सिंह, श्रीजेश श्रीकन सक्सेना, गोकूल चंद्र लोहनी, विकास कुमार, श्याम मदद, धनुर, दीप सिंह, रोहित चौधरी, विमल पाएने ने निभाई।

आयोजन

तराई के पक्षी नामक पुस्तिका का हुआ विमोचन, डीएम बोले-हम एक-दूसरे का साथ नहीं देंगे तो गड़बड़ाएगा इकोसिस्टम

वेटलैंड्स एवं फिन्स बाया के संरक्षण के लिए किया गया जागरूक

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः उत्तराखंड का प्रसिद्ध घुघुतिया त्योहार (मकर संक्रांति का स्थानीय रूप) इस बार पर्यावरण संरक्षण से जुड़ा हुआ रहा। संजय वन में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में वेटलैंड्स एवं फिन्स बाया (बुनकर पक्षी) जैसी दुर्लभ प्रवासी चिड़िया के संरक्षण पर विशेष जागरूकता फैलाई गई। क्षेत्र के कई विद्यालयों के छात्रों, वन विभाग के अधिकारियों एवं स्थानीय समुदाय ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। वहीं जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस दौरान तराई के पक्षी नामक पुस्तिका का विमोचन भी किया गया।

सोमवार को संजय वन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने पर्यावरण पर आधारित विभिन्न विद्यालय के छात्रों द्वारा लगाये गये स्टालों का निरीक्षण कर सराहना की। साथ ही उन्होंने कहा कि यदि हम एक-दूसरे का साथ नहीं देंगे तो इकोसिस्टम गड़बड़ा जाएगा, जिससे महामारी एवं अन्य गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों से हम नई पीढ़ी को सिखाते हैं और पर्यावरण संतुलन में अपनी भूमिका निभाते हैं।

संजय वन में कार्यक्रम के दौरान स्टॉलों का निरीक्षण करते डीएम। ● अमृत विचार

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र में मनाया जाने वाला घुघुती त्यौहार केवल एक लोकपर्व नहीं, बल्कि बच्चों, प्रकृति और परंपराओं से जुड़ा एक भावनात्मक उत्सव भी है। हमें त्योहार मनाने के साथ-साथ पर्यावरण की सुरक्षा भी करना चाहिए। वृक्षों से हमें शुद्ध श्वास वायु, पानी, स्वच्छ पर्यावरण मिलता है। हम सभी को पौधारोपण कर उनका संरक्षण भी करना होगा। उन्होंने कहा कि ऑक्सीजन महत्वता को हम सभी ने कोरोना काल में देखा व समझा है। इसलिए हम सभी को एक पौधा अवश्य लगाकर उसका संरक्षण भी करना चाहिए। इस दौरान बच्चों ने नेचर पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिसमें गीत, नृत्य एवं नाटक के माध्यम से पर्यावरण संदेश दिए गए। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलाई गयी। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शासनी, डीएफओ यूसी तिवारी, सांसद प्रतिनिधि लक्ष्मण सिंह खाती, उप प्रभागीय वन अधिकारी शशि देव, मंदीप कौर, वन क्षेत्राधिकारी रूपनारायण गौतम, डॉ. रमन कुमार, मुकेश कांडपाल, अपूर्ण जोशी, पूजा बिष्ट मौजूद रहे।

चिड़ियां हमें जमीन की सेहत के बारे में बताती है

रुद्रपुर : नेचर साइंस इनिशिएटिव की डॉ. सौम्या प्रसाद ने कहा कि ऊधमसिंह नगर वेटलैंड़ उत्तराखंड का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, लेकिन यहां एंक्रोचमेंट (अतिक्रमण), पास में खेती और अन्य गतिविधियों से इकोसिस्टम प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा जब डॉक्टर हमारे बीपी और सांस से स्वास्थ्य बताते हैं। उसी तरह चिड़ियां हमें जमीन की सेहत के बारे में बताती हैं। वर्तमान में वुडलैंड (वन क्षेत्र) में ग्रोथमेंट बढ़ रहा है, जिससे आने वाले समय में पानी की बड़ी समस्या हो सकती है। नेचर और कल्चर हमारे यहां एक साथ हैं। घुघुतिया त्योहार केवल उत्तराखंड में ही चिड़ियों का त्योहार के रूप में मनाया जाता है। हम इसे पूरे विश्व तक पहुंचाना चाहते हैं। यह त्योहार पारंपरिक रूप से कुमाऊं में कौवों को घुघुते खिलाकर मनाया जाता है जो प्रकृति से जुड़ाव का प्रतीक है।

संजय वन को पर्यटक स्थल के रूप में किया जा रहा विकसित

रुद्रपुर : जिलाधिकारी ने कहा कि सांसद अजय भट्ट के निर्देशन में संजय वन को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। ताकि अधिक से अधिक पर्यटक संजय वन आकर प्राकृतिक सौंदर्यता का आनंद ले सकें। उन्होंने कहा कि संजय वन में जानवरों से सुरक्षा की दृष्टि से फैन्सिंग की गई है। ताकि जानवरों से पर्यटकों को किसी प्रकार की परेशानी न होने पाये। उन्होंने सभी पर्यटकों से संजय वन को सुंदर व स्वच्छ बनाने में सहयोग व सहभागिता की अपील भी की।

वेटरिनरी कॉलेज के पहले डीन डॉ. एमआर ढांडा की प्रतिमा का अनावरण करते कुलपति।

वेटरिनरी के पहले डीन डॉ. एमआर ढांडा की प्रतिमा का अनावरण किया

पंतनगर : विवि के पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय के पहले डीन डॉ. एमआर ढांडा की प्रतिमा का अनावरण समारोह महाविद्यालय में आयोजित किया गया। यह प्रतिमा महाविद्यालय के सूचना केंद्र में स्थापित की गई है। प्रतिमा का अनावरण कुलपति डॉ. मनमोहन सिंह चौहान ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत में डीन वेटरिनरी डा. एएच अहमद ने कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान का स्वागत किया। इसके बाद सूचना केंद्र में डॉ. ढांडा की प्रतिमा का अनावरण किया गया। इस अवसर पर कुलपति डा. चौहान ने डॉ. ढांडा के पशु चिकित्सा महाविद्यालय के विकास में दिए गए महत्वपूर्ण योगदानों पर प्रकाश डाला और एक सुदृढ़ नीव के लिए कृतज्ञता जाहिर की। 1960 बैच के पूर्व छात्रों डॉ. अमरेश कुमार, डॉ. वाईपी सिंह एवं डॉ. डीसी शुक्ला ने डा. ढांडा के सुसंगठित नेतृत्व, उनके बुद्धिमत्ता एवं संस्थान के विजन के ऊपर अपनी स्मृतियों को साझा किया। इस दौरान तीनों पूर्व छात्रों को कुलपति ने सम्मानित भी किया। प्रतिमा की स्थापना वर्ष 1960 के पहले बीवीएससी बैच के पूर्व छात्रों के सहयोग से संभव हो पाई है। कार्यक्रम का समापन संकाय सचिव डा. मंजूल कांडपाल ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया।

ब्रीफ न्यूज

नगर पंचायत की बैठक में विकास कार्यों पर मोहर

नानकमत्ता : नगर पंचायत अध्यक्ष प्रेम सिंह टुरना की अध्यक्षता में आयोजित बोर्ड बैठक में विकास कार्यों को लेकर कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए। इसमें वार्ड नंबर 4 के शिव मंदिर के सौंदर्यीकरण सहित विभिन्न वार्डों में सड़क और नाली निर्माण पर सहमति बनी। नगर पंचायत द्वारा निर्मित दुकानों के किराए पर विवाद के बाद एक विशेष कमेटी का गठन किया गया है, जो किराए की दरों पर पुनर्विचार करेगी। वर्तमान में कई दुकानदारों ने बिना एग्रीमेंट और किराया चुकाए दुकानों पर कब्जा कर रखा है। बैठक में अनुशासन का परिचय देते हुए महिला सभासदों के स्थान पर आए उनके पति और पिता को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। अधिशासी अधिकारी राकेश कोटियाल ने स्पष्ट किया कि बैठक में प्रतिनिधियों का बैठना वैधानिक रूप से गलत है।

धर्म छिपाने और दुष्कर्म के प्रयास का आरोप

खटीमा : कोतवाली पुलिस ने युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जिसने अपना धर्म छिपाते हुए एक युवती के साथ दुष्कर्म करने का प्रयास किया। वह युवती को बहला फुसलाकर होटल में ले गया जहां युवती को उसके धर्म का पता चला। कोतवाली पुलिस को सौंपी तहरीर में युवती ने कहा है कि शनिवार सुबह खटीमा निवासी सोनू उसके साथ एक प्रतिष्ठान में काम करते थे। उसने अपना धर्म छिपाते हुए उसे बहला-फुसलाकर घुमाने के बहाने एक होटल में लेकर आया जहां उसके धर्म का पता चला।

बहुउद्देशीय शिविर में 109 शिकायतों में से 63 का मौके पर ही निस्तारण

किच्छा के दरऊ में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित हुआ बहुउद्देशीय शिविर

संवाददाता, किच्छा

किच्छा में समस्याएं सुनते जिलाधिकारी नितिन भदोरिया एवं अन्य अधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: जन-जन की सरकार - जन-जन के द्वार अभियान के अंतर्गत न्याय पंचायत दरऊ स्थित राजकीय इंटर कॉलेज में बहुउद्देशीय शिविर एवं विशेष तहसील दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया की अध्यक्षता में संपन्न हुए बहुउद्देशीय शिविर में सैकड़ों लोगों द्वारा अपनी-अपनी समस्याएं दर्ज करने के साथ ही विभिन्न प्रमाण पत्रों के लिए आवेदन फार्म जमा किए गए।

शिविर में विभिन्न योजनाओं के तहत अतिथियों द्वारा लाभार्थियों को सहायता राशि के चैक, टूल किट, व्हीलचेयर, महालक्ष्मी किट एवं प्रमाण पत्र वितरित किए गए। राजकीय इंटर कॉलेज में आयोजित शिविर में दो दर्जन विभागों द्वारा अपनी-अपनी स्टॉल लगाकर जनता को विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। शिविर में दर्ज की गई 109 शिकायतों में से 63 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाए गए शिविर में 1535 लोगों के स्वास्थ्य की जांच

- **दो दर्जन विभागों ने स्टॉल लगाकर जनता को दी योजनाओं की विस्तृत जानकारी**

कर निशुल्क दवा वितरित की गई। इस मौके पर 57 आयुष्मान कार्ड, 28 बच्चों का टीकाकरण, होम्योपैथिक विभाग द्वारा 94 एवं आयुर्वेद यूनानी द्वारा 89 लोगों के स्वास्थ्य का परीक्षण कर दवा वितरण की गई। इसके अलावा शिविर में पांच विरासतन, 31 स्थाई निवास प्रमाण पत्र, 13 जाति प्रमाण पत्र, 23 आय प्रमाण पत्र, दो उत्तरजीवी, 9 चरित्र प्रमाण पत्र, छह परिवार रजिस्टर नकल, शौचालय के लिए 17 आवेदन, 15 लोगों को मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट का वितरण, विवाह के लिए चार पात्रों को अनुदान राशि के चैक, दो दिव्यांग जनों को व्हीलचेयर, 10 गर्भवती महिलाओं की गोद भराई एवं पांच बच्चों का अन्नप्राशन, शिक्षा विभाग द्वारा 44 छात्राओं को साइकिल खरीदने के लिए धनराशि के चैक, कृषि विभाग द्वारा उपकरण खरीद के लिए दो लाभार्थियों को अनुदान चेक, चार समूहों को 3 लाख रुपए धनराशि के चैक सौंपे गए। शिविर में उप जिलाधिकारी गौरव पांडे, मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शासनी, परियोजना निदेशक हिमांशु जोशी, कर्नल सी. पी. कोठारी, दर्जा राज्यमंत्री खतीब अहमद, ब्लाक प्रमुख रीना गौतम, पूर्व विधायक राजेश शुक्ला, एसके शर्मा, डॉ आशुतोष जोशी, जिला शिक्षा अधिकारी हरेंद्र मिश्रा, संजय छिमवाल, बी एस डांगी, सुशील कुमार, व्योमा जैन, नंदिता तोमर, मुकुल चौधरी, नरेंद्र बागवानी, गफ्फार खान, गोल्डी गोराया, जितेंद्र गौतम, रविकांत वर्मा आदि मौजूद रहे।

कर्मचारी संघ ने दिया आंदोलन को समर्थन

रुद्रपुर: उत्तराखंड राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के 18 सूत्रीय मांग के लिए चलाए जा रहे चरणबद्ध आंदोलन को उत्तराखंड कृषि उत्पादन विपणन बोर्ड कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने भी अपना पूर्ण समर्थन दिया है। इसको लेकर संघ के पदाधिकारियों की एक बैठक आयोजित हुई। इसमें कई प्रस्ताव पास किए गये।

सोमवार को उत्तराखंड कृषि उत्पादन विपणन बोर्ड में आयोजित बैठक के दौरान संघ के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद और महामंत्री अनुराग नेगी ने बताया कि बैठक में उत्तराखंड राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के चरणबद्ध आंदोलन को समर्थन देने का निर्णय लिया गया है। इसके अलावा गोल्डन कार्ड की व्यवस्था मंडी बोर्ड के कार्मिकों पर लागू किये जाने के संबंध में कतिपय बिंदुओं पर स्पष्ट न होने के कारण इस संबंध में अधिकारियों से वार्ता का निर्णय लिया गया है।

इसके अलावा मंडी बोर्ड के सभी पदोन्नति के रिक्त पदों पर पदोन्नति किये जाने, मंडी बोर्ड के सभी सीधी भर्ती के रिक्त पदों को यथाशीघ्र भरे जाने, मंडी बोर्ड एवं मंडी समिति की सेवा नियमावली शासन स्तर से यथाशीघ्र स्वीकृत कराये जाने, मंडी बोर्ड में लिपिक संवर्ग के वेतनमानों की विसंगतियों का यथाशीघ्र समाधान करते हुए संवर्ग के वेतनमान पूर्व की भांति किये जाने की मांग की गयी।

पुस्तक मेले में किताबों का चयन करते शिक्षक व विद्यार्थी। अमृत विचार

पीजी महाविद्यालय में लगाया पुस्तक मेला

संवाददाता सितारगंज

- **उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से किया गया आयोजन**

अमृत विचार : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से पीजी महाविद्यालय सितारगंज में पुस्तक मेले का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को शीतकालीन सत्र के लिए प्रवेश से संबंधित जानकारी दी गई।

सोमवार को मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी, सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. रेखा बिष्ट और मधु डोगरा ने संयुक्त रूप से फीता काटकर पुस्तक मेले का शुभारंभ किया।

कुलपति नवीन चंद्र लोहनी ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय प्रदेश के सीमांत क्षेत्रों तक लोगों को शिक्षित करने और आधुनिक तकनीक से नवाचार को बढ़ावा की दिशा में कार्य कर रहा है। वहीं, सहायक निदेशक डॉ. रेखा बिष्ट ने विद्यार्थियों को मुक्त विश्वविद्यालय में संचालित नवीन कोर्सेज जैसे असिस्टेंट होम स्टे मैनेजर, ज्योतिष विज्ञान सहित शीतकालीन सत्र के लिए हो रहें प्रवेश से संबंधित जानकारी दी गई।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. दीक्षा खम्पा ने किया।

इधर, पुस्तक मेला में विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण विषयों के साथ प्रतियोगी परीक्षा की पुस्तकों का निशुल्क वितरण किया गया। इस मौके पर हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. विमला सिंह, डॉ. अभिमन्यु, डॉ. राजविंदर कौर, डॉ. जगदीपक जोशी, डॉ. शोभा पांडे, डॉ. कामना दीक्षित आदि उपस्थित रहे।

पंजाब लीजेंड्स ने जीती ट्रॉफी

संवाददाता, दिनेशपुर

पंजाब लीजेंड्स की विजेता टीम को ट्रॉफी भेंट करते विधायक अरविंद पांडेय व अतिथि।

अमृत विचार: नटराज यंग क्लब के तत्वावधान में आयोजित दिनेशपुर प्रीमियर लीग सीजन प्रथम डीपीएल 2026 के ख़िताबी फाइनल में पंजाब लीजेंड्स ने साना वॉरियर्स को 5 विकेट से पराजित कर ट्रॉफी पर कब्जा किया। अभिषेक कुमार को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। विधायक अरविंद पांडेय ने विजेता व उपविजेता टीम को ट्रॉफी और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

सोमवार को खुदीराम बोस स्टेडियम में पंजाब लीजेंड्स ने टॉस जीतकर साना वॉरियर्स को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। साना वॉरियर्स ने नरेश के 76 और राजकुमार के 40 रनों के बदौलत टीम के लिए 176 रन बनाए। जवाब में पंजाब लीजेंड्स ने अभिषेक के 53 और रोहित के नाबाद 58 रनों की बदौलत जीत हासिल की। टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के लिए अभिषेक कुमार को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। विधायक अरविंद पांडे ने विजेता व उपविजेता टीमें को पुरस्कार और नगद राशि देकर सम्मानित किया। निर्णायक की भूमिका अरिंदम व अमन और स्कोरर प्रियांशु ने निभाई। संचालन दिवस राय व अमर सिंह ने किया। इस मौके पर आयोजक समिति अध्यक्ष इंद्रजीत मंडल, सचिव देव कुमार सिंह, व्यापार मंडल अध्यक्ष राजेश नारंग, जिपंस प्रतिनिधि नरेंद्र सिंह कोरंगा उर्फ नम्मू, युवा भाजपा नेता योगेश पानू, वरिष्ठ कांग्रेस नेता केके गावा, पूर्व प्रधान विकास सरकार आदि मौजूद रहे।

दिल्ली की पहली उड़ान 26 जनवरी तक निरस्त

संवाददाता, पंतनगर

अमृत विचार : दिल्ली में गणतंत्र दिवस समारोह के चलते हवाई सुरक्षा कारणों से 26 जनवरी तक नो-फ्लाई ज़ोन घोषित किया गया है। इसलिए दिल्ली–पंतनगर हवाई मार्ग पर उड़ानों के संचालन में अस्थायी बदलाव किया गया है। जिसके तहत इंडिगो एयरलाइंस की दिल्ली- पंतनगर के बीच पहली उड़ान संख्या 6ई-7324 को 26 जनवरी तक के लिए निरस्त कर दिया गया है। जबकि इस दौरान दूसरी उड़ान संख्या 6ई-7156 का संचालन जारी रहेगा।

पहली उड़ान 6ई-7324 प्रतिदिन दिल्ली से दोपहर 12 बजे उड़ान भरकर दोपहर एक बजे पंतनगर एयरपोर्ट पहुंचती थी। नो-फ्लाई ज़ोन लागू होने के कारण इस उड़ान को 26 जनवरी तक अस्थायी रूप से रद्द किया गया है। वहीं दूसरी उड़ान 6ई-7156 दिल्ली से अपराह्न 3:10 बजे उड़ान भरकर शाम 4:05 बजे पंतनगर एयरपोर्ट पहुंचेगी। जिसका संचालन पूर्व निर्धारित समय के अनुसार किया जाएगा। उड़ान निरस्तीकरण के चलते कुछ यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। एयरलाइन की ओर से प्रभावित यात्रियों को वैकल्पिक उड़ानों में समायो जित अथवा टिकट धनराशि वापसी की प्रक्रिया भी शुरू की गई है। इस संबंध में एयरपोर्ट निदेशक पवन कुमार ने बताया कि दिल्ली में नो-फ्लाई ज़ोन घोषित किया गया है।

13 साल से फरार इनामी दबोचा

संवाददाता सितारगंज

पुलिस गिरफ्त में लूटपाट का आरोपी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : पुलिस ने 13 साल से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है।

दरअसल, सितारगंज निवासी गणेश सिंह ने 16 फरवरी 2013 को उसके घर में घुसकर अज्ञात बदमाशों द्वारा अलमारी में रखे सोने के जेवरात और नकदी लूटकर फरार होने का आरोप लगाते हुए चार अज्ञात बदमाशों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

वहीं, इस मामले में पुलिस ने पहले ही तीन आरोपी तनवीर, नफीस और भूरा को गिरफ्तार कर जेल की सलाखों के पीछे भेज चुकी है। जबकि, गांव डेरा, एटा (यूपी) निवासी शब्बीर उर्फ सोहेल (35) पुलिस गिरफ्त से बचकर फरार हो गया था। जिसके खिलाफ न्यायालय ने गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया था। साथ ही, पुलिस ने भी आरोपी पर 25 हजार का इनाम भी घोषित किया था।

इस पर एसएसपी मणिकांत मिश्रा के निर्देश पर सीओ बीएस धौनी के पर्यवेक्षण और एसआई उमेश कुमार के नेतृत्व में 13 साल से फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की गई। टीम ने यूपी, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और राजस्थान सहित विभिन्न ठिकानों पर तलाश की। लेकिन उसका पता नहीं चला। इसके बाद मुखबिर से मिली सूचना पर पुलिस उसे बुधवार को अमरोहा बस स्टैंड के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपी को न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई कर रही है। टीम में एसआई कैलाश देव सिंह, नवनीत कुमार, प्रकाश आर्य मौजूद रहे।

डीपीएस रुद्रपुर ने रिबेल एकेडमी बाजपुर को हराया

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ़ उधम सिंह नगर के तत्वावधान में चल रही अंडर-19 जिला क्रिकेट लीग प्रतियोगिता का लीग मैच रिबेल क्रिकेट अकादमी बाजपुर और डीपीएस क्रिकेट अकादमी के मध्य खेला गया। रिबेल क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 45 ओवर में सभी विकेट खोकर 167 रन का स्कोर बनाया। टीम खिलाड़ी अमित राज ने 52 और रोहन राय ने 38 रनों की पारी खेली।

डीपीएस अकादमी की तरफ से अस्तित्व मिश्रा ने 4 और हिमांशु शर्मा ने 3 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी डीपीएस अकादमी की टीम ने 6 विकेट पर 168 रनों का लक्ष्य प्राप्त कर चार विकेट से इस मैच को जीत लिया। जिसमें श्लोक रैकवार ने 45 और अस्तित्व मिश्रा ने 50 रनों का योगदान अपनी टीम को दिया। रिबेल अकादमी की तरफ से सूरजभान ने 3 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच अस्तित्व मिश्रा रहे।

सड़क सुरक्षा की दी जानकारी

संवाददाता, सितारगंज

विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा कानून की जानकारी देते एआरटीओ एपी गुप्ता।

अमृत विचार : सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत परिवहन विभाग ने एसआरएम इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा की जानकारी दी।

सोमवार को एआरटीओ आनंद प्रकाश गुप्ता ने विद्यार्थियों से कहा कि सड़क सुरक्षा कानून उनकी सुरक्षा के लिए बनाए गए हैं। नियमों का पालन करने से सड़क हादसे रोके जा सकते हैं। उन्होंने दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग करने, चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग करने एवं शराब पीकर वाहन नहीं चलाने, नाबालिग के वाहन चलाने पर 25000 की जुर्माने की जानकारी दी।

परिवहन अधिकारी ने मोटर वाहन अधिनियम में 2019 में हुए संशोधन के संबंध में गुड समरटीयन एवं गोल्डन आवर की जानकारी देते हुए दुर्घटना पीड़ित व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर परिवहन सहायक निरीक्षक योगेश बिष्ट, परिवहन आरक्षी हरीश मलकानी करण राज,नवाब जान आदि लोग मौजूद रहे।

नौसर में लगी ब्लॉक स्तरीय पशु प्रदर्शनी

खटीमा : पशुपालन विभाग द्वारा ग्राम नौसर में आयोजित वृहद पशु प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें पशु पालक अपने पशुओं को लेकर शामिल हुए और पुरस्कार जीते। राजकीय पशु सेवा केन्द्र नौसर में ग्राम प्रधान महेंद्र पाल की अध्यक्षता और मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. आशुतोष जोशी की देखरेख में आयोजित ब्लॉक स्तरीय पशु प्रदर्शनी में जिन पशु पालकों के पशु पुरस्कार पाने में सफल रहे उनमें क्रॉस ब्रीड दुधारू गाय अमरीक सिंह सुनपहर, क्रॉस ब्रिड सुखी गाय नवमी नाथ नौसर, देशी दुधारू गाय राजमती नौसर, देशी सूखी गाय अनिल जॉन नौसर, देशी सुखी भैंस किताबी देवी नौसर, दुधारू भैंस हीरा कली नौसर, हीफर गाय/ भैंस आफताब आलम नौसर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

खटीमा में नव निर्मित बच्चों के पार्क का निरीक्षण करते पालिकाध्यक्ष जोशी।

पालिकाध्यक्ष ने नवनिर्मित पार्क का निरीक्षण किया

खटीमा : नगर पालिका परिषद अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी ने युवा खेलकूद कल्याण विभाग द्वारा नगर पालिका में नवनिर्मित पार्क का निरीक्षण किया। युवा खेलकूद कल्याण विभाग द्वारा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दिशा निर्देश और जनता की मांग पर पुराने शहीद स्थल के पास स्थित पार्क में बच्चों के लिए खेलने एवं झूले झूलने के लिए पार्क का निर्माण किया गया है। जिसका सोमवार को पालिका अध्यक्ष जोशी ने निरीक्षण किया। खटीमा में उप जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर एवं मेला घाट रोड परीक्षा नर्सिंग होम के सामने दो पार्कों के निर्माण किए गए हैं।

कार्रवाई | सीडीओ ने सीड्स कंपनियों के प्रतिनिधियों से कहा–मुख्य कृषि अधिकारी को उपलब्ध कराएं प्लान

23 तक हाइब्रिड मक्का बीज उपलब्ध कराने के निर्देश

संवाददाता, रुद्रपुर

बैठक में निर्देश देते सीडीओ दिवेश शासनी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: ग्रीष्मकालीन धान के विकल्प के रूप में ग्रीष्मकालीन मक्का उत्पादन एवं विक्रय को लेकर विकास भवन सभागार में बैठक आयोजित हुई। इसमें जनपद के सभी समस्त उपजिलाधिकारी, राईस मिलर्स एसोसिएशन के सदस्य, विभिन्न थोक व्यापारियों के प्रतिनिधि, कृषक प्रतिनिधि और जीबी पंत विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक, कृषि विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

सोमवार को आयोजित बैठक में मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शासनी ने सीड्स कंपनियों को 23 जनवरी तक जनपद में हाइब्रिड मक्का बीज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही किस विकासखंड में किस कंपनी द्वारा कितना बीज उपलब्ध कराया जा रहा है उसका प्लान मुख्य कृषि अधिकारी को उपलब्ध कराने को कहा। जीबी पंत विवि के वैज्ञानिकों ने बताया कि विकासखंड सितारगंज और खटीमा में समय से बुवाई की जाती है। इसलिए बुवाई के लिए प्राथमिकता के आधार पर मक्के का बीज उपलब्ध कराएं।

उन्होंने कहा कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी ग्रीष्मकालीन धान लगाना प्रतिबंधित रहेगा। कृषि विभाग एवं राजस्व विभाग के कर्मचारियों को अपने-अपने क्षेत्र में यदि कोई धान की नर्सरी लगाता है तो उसकी सूचना तत्काल संबंधित उपजिलाधिकारी को देने के निर्देश दिए। साथ ही उसकी नर्सरी को नष्ट करने की कार्रवाई करने को भी कहा। उन्होंने मुख्य कृषि अधिकारी और पंतनगर के वैज्ञानिकों को जनपद के राइस मिलों का संयुक्त निरीक्षण कर ड्रायरों का परीक्षण करें। साथ ही मक्का क्रय करने के लिए नमी के प्रतिशत के पेरामिटर का निर्धारण करें। इस अवसर पर मुख्य कृषि अधिकारी डॉ.वीकेएस यादव, विधि उपाध्याय, जीबी पंत विवि के वैज्ञानिक डॉ. आरपी सिंह, डॉ. अजय प्रभाकर, डॉ. अमित भटनागर आदि मौजूद रहे।

व्यापार मंडल संरक्षक गोपीराम का निधन

गोपीराम कंछल। (फाइल फोटो)

खटीमा: व्यापार मंडल संरक्षक और वरिष्ठ व्यापारी गोपी राम कंछल का दिल्ली के एम्स में चल रहे उपचार के दौरान सोमवार निधन हो गया है। उनके निधन से क्षेत्र में शोक व्याप्त है। संवेदना व्यक्त करने वालों की इनके घर पर भीड़ लगी है। व्यापार मंडल संरक्षक कंछल को 11 जनवरी सुबह नगर में एक सांड ने घायल कर दिया था। गंभीर अवस्था में उन्हें दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया था। जिन्होंने आज सुबह अंतिम सांस ली। मृतक व्यवसायी के शव को दिल्ली से खटीमा लाया जा रहा है । व्यापारी नेता के पुत्र प्रवीण कंछल ने बताया कि मंगलवार को उनका अंतिम संस्कार नगर के मुक्तिधाम में होगा।

उत्तराखंड में तीसरे विकल्प के रूप में उभरेगी आप: भारद्वाज

संवाददाता, दिनेशपुर

संवाद कार्यक्रम में मौजूद प्रदेश व जिला कोआर्डिनेशन कमेटी के सदस्य।

अमृत विचार: आम आदमी पार्टी के प्रदेश सह प्रभारी डॉ. युवराज भारद्वाज ने कहा कि 2027 में उत्तराखंड में आम आदमी पार्टी का परचम लहराएगा। उन्होंने कहा कि आप प्रदेश में तीसरे विकल्प के रूप में उभरेगी। आगामी विधान सभा चुनाव में प्रदेश की सभी सीटों पर प्रत्याशियों को पूरे दमखम से चुनाव लड़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही शीर्ष कमेटी द्वारा प्रदेश में अध्यक्ष की नियुक्ति की जाएगी। इस दौरान दर्जनों लोगों ने आप की सदस्यता ग्रहण की।

सोमवार को 65 विधानसभा गदरपुर के दिनेशपुर में आम आदमी पार्टी कार्यालय में प्रदेश व जिला कार्यकारिणी संवाद कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश सह प्रभारी डॉ. युवराज भारद्वाज की अध्यक्षता में हुई।कार्यक्रम में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान बंगाली समाज मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष सुभाष व्यापारी ने कहा कि उत्तराखंड की जनता बदलाव चाह रही है। उनका आरोप था कि भाजपा शासन में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है, वहीं बेरोजगार युवक रोजगार के लिए भटक रहे हैं। कार्यक्रम के अध्यक्षता पूर्व जिलाध्यक्ष जसपाल सिंह व संचालन सुरेंद्र गाबा ने किया। इस मौके पर देवेंद्र कौटिल्य, डीके पाल, श्याम बाबू पांडे, अब्दुल कादिर, श्यामलाल, धर्मेंद्र सिंह, शादाब आलम, जगतार सिंह बाजवा, दुष्यंत कुमार मौजूद रहे।

सिटी ब्रीफ

मारपीट के मामले में मुकदमा दर्ज

काशीपुर : सैनिक कॉलोनी चांदपुर निवासी युवराज ने पुलिस में तहरीर सौंपी। इसमें बताया कि उसकी जमीन के सामने गड्ढा बना हुआ है। इस गड्ढे में उसका भाई रवि शंकर गंदगी डालता है। जब वह उक्त गड्ढे को भरने लगा तो उसने अपने भाई से गंदगी नहीं करने को कहा। इस बात से नाराज होकर उसके भाई व उसके साले रोहन ने उसके साथ अभद्रता कर उसके साथ मारपीट की। इस दौरान हमलावरों ने उसकी पत्नी पर फावड़े से हमला कर दिया। शोर-शराबा होने पर मोहल्लेवासियों ने बीच-बचाव कराया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर दोनों आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

द डेन क्लब ने जीता क्रिकेट टूर्नामेंट

काशीपुर : सोमवार को द डेन क्रिकेट क्लब कुंडेश्वरी में मुंजाल क्रिकेट अकादमी रुद्रपुर और द डेन क्रिकेट क्लब के बीच क्रिकेट टूर्नामेंट खेला गया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी द डेन क्लब की टीम 38.3 ओवरों में 225 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंजाल अकादमी की टीम मात्र 69 रनों पर सिमट गई।

फिल्म फोरिया में दिखाई गई रचनात्मकता

आईआईएम में अग्नित्रय 12.0 का समापन, तीन दिनों तक चली प्रतिस्पर्धा, छात्रों को मिला सशक्त मंच

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर के वार्षिक प्रमुख महोत्सव अग्नित्रय 12.0 के 12वें संस्करण का तीन दिनों की गहन प्रतिस्पर्धा, सांस्कृतिक ऊर्जा और देशभर के प्रतिष्ठित संस्थानों की उत्साहपूर्ण भागीदारी के साथ भव्य समापन हुआ। 16 से 18 जनवरी तक आयोजित इस महोत्सव ने प्रबंधन, खेल और सांस्कृतिक उत्कृष्टता के उत्सव के रूप में छात्रों को एक सशक्त मंच प्रदान किया।

अग्नित्रय 12.0 के दूसरे दिन प्रबंधन, सांस्कृतिक एवं गैर-प्रबंधन श्रेणी के विविध आयोजनों का सघन कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रज्ञान, मार्काहोलिक और ऑपरेटियस'26 जैसी प्रबंधन प्रतियोगिताओं ने प्रतिभागियों की विश्लेषणात्मक एवं रणनीतिक क्षमताओं की परीक्षा ली, जबकि फिल्म फोरिया, कुरुक्षेत्र और अभिव्यक्ति जैसे आयोजनों ने

काशीपुर के आईआईएम में आयोजित प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागी। ● अमृत विचार

रचनात्मकता और नवाचार को प्रदर्शित किया। प्रमुख आकर्षण प्रसिद्ध गायक अर्जुन कंनगो की संगीतमय प्रस्तुति रही, जिसके बाद बीबीएक्स द्वारा आयोजित कॉम्प्लिमेंट्री डीजे नाइट ने परिसर को ऊर्जा और उत्साह से भर दिया।

एमडीआई ने पुरुष बैडमिंटन, पुरुष बास्केटबॉल और फुटसल में तीन खिताब जीतकर दिन की सबसे सफल टीम के रूप में उभरकर सामने आया। आईएमआई ने महिला बास्केटबॉल, महिला वॉलीबॉल और टेबल टेनिस में जीत दर्ज कर तीन खिताब अपने नाम किए। आईआईएम अमृतसर ने शतरंज और फ्रिसबी स्पर्धाओं में दो खिताब जीते, जबकि आईआईएम जम्मू ने आईआईएम अमृतसर को पराजित करते हुए क्रिकेट चैंपियनशिप अपने नाम की। आईआईएम काशीपुर ने आईएमआई को हराकर थ्रोबॉल का खिताब जीता, वहीं आईआईएम सिरमौर ने पुरुष वॉलीबॉल में आईआईएम अमृतसर के विरुद्ध विजय प्राप्त की। समग्र खेल तालिका में आईएमआई नई दिल्ली विजेता बनकर प्रथम ट्रॉफी अपने नाम करने में सफल रहा।

समापन संध्या पर एकल नृत्य प्रस्तुतियों और कुरुक्षेत्र (गैर-प्रबंधन आयोजन) सहित विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण वोग वॉयज (फैशन शो) रहा, जिसमें आईआईएम अमृतसर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि आईआईएम काशीपुर की टीमों ने द्वितीय और तृतीय स्थान हासिल किए। महोत्सव का समापन बीबीएक्स की कॉम्प्लिमेंट्री डीजे नाइट और इसके बाद डीजे रिह्या की ऊर्जावान प्रस्तुति के साथ उत्सवपूर्ण वातावरण में हुआ।

कार्यक्रम में आईआईएम काशीपुर, आईआईएम जम्मू, आईआईएम अमृतसर, आईआईएम सिरमौर, आईएमआई नई दिल्ली, एमडीआई गुरुग्राम और आईआईएफटी दिल्ली सहित विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों की सक्रिय भागीदारी रही।

शराब के नशे में युवकों ने की पड़ोसी से मारपीट

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: नगर की न्यू पहाड़ी कॉलोनी में देर रात हंगामा और मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर देकर पड़ोस में रहने वाले युवकों पर शराब के नशे में गाली-गलौज, मारपीट और दहशत फैलाने का आरोप लगाया है।

न्यू पहाड़ी कॉलोनी निवासी हरवंश तिवारी ने बताया कि उसके पड़ोस में रहने वाले एक व्यक्ति ने अपने घर के कमरे में एक महिला को किराये पर रखा हुआ है। आरोप है कि महिला की अनुपस्थिति में कुछ युवक उसके कमरे में आते-जाते रहते हैं।

पूछताछ करने पर महिला उन्हें अपने परिवार का सदस्य बताती है, लेकिन वही युवक आए दिन शराब के नशे में हंगामा और मारपीट करते हैं। पीड़ित का आरोप है कि 18 जनवरी की रात करीब 11:40 बजे युवक पूरे मोहल्ले में शोर-शराबा करते हुए आए और उसके घर का दरवाजा पीटने लगे। डर के कारण पीड़ित ने दरवाजा नहीं खोला। इसके बाद आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए दरवाजा खोलने का दबाव बनाया। मामले की सूचना पीड़ित ने डायल 112 पर दी, जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस को आता देख अधिकांश युवक फरार हो गए, जबकि एक युवक मौके पर मिला। पीड़ित का कहना है कि पुलिस ने मौके पर दरवाजे पर लगे पत्थरों और घटनास्थल के वीडियो भी बनाए। पीड़ित ने बताया कि वह वरिष्ठ नागरिक है और उसकी पत्नी व बच्चे उसी घर में रहते हैं, जिससे परिवार की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता बनी हुई है। पीड़ित ने पुलिस से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर जांच की जा रही है और तथ्यों के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

घर के अंदर ही बुजुर्ग का शव दफनाने की कोशिश, हंगामा

- तहसीलदार ने दिए कब्रिस्तान में शव दफनाने के आदेश

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार : एसडीएम अभय प्रताप सिंह को किसी व्यक्ति ने फोन पर सूचना दी कि मोहल्ला विजय नगर नई बस्ती में एक बुजुर्ग का शव उनके घर में दफनाने की परिवार व क्षेत्रवासी तैयारी कर रहे हैं। सूचना मिलते ही तहसीलदार पंकज चंदोला, कोतवाली प्रभारी हरेंद्र चौधरी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। जहां पर देखा परिजनों ने घर के अंदर ही कब्र खोद ली थी और उसको पक्का करने के लिए ईट-रेता-सीमेंट आदि मंगवा लिया था। पूछताछ में परिजनों ने बताया कि कारी अबरार नूरी (72) पुत्र सखावत हुसैन का बीते रविवार की रात को इंतकाल

काशीपुर में लोगों को समझाते पुलिस व तहसीलदार। ● अमृत विचार

हो गया था। बताया बीते बुधवार से उनकी तबियत खराब चल रही थी।

परिजन उनके शव को घर में सुपुर्दे खाक कर रहे हैं। तब तहसीलदार व कोतवाल ने परिजनों व मोहल्लेवासियों को समझाया कि कोई नई परंपरा को नहीं करा जाए। कहा शव को सुपुर्दे खाक करने के लिए कब्रिस्तान हैं, घर में इस तरह से सुपुर्दे खाक करना उचित व नियम विरुद्ध है। मोहल्ले में और भी परिवार व बच्चे रहते हैं ऐसे में इसका बुरा प्रभाव पड़ने का अंदेशा है। तब मौके पर मौजूद लोग प्रशासन और पुलिस की बात को मान गए और कब्रिस्तान में शव को सुपुर्दे खाक करने की तैयारी करने लगे।

महिला ने फांसी लगाकर दी जान

काशीपुर: कुंडेश्वरी पुलिस चौकी क्षेत्र के जैतपुर रोड निवासी साधना पत्नी अमन सिंह ने अज्ञात कारणों के चलते सोमवार की शाम लगभग चार बजे घर में पंखे के कुंडे में चुन्नी से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। जब परिजनों ने देखा तो घटना की सूचना कुंडेश्वरी पुलिस चौकी को दी। सूचना मिलने पर चौकी प्रभारी चंदन सिंह बिष्ट पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। वहीं तहसीलदार पंकज चंदोला, कोतवाली प्रभारी हरेंद्र चौधरी भी मौके पर पहुंच गए। इस दौरान परिजनों ने बताया कि लगभग दो साल पहले अमन सिंह की शादी बाजपुर के बन्नाखेड़ा निवासी साधना के साथ हुई थी। तहसीलदार चंदोला ने बताया कि सूचना मिलने पर बाजपुर बन्नाखेड़ा से परिजन भी मौके पर पहुंच गए थे। परिजनों ने पुलिस कार्रवाई करने से इंकार कर दिया। वह लोग पोस्टमार्टम कराने से मना करने लगे।

परिजनों ने एसआईटी जांच पर जताया भरोसा

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: आईटीआई थाना क्षेत्र के ग्राम पैगा निवासी मृतक किसान सुखवंत सिंह के 20 जनवरी को होने वाले प्रस्तावित भोग से एक दिन पहले सोमवार को मृतक के भाई परविंदर सिंह, भाकियू युवा विंग प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र सिंह जीतू, प्रधान संघ अध्यक्ष जसपाल सिंह जस्सी व पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष जगजीत सिंह हैप्पी ने पत्रकार वार्ता की। इस दौरान भाकियू नेता जीतू ने बताया कि शासन-प्रशासन की कार्रवाई से संतुष्ट होकर विभिन्न किसान संगठनों ने किसी भी तरह की आक्रामक कार्रवाई को स्थगित कर दिया है।

उन्होंने कहा कि यह निर्णय परिवार की रजामंदी व भावनाओं को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि घटना की गंभीरता को देखते हुए राज्य सरकार ने तत्काल कदम

काशीपुर में मृतक सुखवंत के घर पर प्रेसवार्ता करते परिजन। ● अमृत विचार

उठाते हुए एसआईटी व कुमाऊं कमिश्नर को मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए हैं और दोनों जांच दल ने अपने-अपने कार्य को करना शुरू कर दिया है। कहा कि एसआईटी की सक्रियता से यह तो स्पष्ट हो गया है कि इस मामले जांच सही दिशा में चल रही है। साथ ही उन्होंने कहा कि यदि इस मामले में भविष्य में जांच में कोई ढिलाई बरतने जैसी स्थिति लगती है, तब किसान संगठन आंदोलन करने संबंधी निर्णय पर फैसला लेगा। वहीं मृतक के भाई परविंदर सिंह ने मीडिया के सामने अपनी बात रखते हुए कहा कि एसआईटी की जांच और प्रदेश के मुख्यमंत्री पर उनको पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा जांच एजेंसी बहुत बारीकी और हर पहलू की जांच कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस घटनाक्रम की सच्चाई सामने आए और जो लोग इस मामले में दोषी हैं उनको सख्त सजा मिले। परविंदर सिंह ने कहा कि जांच एंजेसियां जिस गंभीरता के साथ अपना कार्य कर रही हैं। उससे उनके परिवार को न्याय मिलने की उम्मीद जगी है। बताते दें बीते कुछ दिन से परिवार की ओर से जांच को लेकर कई सवाल उठाए जा रहे थे।

जरूरतमंदों को कंबल वितरित करते चेयरमैन व सभासद।

नगर पंचायत ने बुजुर्गों और दिव्यांगों को बांटे कंबल

शक्तिफार्म : नगर पंचायत चेयरमैन सुमित मंडल ने बुजुर्गों, दिव्यांगों और विधवा महिलाओं को कंबल वितरित किया। इस दौरान नगर अध्यक्ष ने लोगों को नगर पंचायत में बीते एक साल में किए गए विकास कार्यों से अवगत कराया। भारत माता पार्क में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष सुमित मंडल ने कहा कि नगर में करीब 1200 जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किया है। इसके अलावा 8 दिव्यांगों को व्हीलचेयर वितरित किया है। उन्होंने कहा कि बीते एक साल में नगर में लाखों रुपए के विकास कार्यों को धरातल पर उतारा गया है। इसमें सीसी मार्ग, टाइल्स रोड, सिलीप निर्माण, लाइट, सीसीटीवी कैमरा सहित कई कार्य शामिल है। इस मौके पर अजय जायसवाल, संभू साना, सभासद सुनीता सरकार, विक्रम भंडारी, मीना देवी, सुबीर सरकार, गोविंद सरकार, शीला पोद्दार, देवाशीष पोद्दार, रामचंद्र राय, हर्षवर्धन सिंह उपस्थित थे।

ग्राम प्रधान को दी गई धमकी

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: विकास खंड बाजपुर के ग्राम गुमसानी में चल रहे विकास कार्यों में बाधा डालने और ग्राम प्रधान को जान से मारने की धमकी देने का गंभीर मामला सामने आया है। ग्राम प्रधान संघ ने इस संबंध में खंड विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर नाराजगी जताई है, वहीं ग्राम प्रधान की ओर से कोतवाली बाजपुर में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की गई है।

ग्राम पंचायत गुमसानी की महिला ग्राम प्रधान सना ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि ग्राम गुमसानी में मनरेगा योजना (अब विकसित भारत गारंटी रोजगार और अजीविका मिशन ग्रामीण अर्थात 'वीबी जी राम जी') के अंतर्गत सफाई कार्य कराया जा रहा था। आरोप है कि

खंड विकास अधिकारी शेखर जोशी ज्ञापन सौंपते ग्राम प्रधान संघ के जनप्रतिनिधि।

गांव के कुछ लोग इस कार्य में लगातार बाधा डाल रहे हैं। प्रधान के अनुसार 18 जनवरी को दोपहर करीब 12 बजे यह लोग अपने साथ तीन नकाबपोश व्यक्तियों को लेकर मौके पर पहुंचे। आरोप है कि उनके पास पिस्टल थी और उन्होंने मजदूरों को धमकाते हुए कहा कि यदि कार्य किया गया तो उन्हें गोली मार दी जाएगी। आरोप है कि उन्होंने रंगदारी की मांग करते हुए कार्य में हिस्सा न मिलने पर काम बंद कराने की धमकी दी। तहरीर में यह भी कहा गया है कि आरोपियों ने पिस्टल लहराकर मजदूरों को मौके से भगा दिया, जिससे विकास कार्य बीच में ही रुक गया। ग्राम प्रधान का आरोप है कि महिला होने के कारण उस पर दबाव बनाया जा रहा है।

अधिवक्ता राजवीर सिंह का निधन

जसपुर: जसपुर बार के पूर्व उपाध्यक्ष एवं पैनल अधिवक्ता राजवीर सिंह का सोमवार को निधन हो गया।

राजवीर। (फाइल)

उनके निधन पर बार एसोसिएशन ने शोक सभा कर विनम्र श्रद्धांजलि दी। मोहल्ला नत्था सिंह निवासी अधिवक्ता राजवीर सिंह लंबे समय से गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे। सोमवार को उनका निधन हो गया। वह बार पूर्व में एसोसिएशन उपाध्यक्ष एवं उप सचिव भी रह चुके हैं। वर्तमान में वह पैनल अधिवक्ता के तौर पर प्रैक्टिस कर रहे थे। बार अध्यक्ष सुंदरपाल सिंह, दिग्विजय सिंह, रवि चौधरी, अरविंद कुमार, प्रमोद रोहेला आदि ने शोक व्यक्त किया।

खटीमा में खंड विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपते ग्राम प्रधान संघ के पदाधिकारी।

ग्राम प्रधान संघ ने बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

खटीमा : ग्राम प्रधान संघ के पदाधिकारियों ने खंड विकास अधिकारी संजय कुमार गांधी को ज्ञापन सौंप कर ग्राम प्रधान संघ को बैठक आदि के लिए कार्यालय उपलब्ध कराने की मांग की है। ज्ञापन में कार्यालय के अभाव में ग्राम प्रधानों को बैठक आदि के लिए असुविधा होने की जानकारी दी है। खंड विकास अधिकारी गांधी को सौंपे ज्ञापन में मनजीत सिंह राणा ग्राम प्रधान सबौरा एवं अध्यक्ष ग्राम प्रधान संघ ने विकास खंड कैंपस में कार्यालय उपलब्ध कराने की मांग की है। बीडीओ गांधी को सौंपे ज्ञापन में ब्लॉक परिसर में खाली पड़े कक्षों में ग्राम प्रधानों को बैठने एवं बैठक आदि कार्यों के लिए कार्यालय उपलब्ध कराने की मांग की है। ज्ञापन में राखी राणा ग्राम प्रधान नौगगवाढंग्गू, मानसिंह राणा ग्राम प्रधान रतनपुर, सुमन राणा ग्राम प्रधान भड़ा भुड़िया, ब्रिज माधुरी राणा चांदा, लक्ष्मण सिंह भुडाई, संध्या बोरा बानूसी आदि मौजूद थे।

किसानों ने महापौर को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: आवास विकास के दर्जनों लोगों ने कोयले व सीमेंट की रैक उतारे जाने से हो रहे प्रदूषण के संबंध में वही क्षेत्र के 18 ग्राम प्रधानों के नेतृत्व में आए दर्जनों किसानों ने महापौर दीपक बाली को मुख्यमंत्री के नाम धान की फसल उगाने के संबंध में स्वीकृति देने हेतु ज्ञापन सौंपे। दोनों ही ज्ञापनों को महापौर ने मुख्यमंत्री से समस्याओं का निराकरण करने का निवेदन करते हुए उन्हें प्रेषित कर दिया।

वार्ड नंबर 17 के दर्जनों महिला पुरुष पार्षद पुष्कर बिष्ट के नेतृत्व में नगर निगम पहुंचे और वहां महापौर को दिए एक ज्ञापन में बताया कि काशीपुर रेलवे स्टेशन पर कोयले और सीमेंट की रैक उतरती है। उस दौरान तथा बाद में इस रैक के ठुलान के दौरान आसपास के क्षेत्र में काफी वायु प्रदूषण होता है।

काशीपुर में मेयर को ज्ञापन सौंपते किसान। ● अमृत विचार

महापौर दीपक बाली ने सभी कहा कि जब रैक उतारी जाएगी उस समय वे मौके पर जाकर उसका निरीक्षण करेंगे। महापौर ने ज्ञापन को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं प्रशासनिक अधिकारियों को प्रेषित कर दिया। ज्ञापन देने वालों में डॉक्टर डीबी सिंह, हेमंत भट्ट, प्रमोद कुमार पाल, पूनम गुप्ता, निर्मला, माया, सीमा, पूजा शर्मा, सोनाली भट्ट आदि थे। वहीं दूसरी ओर 18 ग्राम प्रधानों के नेतृत्व में आए दर्जनों किसानों ने मुख्यमंत्री के नाम दिए ज्ञापन में महापौर से कहा कि उन्हें मार्च माह में धान की फसल बोने की स्वीकृति प्रदान कराई जाए क्योंकि इस बार बरसात अधिक होने से किसानों को बहुत नुकसान हुआ है और उनकी फसल बेकार हो गई इसमें उन किसानों को ज्यादा नुकसान हुआ जिन्होंने बटाई पर जमीन ले रखी थी। अतः उन्हें मार्च माह में फसल बोने की स्वीकृति दी जाए।

खटीमा के सीमावर्ती क्षेत्र में वन्देमातरम् उत्सव में एसएसबी जवान।

सशस्त्र सीमा बल में 'वंदे मातरम्' की गूंज

खटीमा : राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ के पावन अवसर पर 57वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल द्वारा 19 से 26 जनवरी तक भव्य राष्ट्रगीत गायन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। 57वीं वाहिनी एसएसबी सितारगंज कमांडेंट मनोहर लाल के निर्देशन में सीमा चौकियों मेलाघाट, नारायण नगर और सीमलघाट के कार्यक्षेत्र में पूरे उत्साह और देशभक्ति के साथ संपन्न हो रहा है। 1875 में बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा उपन्यास आनंद मठ के लिए रचित 'वंदे मातरम्' को पहली बार 1896 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर ने स्वर दिया था। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान यह गीत भारतवासियों के लिए एक प्रेरणा-स्रोत बन गया। जिसने जन-जन में एकता, साहस और आज़ादी की लौ जलाई। सप्ताह के दौरान वाहिनी के जवानों ने ग्रामीणों एवं स्कूली बच्चों के साथ समवेत स्वर में पूरे सम्मान, ऊर्जा और जोश के साथ 'वंदे मातरम्' का सामूहिक गायन किया जाएगा। इस अवसर पर सहायक कमांडेंट जशो बंता, निरीक्षक मोहर सिंह, सुशील कुमार आदि मौजूद रहे।

नोजगे के तीन छात्र वॉलीबाल प्रतियोगिता के लिए चयनित

खटीमा, अमृत विचार: रुद्रपुर मे आयोजित खेल महाकुंभ के सांसद स्तरीय वॉलीबाल प्रतियोगिता के विजेता खिलाडियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें नोज़गे पब्लिक स्कूल के छात्र शिवांश चौहान, दिनेश कुमार और भरत सागर ने खटीमा विधानसभा की टीम से खेलते हुए उत्कृष्ट प्रर्दशन कर स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

तीनों चयनित खिलाडी आगामी राज्यस्तरीय मुख्यमंत्री चैम्पियनशिप वॉलीबाल प्रतियोगिता मे प्रतिभाग करेगें। प्रबंधिका ट्विंकल दत्ता सहित विद्यालय परिवार ने विजेता छात्रों सहित उनके वॉली-बाल कोच विवेक राना और शारिरिक शिक्षक रमेश रौतेला को भी शुभकामनाएं दी है। उन्होंने बच्चों के आगे भी जीतने की कामना की है।

काशीपुर में प्रेसवार्ता करते व्यापारी शक्ति अग्रवाल व पूर्व पालिकाध्यक्ष शमसुद्दीन।

व्यापारी शक्ति अग्रवाल व पूर्व पालिकाध्यक्ष के बीच हुआ समझौता

काशीपुर : व्यापारी शक्ति अग्रवाल व पूर्व पालिकाध्यक्ष शमसुद्दीन के बीच जमीन को लेकर चले आ रहे विवाद में अब समझौता हो गया है। दोनों पक्ष कोर्ट के आदेश को मानने के लिए तैयार हैं। सोमवार को बाजपुर रोड स्थित एक होटल में शक्ति अग्रवाल व पूर्व पालिकाध्यक्ष शमसुद्दीन ने प्रेस वार्ता की। जहां उन्होंने कहा कि उनका पिछले दिनों प्रतापपुर में स्थित भूमि को लेकर कुछ विवाद हो गया था। लेकिन अब आपसी सहमति बनने के बाद दोनों पक्षों का समझौता हो गया है। दोनों ही पक्ष अब एक दूसरे को लेकर कोई भी टीका टिप्पणी या विरोध नहीं करेंगे। वहीं दोनों पक्षों ने कोर्ट के द्वारा जो भी आदेश आएगा। उसको मानने के लिए अपनी स्वीकृति प्रदान की है। इस दौरान समाजसेवी गगन कंबोज, मोहम्मद अशरफ हुसैन समेत आदि मौजूद रहे।

ब्रीफ न्यूज

दमकल ने भैसोड़ा फार्म के पास जंगल में लगी आग को बुझाया

अल्मोड़ा : भैसोड़ा फार्म के आसपास जंगल क्षेत्र में आग लगने की सूचना मिलने पर फायर सर्विस यूनिट तत्काल मौके पर पहुंची। एमएफई से पंपिंग कर होज रील की सहायता से आग को पूरी तरह बुझाया गया, जिससे आग के फैलने से बचाव हो सका। वहीं, जेल कैंप के पास स्थित एक ट्रांसफार्मर में बिजली के तारों में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई। फायर सर्विस द्वारा त्वरित कार्रवाई कर आग को नियंत्रित किया गया, जिससे किसी बड़े हादसे की संभावना टल गई। इधर, चौघानपाटा क्षेत्र में कूड़ेदान में फंसे एक बैल को फायर सर्विस और कोतवाली अल्मोड़ा पुलिस की संयुक्त टीम ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया। फायर सर्विस की तत्परता की लोगों ने सराहना की।

सड़क किनारे खड़े वाहन में लगी आग

अल्मोड़ा : सोमेश्वर के ग्राम बैगनिया में सड़क किनारे खड़े एक वाहन मेंअचानक आग लग गई। इससे मौके पर हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों ने घटना की सूचना पुलिस व फायर सर्विस को दी। सूचना पर फायर टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। इस काम में स्थानीय लोगों ने भी सहयोग किया। वाहन में आग लगने की इस घटना में वाहन के भीतर रखा सामान जल गया, लेकिन किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। दमकल की तत्परता से बड़ा हादसा होने से चल गया।

कचरामुक्त व स्वच्छ होगा पिथौरागढ़

कूड़ा निस्तारण केंद्र का किया गया भूमि पूजन, कचरे से बनाई जाएगी जैविक खाद

संवाददाता, पिथौरागढ़

पिथौरागढ़ के नैनीपातल स्थित ट्रंचिंग ग्राउंड में कूड़ा निस्तारण केंद्र के लिए भूमि पूजन करते मेयर कल्पना देवलाल व अन्य।

अमृत विचारः पिथौरागढ़/नैनीपातल स्थित ट्रंचिंग ग्राउंड में सोमवार को मेयर कल्पना देवलाल, नगर आयुक्त और पार्षदों की मौजूदगी में कूड़ा निस्तारण के लिए ठोस नीति के तहत कूड़ा निस्तारण केंद्र, एमआरएफ सेन्टर की स्थापना के लिए निर्माण कार्य का विधिवत भूमि पूजन कर शुभारम्भ किया गया।

मेयर कल्पना देवलाल ने कहा कि पिथौरागढ़/नैनीपातल को कचरामुक्त और स्वच्छ बनाने की दिशा में यह योजना एक बड़ा बदलाव लायेगी जिससे इस क्षेत्र की जैव विविधता और प्राकृतिक नैसर्गिकर्ता बनी रहेगी। कूड़ा निस्तारण केन्द्र का मुख्य लक्ष्य से कचरे को एकत्र कर उसे वैज्ञानिक तरीके से अलग करना और उससे उपयोगी उत्पाद (जैसे जैविक खाद) बनाना है, जिससे गन्दगी और बीमारियों से छुटकारा मिले। पिथौरागढ़/नैनीपातल स्थित लीगेसी वेस्ट को खत्म कर इस क्षेत्र को कूड़ामुक्त बनाने का लक्ष्य है।

नगर आयुक्त डॉ. दीपक सैनी ने बताया कि पिथौरागढ़/नैनीपातल में स्थायी कूड़ा निस्तारण केंद्र स्थापित करने के लिए मुख्य सड़क से एमआरएफ ग्राउंड तक 171.79 लाख से सड़क निर्माण, एमआरएफ केंद्र की स्थापना एवं ट्रॉमल मशीन स्थापित की जाएगी। एमआरएफ सेन्टर, ट्रॉमल मशीन एवं अन्य आधुनिक उपकरण, सुरक्षा दीवार, स्थायी शैड का निर्माण 286.71 लाख रुपये से किया जा रहा है जिससे गीले और सूखे कचरे को अलग कर खाद बनाना और प्लास्टिक व अन्य ठोस कचरे का प्रबंधन करना शामिल है। इसमें गीले कचरे (सब्जी-फलों के छिलके) से खाद बनाना और सूखे कचरे (प्लास्टिक, लोहा) का अलग से प्रबंधन करना शामिल है।

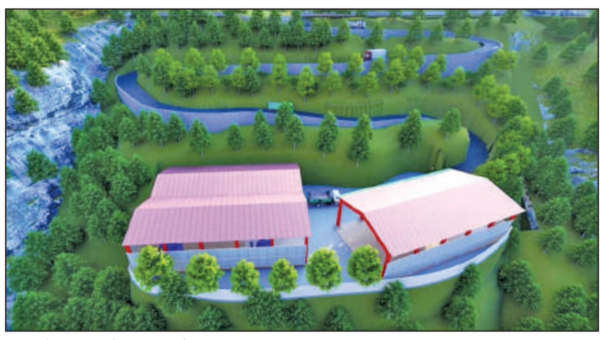

प्रस्तावित कूड़ा निस्तारण केंद्र का मॉडल।

इस दौरान अधिशासी अभियन्ता पंकज कुमार, पार्षद विक्रम वाल्मीकी, भूपेन्द्र कठायत, मोहित चौसाली, अवर अभियन्ता उमेश अवस्थी, कनिष्ठ अभियन्ता गिरीश जोशी, मानचित्राकार नन्दा बल्लभ पांडेय, जगदीश पांडेय, ललित मोहन कापड़ी, रितिक चन्द, सुरेश राम, लक्ष्मण चन्द मौजूद रहे।

विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटें : रुचि

बागेश्वरः भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष रुचि भट्ट चौहान के बागेश्वर पहुंचने पर महिला मोर्चा कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इस दौरान बैठक में रुचि ने आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों में जुटने का आह्वान किया।

पार्टी कार्यालय में आयोजित बैठक में प्रदेश अध्यक्ष रुचि भट्ट चौहान ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार राज्य के विकास के लिए लगातार कार्य कर रही हैं। महिलाओं की स्थिति को मजबूत करने के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने महिला मोर्चा के सदस्यों से सरकार की नीतियों और उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने के लिए सक्रिय रूप से कार्य करने को कहा।

महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री एवं कुमाऊं संयोजक रश्मि रस्तोगी ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत सुनिश्चित है। वहीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष रेखा गोस्वामी ने आगंतुकों का स्वागत किया और कहा कि जनपद में महिला मोर्चा अच्छा कार्य कर रहा है। बैठक में भाजपा की जिलाध्यक्ष प्रभा गढ़िया, विधायक पार्वती दास, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष बसंती देव व दीपा आर्या, उमा बिष्ट, जीवंती कांडपाल, सविता नगरकोटी, विमला कपकोटी, नीमा धपोला, हेमा धपोला, ज्योति नारायण रहे।

महिला अस्पताल में सीटी स्कैन सुविधा का उद्घाटन करते डीएम आशीष भटगाईं।

पिथौरागढ़ महिला अस्पताल को मिली सीटी स्कैन मशीन

संवाददाता, पिथौरागढ़

- **स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार डीएम भटगाईं ने किया उद्घाटन**

अमृत विचारः जिला मुख्यालय स्थित महिला अस्पताल में सोमवार को सीटी स्कैन मशीन का विधिवत शुभारम्भ जिलाधिकारी आशीष भटगाईं द्वारा फीता काटकर किया गया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि सीटी स्कैन सुविधा शुरू होने से अब जनपदवासियों को जांच के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा, जिससे समय पर सटीक जांच और बेहतर उपचार संभव हो सकेगा। यह अत्याधुनिक तकनीक से युक्त सीटी स्कैन मशीन है, जिससे गंभीर एवं जटिल बीमारियों की त्वरित और सटीक जांच की जा सकेगी। इससे मरीजों को न केवल बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी, बल्कि आर्थिक बोझ में भी उल्लेखनीय कमी आएगी।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एस.एस. नबियाल ने जानकारी दी कि अब महिला अस्पताल में ही दुर्घटना, सिर, पेट एवं अन्य आंतरिक रोगों की जांच की सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने बताया कि मशीन के संचालन हेतु प्रशिक्षित तकनीशियनों की व्यवस्था भी सुनिश्चित कर दी गई है। वर्तमान में जनपद में एक सीटी स्कैन मशीन जिला बेस अस्पताल में पहले से संचालित है। इस अवसर पर प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. भागीरथी गर्ब्याल, अस्पताल के चिकित्सक, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

जनता मिलन में दर्ज हुईं 127 शिकायतें, निस्तारण के निर्देश

संवाददाता,टनकपुर/ चम्पावत

- **डीएम मनीष कुमार ने सुनीं लोगों की समस्याएं**

अमृत विचार : सोमवार को जिलाधिकारी मनीष कुमार की अध्यक्षता में जिला सभागार, चम्पावत में जनता मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों द्वारा 127 शिकायतें दर्ज कराई गईं। डीएम ने सभी शिकायतों का गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों को समयसीमा के भीतर निस्तारण के निर्देश दिए।

ग्राम ढकना बडोला हेमा देवी की पशु बीमा क्लेम न मिलने की शिकायत, ग्राम डुंगरासेठी के बसंत चौधरी की बहन के आधार कार्ड एवं दिव्यांगता प्रमाण पत्र संबंधी,ग्राम चौड़ा ख्याली की पुष्पा जोशी की राशन कार्ड एवं आयुष्मान कार्ड बनवाने की मांग, ग्राम कोयाटी के रोशन राम की रोजगार संबंधी मांग, ग्राम कलीगांव, लोहाघाट दीक्षा राय की आर्थिक सहायता की मांग,मादली, चम्पावत के शंकर सिंह खाती की अत्यधिक विद्युत बिल की शिकायत,ग्राम रमैला की भवानी देवी की श्रम कार्ड बनाने, ग्राम किमतोली की कलावती देवी की मकान के लिए आर्थिक सहायता, ग्राम फुंगर की जानकी जोशी की भूमि पर डंपिंग जोन बनाए जाने की शिकायत, अमोड़ी के केशब दत्त भट्ट की मुआवजा राशि की मांग के अलावा कविता देवी, बबीता देवी, कविता पांडेय, आनंदी देवी, पुष्पा देवी, बलदेव सिंह, दीवान सिंह भंडारी, अनिल कुमार, ललित भट्ट सहित अन्य शिकायतकर्ताओं की समस्याएं भी दर्ज की गईं। शिकायतों का शीघ्र निराकरण करने की मांग की। जनता मिलन कार्यक्रम में सीडीओ डॉ. जीएस खाती, एडीएम कृष्णनाथ गोस्वामी, एसडीएम सदर अनुराग आर्या, वरिष्ठ कोषाधिकारी सीमा बंगवाल, जिला विकास अधिकारी दिनेश सिंह दिगारी, सीएमओ डॉ. देवेश चौहान सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं फरियादी मौजूद रहे।

ओपन पुरुष क्रिकेट प्रतियोगिता 27 से

नैनीतालः 77वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में खेल निदेशालय उत्तराखंड, देहरादून के तत्वावधान में जिला प्रशासन एवं जिला खेल कार्यालय हल्द्वानी द्वारा नैनीताल लोकल ओपन पुरुष क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता 27 जनवरी से 14 फरवरी तक फ्लैट्स मैदान, नैनीताल में आयोजित होगी। प्रतियोगिता में नैनीताल लोकल की कुल 32 टीमें प्रतिभाग करेंगी। टीमों को पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर निःशुल्क प्रवेश दिया जाएगा। खेल विभाग के मानकों के अनुरूप प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों को पुरस्कार, खेल उपकरण, आदि सुविधाएं दी जाएंगी। प्रवेश की अंतिम तिथि 24 जनवरी, शाम 5 बजे तक है।

थाने में माघ खिचड़ी, जनसमस्याएं सुनीं

संवाददाता, अल्मोड़ा

- **सीओ अल्मोड़ा ने थाना लमगड़ा का किया अर्द्धवार्षिक निरीक्षण**
- **अधीनस्थों को विवेचनाओं के निस्तारण के दिये निर्देश**

थाना लमगड़ा का निरीक्षण करते सीओ गोपाल दत्त जोशी। ● अमृत विचार

अमृत विचारः सीओ गोपाल दत्त जोशी ने थाना लमगड़ा का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विवेचकों का आदेश कक्ष लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। लंबित विवेचनाओं, शिकायती प्रार्थना पत्रों की जांच, वारंटो की तामीली व निरोधात्मक कार्रवाई आदि की समीक्षा की गई।

निरीक्षण के दौरान थाना व सीसीटीएनएस कार्यालय, मालखाना, कर्मचारी बैरिक एवं भोजनालय आदि का निरीक्षण कर सभी व्यवस्थाओं को जांचा परखा गया। थाने के समस्त अभिलेखों का गहनता से निरीक्षण कर सभी प्रविष्टियां चेक की गई। कार्यालय कर्मचारियों को अभिलेखों को अध्यावधिक रखने एवं रखरखाव सही रखने हेतु निर्देशित किया गया। सीसीटीएनएस कार्यो को चेक करते हुए नियुक्त कार्मिकों से ऑनलाइन जीडी सहित आईआईएफ फार्मों को ससमय से फीड करने तथा सभी पोर्टलों को निरंतर चेक कर ससमय कार्यवाही करने के निर्देश दिए। लंबित विवेचनाओं व शिकायती प्रार्थना पत्रों का शीघ्र निस्तारण करने, वारंटों की शत प्रतिशत तामीली करने तथा थाने के लंबित मालों व मुकदमाती वाहनों की के शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए गए।

थाने में आने वाले आगंतुको व शिकायतकर्ता के साथ शालीनतापूर्वक व्यवहार करते हुए समस्याओं का निराकरण करने के लिए निर्देशित किया गया। इस दौरान थाना क्षेत्र के सीएलजी मेंबर, वार्ड मेंबर, व्यापार मंडल, सीनियर सिटीजन, पुलिस पेंशनर व स्थानीय गणमान्य व्यक्ति के साथ माघ खिचड़ी को भोग कर साथ साथ पुलिस से संबंधित समस्याओं के बारे में जानकारी ली, जिस पर स्थानीय नागरिकों ने अपनी समस्याएं और सुझाव पुलिस के समक्ष रखे, समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया गया। निरीक्षण के दौरान थानाध्यक्ष प्रमोद पाठक, चौकी प्रभारी मोरनौला नरेश कोहली, धर्मेंद्र कुमार यादव आदि मौजूद रहे।

एक बार फिर टल गए छावनी बोर्डों के चुनाव

संवाददाता, रानीखेत

अमृत विचारः छावनी बोर्ड के चुनाव एक बार फिर टल गए हैं। रक्षा मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी अधिसूचना के अनुसार, जिन छावनी बोर्डों का कार्यकाल 10 फरवरी 2026 को समाप्त हो रहा है, उनका कार्यकाल एक वर्ष अथवा नए बोर्डों के गठन तक बढ़ा दिया गया है।

ज्ञात हो कि रानीखेत सहित देश के कुल 56 छावनी बोर्डों का कार्यकाल 10 फरवरी 2026 को समाप्त होना है। ऐसे में रक्षा मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि इन बोर्डों का कार्यकाल एक वर्ष या फिर तब तक बढ़ाया जाएगा, जब तक कि छावनी बोर्डों का गठन संबंधित अधिनियम की धारा 12 के तहत नहीं कर लिया जाता। गौरतलब है कि लंबे समय से छावनी बोर्डों के भंग होने के बाद प्रशासनिक व्यवस्था कमांड अथॉरिटी के अधीन संचालित हो रही है। नए चुनाव होने तक छावनी क्षेत्रों का संचालन प्रशासक के रूप में बोर्ड अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) द्वारा किया जाता है, जबकि केवल एक मनोनीत पार्षद की व्यवस्था रहती है। चुनावों में लगातार हो रही देरी और प्रशासनिक बदलावों के चलते छावनी क्षेत्रों में पेयजल, बिजली, सफाई जैसी बुनियादी सुविधाओं को लेकर नागरिकों में असंतोष और अनिश्चितता बनी हुई है। नागरिकों में बीते एक से डेढ़ वर्ष से छावनी बोर्डों के पुनर्गठन और चुनाव को लेकर उम्मीदें बनी हुई थीं, जो एक बार फिर टूटती नजर आ रही हैं।

जरूरतमंदों को बांटे रजाई-कंबल

संवाददाता, रानीखेत

अमृत विचारः भीषण ठंड के बीच आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से उत्तराखंड राज्य सलाहकार श्रम संविदा बोर्ड के अध्यक्ष (राज्यमंत्री दर्जा) कैलाश पंत ने रानीखेत में कैंप लगाकर जरूरतमंदों को रजाई व कंबल वितरित किए। उन्होंने कहा कि स्थानीय श्रमिक वर्ग और निर्धन परिवारों का विशेष ध्यान रखा जा रहा है तथा यह अभियान सर्दी समाप्त होने तक क्षेत्रवार चलाया जाएगा।

अपने जनसेवा अभियान की शुरुआत राज्यमंत्री कैलाश पंत ने मिशन इंटर कॉलेज परिसर से की, जहां 45 गरीब परिवारों को रजाइयां और कंबल वितरित किए गए। इसके बाद सरस्वती शिशु मंदिर प्रांगण में शिविर लगाकर 22 आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को राहत सामग्री प्रदान की गई। बच्चों की मांग पर कुछ को क्रिकेट किट भी वितरित की गई। राज्यमंत्री कैलाश पंत ने कहा कि असहनीय ठंड में किसी भी निर्धन परिवार को कठिनाइयों का सामना न करना पड़े, इसी उद्देश्य से यह निस्वार्थ सेवा अभियान शुरू किया गया है।

रानीखेत में राज्य मंत्री कैलाश पंत कंबल रजाई बांटते हुए।

शिविर में वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश पंत, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश मंत्री विमला रावत, मिशन इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य हेमंत अग्रवाल, सेवानिवृत्त प्रधानाचार्या उमा रावत, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष दीप भगत, जिला महामंत्री सुनीता डाबर, महेश उप्रेती, पूर्व भाजयुमो जिला अध्यक्ष कैलाश बिष्ट, रेखा आर्या, अनु सोनकर, मीना वर्मा, देवेश खुल्बे, संदीप खुल्बे, सोनम आर्या, शीला मेहता, लोकेश कुमार का विशेष सहयोग रहा।

21.49 ग्राम स्मैक के साथ दो लोग गिरफ्तार

अल्मोड़ाः ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन के तहत अल्मोड़ा पुलिस टीम ने नगर के विभिन्न स्थानों पर चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान टीम ने लोधिया के पास दीपक मेहता पुत्र मोहन सिंह निवासी गंगोला मोहल्ला बांस गली व हर्षित भंडारी पुत्र नीरज भंडारी निवासी थपलिया बद्रेश्वर वार्ड के कब्जे से 21.49 ग्राम स्मैक बरामद की।

बरामद स्मैक की कीमत करीब 6 लाख 44 हजार 700 रुपये आंकी गई। पुलिस ने स्मैक को सील कर एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर दो युवकों को गिरफ्तार किया। कोतवाल योगेश चंद्र उपाध्याय ने बताया कि आरोपी दीपक मेहता पूर्व में भी एनडीपीएस एक्ट के तहत जेल जा चुका है। गिरफ्तारी टीम प्रभारी चौकी धारानौला आनंद बल्लभ कश्मीरा, आरक्षी सुंदर लाल, राजेश भट्ट, हरीश प्रसाद, राकेश भट्ट रहे।

विजेता टीम को ट्रॉफी देकर सम्मानित करते मुख्य अतिथि।

शिव शक्ति क्रिकेट टूर्नामेंट का विजेता बना रॉयल राजपूत

अल्मोड़ा : शिव शक्ति क्रिकेट टूर्नामेंट की ट्रॉफी रॉयल राजपूत ने शानदार प्रदर्शन कर अपने नाम कर ली। फाइनल में रॉयल राजपूत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 15 ओवर में 146 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी वीआईपी बॉयज की टीम 15 ओवर में 118 रन ही बना सकी। प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि पूर्व दर्जा मंत्री बिट्टू कर्नाटक रहे। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। मौके पर बिट्टू कर्नाटक ने कहा कि खेल युवाओं को मानसिक व शारीरिक रूप से स्वस्थ रखने के साथ ही नशे जैसी बुराइयों से दूर रखते हैं। संसाधनों के अभाव में खेलों से दूर हो रहे युवाओं से संपर्क करने की अपील करते हुए उन्होंने क्रिकेट, वॉलीबॉल और फुटबॉल की किट उपलब्ध कराने की बात कही। यहां भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष रवि रौतेला, पूर्व जिपं सदस्य खत्याड़ी आनंद सिंह कनवाल, जिपं सदस्य गोलना करड़िया प्रेम लटवाल, नगर अध्यक्ष भाजपा विनीत बिष्ट, छात्र संघ कोषाध्यक्ष विनय कनवाल, किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष हरीश कनवाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

अच्छी खबर | एनएच– 9 के सुधार व रखरखाव के लिए केंद्र से मिली 70 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति

बेलखेत से घाट तक एनएच का होगा कायाकल्प

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचारः मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दूरदर्शी नेतृत्व में जनपद चम्पावत में सड़क परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़, सुरक्षित और आधुनिक बनाने की दिशा में निरंतर प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग-09 के अंतर्गत पीबीएमसी योजना के तहत इम्प्रूवमेंट एवं मेंटेनेंस कार्यों के लिए 70 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

इस स्वीकृति के तहत जनपद चम्पावत में बेलखेत से घाट तक राष्ट्रीय राजमार्ग खंड पर व्यापक स्तर पर सड़क सुधार, सुरक्षा एवं रखरखाव से जुड़े कार्य किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

इससे क्षेत्रवासियों को सुरक्षित, सुगम और बेहतर यातायात सुविधाएं उपलब्ध होंगी। अधिशासी अभियंता, राष्ट्रीय राजमार्ग दीपक जोशी ने बताया कि परियोजना के अंतर्गत सड़क की गुणवत्ता और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए उच्च गुणवत्ता से डामरीकरण एवं सतह सुधार कार्य किए जाएंगे। साथ ही दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए क्रैश बैरियर, पैरापेट एवं सुरक्षा दीवारों का निर्माण किया जाएगा। रात्रिकालीन दृश्यता बढ़ाने के लिए कैट आईज और डेलीनीटर लगाए जाएंगे। इसके अतिरिक्त जल निकासी व्यवस्था को मजबूत करने के लिए नालियों की सफाई, छोटे पुलों एवं कलवर्ट की मरम्मत, सड़क किनारे सुरक्षा संकेतक लगाने सहित अन्य संरचनात्मक सुधार कार्य भी किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि परियोजना के लिए निविदा आमंत्रण एवं अनुबंध की प्रक्रिया चल रही है। टेंडर प्रक्रिया पूर्ण होते ही निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ कर दिए जाएंगे। परियोजना के पूर्ण होने के बाद सड़क की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार होगा, दुर्घटनाओं में कमी आएगी, यातायात सुगम होगा तथा पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। साथ ही स्थानीय लोगों को बेहतर आवागमन सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके साथ ही पर्यटकों को भी राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में यह पहल जनपद चम्पावत के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है, जिससे क्षेत्र की कनेक्टिविटी और अधिक मजबूत होगी।

भवाली में पलटी कार, बचे सवार

भवाली : हल्द्वानी-अल्मोड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर भवाली के टीकापुर के पास एक कार बीच सड़क पर पलट गई। घटना में सौभाग्यवश कोई जनहानि नहीं हुई।

हादसे के समय सड़क पर दोनों तरफ वाहन चल रहे थे, जिससे थोड़ी देर के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों और मौके पर मौजूद व्यक्तियों के सहयोग से कार को सीधा किया गया और कार में सवार लोगों को सकुशल बाहर निकाला गया। बताया जा रहा है कि कार अल्मोड़ा की ओर जा रही थी। हादसे के कारण थोड़ी देर के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात प्रभावित रहा, लेकिन किसी बड़े नुकसान या चोट की सूचना नहीं मिली।

डीएम के प्रयास से बारह साल बाद विज्ञान संकाय भवन का हस्तांतरण

संवाददाता, बागेश्वर

- **मैग्नेसाइट के बाद महाविद्यालय परिसर का मामला भी सुलझा**

अमृत विचारः जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे द्वारा जनपद में वर्षों से लंबित और जटिल मामलों का समाधान किया जा रहा है। अल्मोड़ा मैग्नेसाइट के कर्मचारियों के वेतन व अन्य भत्तों का मामला सुलझाने के बाद अब उन्होंने पंडित बीडी पांडे महाविद्यालय परिसर में लंबे समय से लंबित विज्ञान संकाय भवन के हस्तांतरण का मामला भी निपटा दिया है।

जिलाधिकारी के सख्त निर्देशों के बाद कार्यदायी संस्था सीएनडीएस ने लगभग 12 वर्ष बाद विज्ञान संकाय भवन को आधिकारिक रूप से महाविद्यालय परिसर प्रशासन को सौंप दिया है। उल्लेखनीय है कि विज्ञान संकाय भवन का निर्माण वर्ष 2013 में लगभग 183.35 लाख रुपये की लागत से पूर्ण हो चुका था, लेकिन तकनीकी औपचारिकताओं के कारण इसका हस्तांतरण लंबे समय तक लंबित रहा। भवन तैयार होने के बावजूद उपयोग में न आ पाने से छात्र लगातार इसकी मांग कर रहे थे और कई बार आंदोलन भी कर चुके थे।

मामला जिलाधिकारी के संज्ञान में आने के बाद उन्होंने संबंधित फाइल तलब कर अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए, जिसके बाद भवन हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी की गई। भवन हस्तांतरण के बाद अब विद्यार्थियों को अतिरिक्त कक्षाओं की सुविधा मिलेगी। इससे परिसर में कक्षाओं की कमी दूर होगी और पठन-पाठन के लिए बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हो सकेगा। इस अवसर पर जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने कहा कि परिसर से जुड़ी अन्य किसी भी कमी या शिकायत की विस्तृत जांच कराई जाएगी, ताकि छात्रों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

अमृत विचार

मंगलवार, 20 जनवरी 2026

प्रेम का मार्ग कोई उम्मीद न रखने का मार्ग है। प्यार तभी मौजूद होता है, जब पूर्ण स्वीकृति हो और कुछ भी बदलने की कोई इच्छा ना हो।
-ओशो, विचारक

महत्वाकांक्षा और चुनौतियां

उत्तर प्रदेश हेल्थ केयर और मेडिकल टेक्नोलॉजी का हब बनने की ओर है, मुख्यमंत्री का दावा पिछले एक दशक में इस क्षेत्र में किए गए ठोस प्रयासों और ठोस नीतिगत पहलों पर आधारित है। हालांकि देश के सर्वाधिक आबादी वाले राज्य के लिए यह लक्ष्य महत्वाकांक्षी होने के साथ चुनौतीपूर्ण भी है। पिछले दस वर्षों में उत्तर प्रदेश ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से करोड़ों परिवारों को सार्वभौमिक स्वास्थ्य बीमा का लाभ मिला। एम्स और तमाम नए अस्पताल शुरू हुए, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार, टीकाकरण कवरेज का विस्तार और स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय निर्माण ने मृत्यु दर घटाने में मदद की है। आज नीति आयोग के स्वास्थ्य सूचकांक में राज्य का सातवें स्थान पर पहुंचना इन्हीं सुधारों को दर्शाता है। हालांकि आगे चुनौतियां भी कम नहीं हैं। जनसंख्या का दबाव, डॉक्टरों व नर्सों की कमी, क्षेत्रीय असंतुलन व ग्रामीण गरीबी। इनसे निपटने के लिए मेडिकल व पैरामेडिकल शिक्षा का विस्तार, ग्रामीण सेवा को प्रोत्साहन, दवा व उपकरणों की सस्ती उपलब्धता और समुदाय आधारित स्वास्थ्य जागरूकता अभियानों को अभी और मजबूत करना होगा। संक्रामक और गैर-संक्रामक रोगों के दोहरे बोझ से निपटने के लिए एक उत्तरदायी, डेटा-आधारित और समावेशी स्वास्थ्य प्रणाली अभी निर्माणाधीन अवस्था में ही है। ऐसे में भविष्य की ओर देखें तो सरकार की योजनाएं स्वास्थ्य सेवाओं, मेडिकल रिसर्च और तकनीक को एक साथ आगे बढ़ाने पर केंद्रित होनी चाहिए। मेडिकल डिवाइस पार्क और बल्क ड्रग फार्मा पार्क की स्थापना से दवाइयों और मेडिकल उपकरणों के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा, आयात पर निर्भरता घटेगी, रोजगार और निवेश के अवसर भी सृजित होंगे।

मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ाना, पीपीपी मॉडल पर सुपर स्पेशिएलिटी अस्पतालों को प्रोत्साहन देना और हेल्थ स्टार्टअप्स के लिए अनुकूल वातावरण बनाना भी इसी रणनीति का हिस्सा है। यूपी-आईएमआरएएस जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म से क्लीनिकल ट्रायल व मेडिकल रिसर्च से जुड़े अनुमोदनों को सरल, पारदर्शी और तेज बना है और शोधकर्ताओं और डॉक्टरों को नौकरशाही बाधाओं से राहत मिली तथा निवेशकों को समयबद्ध और भरोसेमंद प्रक्रियाएं भी। यह प्लेटफॉर्म उत्तर प्रदेश को रिसर्च-फ्रेंडली राज्य बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। डिजिटल हेल्थ के क्षेत्र में भी प्रगति उल्लेखनीय है। हालांकि इनसे जुड़ी पहलों का लाभ दूरदराज ग्रामीण क्षेत्रों तक समान रूप से पहुंचना अभी बाकी है। सूबा अपने सकल घरेलू उत्पाद का लगभग डेढ़ प्रतिशत स्वास्थ्य पर व्यय करता है, यह कम है। इसे कम से कम 2.5 प्रतिशत तक बढ़ाना आवश्यक है। प्रति व्यक्ति स्वास्थ्य व्यय भी अभी अपेक्षाकृत कम है, बुनियादी ढांचे, मानव संसाधन और प्राथमिक स्वास्थ्य पर निवेश बढ़ाकर इसे सुधारा जा सकता है। यदि प्रदेश को अपने प्रतिद्वंद्वी राज्यों से प्रतिस्पर्धा करनी है, तो गुणवत्ता और समानता विशेष ध्यान देना होगा। हेल्थ केयर और मेडिकल टेक्नोलॉजी का हब बनने से आम जनता को बेहतर, सस्ती और सुलभ सेवाएं मिलेंगी और यही किसी भी स्वास्थ्य नीति की अंतिम कसौटी है। फिलहाल रणनीतिक योजनाओं और मुख्यमंत्री की राजनीतिक इच्छाशक्ति से सूबा इस लक्ष्य के करीब पहुंचता दिखता है।

प्रसंगवश

बेघरपन: विकास की छाया में छिपा संकट

दुनिया में बेघर लोगों की स्थिति पर रिपोर्ट जारी करने वाली ओईसीडी के अनुसार, सबसे अधिक बेघर लोगों वाला देश पाकिस्तान है, जहां लगभग 80 लाख से अधिक लोग बिना किसी स्थाई आश्रय के जीवन जी रहे हैं। इस सूची में सीरिया 53 लाख बेघर लोगों के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि बांग्लादेश 50 लाख बेघर लोगों के साथ तीसरे स्थान पर है। चीन 25.79 लाख बेघर लोगों के साथ नौवें स्थान पर है और नेपाल 25 लाख बेघर लोगों के साथ दसवें स्थान पर। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे विकसित देशों का भी इस सूची में शामिल होना यह दर्शाता है कि आवास की समस्या केवल विकासशील देशों तक सीमित नहीं, बल्कि एक वैश्विक चुनौती बन चुकी है। भारत की आबादी 140 करोड़ से अधिक होने के बावजूद बेघर लोगों की संख्या लगभग 17.70 लाख बताई गई है।

भारत की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर मानी जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार भारत 17.70 लाख बेघर लोगों के साथ दुनिया में 13 वें स्थान पर हैं। इसका एक बड़ा कारण प्रधानमंत्री आवास योजना

अमित बैजनाथ गर्ग
वरिष्ठ पत्रकार

(पीएमएवाई) है, जिसके तहत करोड़ों परिवारों को पक्का घर उपलब्ध कराया गया है। इस योजना ने बेघरपन को कम करने में अहम भूमिका निभाई है। इसके अलावा स्थिर आर्थिक वृद्धि ने लोगों की क्रय-शक्ति बढ़ाई है, जिससे वे छोटे घर खरीदने या किराए पर लेने में सक्षम हुए हैं। ग्रामीण रोजगार गारंटी जैसी योजनाओं ने ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन को भी काफी हद तक रोका है। साथ ही भारत की पारंपरिक संयुक्त परिवार व्यवस्था भी आर्थिक संकट के समय लोगों को सहारा देती रही है। केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी द्वारा राज्यसभा में दिए गए आंकड़ों के अनुसार, भारत में कुल 17.73 लाख बेघर लोग हैं, जिनमें 9.38 लाख शहरी और 8.34 लाख ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं। शहरी क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक 1.80 लाख बेघर लोग हैं, इसके बाद महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और गुजरात का स्थान आता है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी उत्तर प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र में बेघर लोगों की संख्या अधिक है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की बात करें तो 2001 की जनगणना में यहां 24,966 बेघर लोग दर्ज किए गए थे, जो 2011 में बढ़कर 46,724 हो गए। गैर सरकारी संगठनों का दावा है कि वर्तमान में दिल्ली में 1.50 लाख से अधिक बेघर लोग रह रहे हैं, जिनकी पूरी गिनती अब तक संभव नहीं हो पाई है।

बेघर लोगों की स्थिति अत्यंत दयनीय और असुरक्षित होती है। उन्हें भोजन, आश्रय, स्वच्छ पानी, स्वास्थ्य सेवाओं और सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ता है। महिलाओं और बच्चों के लिए यह स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है। पहचान पत्रों के अभाव में वे सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं उठा पाते और गरीबी के दुष्चक्र में फंसे रहते हैं। बेघर होना मूल रूप से पर्याप्त आवास के मानवाधिकार का उल्लंघन है। इस समस्या से निपटने के लिए सरकारों को निर्णायक भूमिका निभानी होगी। किफायती आवास का निर्माण, रैन बसेरों की संख्या बढ़ाना और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को प्रभावी बनाना आवश्यक है। साथ ही आम नागरिक भी बेघर लोगों की मदद कर सकते हैं। भोजन, कपड़े, स्वच्छता सामग्री देना, आश्रयों में सेवा करना और जागरूकता फैलाना इसमें शामिल है। स्थानीय प्रशासन और सहायता समूहों से जुड़कर सहयोग करना भी उपयोगी साबित हो सकता है। छोटे-छोटे प्रयास मिलकर बड़ा बदलाव ला सकते हैं। सम्मान और संवेदना के साथ की गई सहायता बेघर लोगों को गरिमापूर्ण जीवन की ओर ले जा सकती है। हमारा थोड़ा सा सहयोग उनकी सबसे बड़ी जरूरत बन सकता है और यही एक संवेदनशील समाज की पहचान है।

बैंकों में एफडीआई की नीति: अवसर और आशंकाएं

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

भारत सरकार एक बड़ा और रणनीतिक कदम उठाने की तैयारी में है, जिसके तहत वह सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (Public Sector Banks-PSBs) में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (FDI) की सीमा 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 49 प्रतिशत करने पर विचार कर रही है। यह प्रस्ताव न केवल बैंकिंग सेक्टर, बल्कि संपूर्ण भारतीय वित्तीय प्रणाली के लिए परिवर्तनकारी साबित हो सकता है।

कोविड-19 के बाद भारतीय बैंकिंग सेक्टर ने तेजी से सुधार दिखाया है। सरकारी बैंकों का NPA स्तर ऐतिहासिक न्यूनतम पर है, क्रेडिट ग्रोथ 15 प्रतिशत से ऊपर जा चुकी है और मुनाफा पिछले कई वर्षों के मुकाबले बेहतर है, लेकिन इसके बावजूद PSBs को पूंजी की कमी, कम रिटर्न ऑन इक्विटी और तकनीकी प्रतिस्पर्धा की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। निजी क्षेत्र के बैंक तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, जबकि सरकारी बैंक पूंजी जुटाने में पिछड़ जाते हैं। ऐसे में सरकार का यह फैसला विदेशी निवेश को आकर्षित करने और PSBs को मजबूत पूंजी ढांचा देने की दिशा में एक स्वाभाविक कदम माना जा रहा है।

सरकार के प्रस्ताव के तहत FDI सीमा को 49 प्रतिशत तक बढ़ाने की योजना है, लेकिन सरकार अपनी 51 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी बनाए रखेगी ताकि बैंकों पर नियंत्रण उसके पास ही रहे। यानी यह पूर्ण निजीकरण नहीं, बल्कि आंशिक उदारीकरण है। इस कदम से विदेशी निवेशक सीधे PSBs में हिस्सेदारी ले सकेंगे, जिससे बैंक की पूंजी पर्याप्तता (Capital Adequacy Ratio) में सुधार होगा और वे बड़े ऋण देने में सक्षम बन सकेंगे। सरकार का मानना है कि विदेशी निवेश से न केवल पूंजी आएगी, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय अनुभव, बेहतर प्रबंधन प्रथाएं और नई तकनीकें भी आएंगी, जो सरकारी बैंकों की कार्यक्षमता को सुधारेंगी। हालांकि इस कदम पर सवाल भी उठ रहे हैं। कई विशेषज्ञों का मानना है कि विदेशी निवेश की सीमा बढ़ाना कहीं न कहीं PSBs के सार्वजनिक स्वरूप को कमजोर कर सकता है। सरकारी बैंक सिर्फ लाभ कमाने के लिए नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने के लिए भी जाने जाते हैं, जैसे ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराना, जनधन योजनाएं लागू करना या कृषि ऋण देना।

> सरकार के प्रस्ताव के तहत FDI सीमा को 49 प्रतिशत तक बढ़ाने की योजना है, लेकिन सरकार अपनी 51 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी बनाए रखेगी ताकि बैंकों पर नियंत्रण उसके पास ही रहे। यानी यह पूर्ण निजीकरण नहीं, बल्कि आंशिक उदारीकरण है।

यदि विदेशी निवेशक बड़ी हिस्सेदारी रखते हैं, तो वे लाभ केंद्रित दृष्टिकोण अपनाएंगे, जिससे सामाजिक बैंकिंग की भावना प्रभावित हो सकती है। इससे विदेशी मुद्रा का प्रवाह बढ़ेगा, भारत के बैंकिंग सेक्टर पर वैश्विक भरोसा मजबूत होगा और भारतीय अर्थव्यवस्था को दीर्घकालिक रूप से पूंजी स्थिरता मिलेगी। विदेशी निवेशकों के लिए भी यह अवसर है, क्योंकि भारतीय बैंकिंग सेक्टर उभरती अर्थव्यवस्था में सबसे तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र है। वर्तमान में भारतीय बैंकिंग प्रणाली का बाजार मूल्य 700 अरब डॉलर से अधिक है और इसमें सरकारी बैंकों की हिस्सेदारी लगभग 60 प्रतिशत है। यदि इन बैंकों में विदेशी निवेशकों को 49 प्रतिशत हिस्सेदारी की अनुमति मिलती है, तो यह अरबों डॉलर के निवेश का रास्ता खोल सकता है।

निवेशकों के लिए यह कदम कई मायनों में महत्वपूर्ण है। पहला, इससे बैंकों के शेयरों में दीर्घकालिक स्थिरता और वृद्धि की संभावना बनेगी। दूसरा, विदेशी निवेश आने से इन बैंकों की कॉर्पोरेट गवर्नेंस में सुधार होगा, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी। तीसरा, यह निर्णय भारत के वित्तीय बाजारों में वैश्विक निवेशकों के भरोसे को और मजबूत करेगा। विदेशी निवेशकों की बढ़ती मांग से इन शेयरों के मूल्य में और वृद्धि हो सकती है। हालांकि कुछ जोखिम भी हैं। यदि सरकार नियंत्रण बनाए रखती है, तो विदेशी निवेशक निर्णय प्रक्रिया में सीमित भूमिका पा सकते हैं, जिससे वे उतनी उत्सुकता नहीं दिखाएंगे। वहीं, यदि नियंत्रण धीरे-धीरे कमजोर होता है, तो नीति निर्माण और बैंकिंग प्राथमिकताएं विदेशी हितों की ओर झुक सकती हैं। इसलिए सरकार को एक संतुलित नीति बनानी होगी, जहां विदेशी निवेश को आकर्षित किया जाए, पर नियंत्रण और सामाजिक बैंकिंग की भावना भी बनी रहे।

इस नीति के बाद पूंजी जुटाना आसान होगा, बैंकों की ऋण देने की क्षमता बढ़ेगी और तकनीकी नवाचार जैसे डिजिटल बैंकिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित जोखिम प्रबंधन आदि में तेजी आएगी। भारत सरकार की "विकसित भारत 2047" की दृष्टि में यह कदम एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो सकता है, क्योंकि इसका उद्देश्य कम से कम दो भारतीय बैंकों को दुनिया के शीर्ष 20 बैंकों की सूची में लाना है। आम उपभोक्ताओं के लिए भी यह कदम लाभकारी सिद्ध हो सकता है, क्योंकि विदेशी पूंजी के साथ बैंकिंग सेवाओं में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, ब्याज दरें अधिक पारदर्शी होंगी और डिजिटल सेवाएं सस्ती और तेज मिलेंगी। हालांकि सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि ग्रामीण और निम्न आय वर्ग के ग्राहकों की पहुंच और सेवा गुणवत्ता पर कोई नकारात्मक असर न पड़े।

कहा जा सकता है कि सरकार का यह कदम 'PSBs को बेचने' की दिशा में नहीं, बल्कि 'उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी और पूंजी सशक्त बनाने' की दिशा में है। भारत की वित्तीय प्रणाली को अधिक आधुनिक व वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाएगी। परंतु इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि सरकार पारदर्शिता, नियामक संतुलन और सार्वजनिक हित के बीच सही संतुलन कैसे बनाए रखती है।

आमने

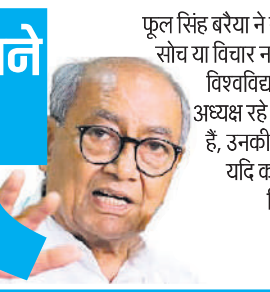

फूल सिंह बरैया ने जो बात कही, वह उनकी निजी सोच या विचार नहीं हैं। उन्होंने तो बिहार के एक विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग के अध्यक्ष रहे हरि मोहन झा, जो कि ब्राह्मण हैं, उनकी पुस्तक का उल्लेख किया था। यदि कार्रवाई करनी ही है, तो पुस्तक लिखने वाले पर करनी चाहिए। प्रकाशक पर कार्रवाई करिए।
– **दिग्विजय सिंह**, वरिष्ठ नेता

सामने

यदि बरैया के शब्द उनके निजी विचार नहीं थे, तो ऐसी घृणित और महिला-विरोधी बयान देने की आवश्यकता ही क्या थी? क्या किसी पुस्तक का हवाला देकर महिलाओं की गरिमा पर प्रहार उचित हो जाता है? क्या सार्वजनिक रूप से दिए गए बयान की जिम्मेदारी वक्ता की नहीं होती? यदि वे शब्द गलत थे, तो कांग्रेस ने उसी समय सार्वजनिक खंडन क्यों नहीं किया?
– **आशीष अग्रवाल**, भाजपा मीडिया प्रभारी, मप्र

ग्रीनलैंड विवाद और बदलती वैश्विक धुरी

प्रो. आरके जैन
बड़वानी (मप्र)

डोनाल्ड ट्रंप की ग्रीनलैंड को लेकर अपनाई गई आक्रामक नीति अब न सनक भर रह गई है और न ही चुनावी बयानबाजी तक सीमित है। यह 2026 की वैश्विक राजनीति का एक गंभीर और निर्णायक संकट बन चुकी है। जनवरी 2026 में ट्रंप के ऐलान किया कि 1 फरवरी 2026 से डेनमार्क, नॉर्वे, स्वीडन, फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन, नीदरलैंड्स और फिनलैंड (आठ नाटो देशों) के आयात पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगेगा, जो 1 जून 2026 से 25 प्रतिशत तक बढ़ जाएगा, जब तक ग्रीनलैंड की 'पूर्ण और संपूर्ण खरीद' पर डील नहीं हो जाती। यह बयान उस सोच को उजागर करता है, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय राजनीति को कूटनीति नहीं, बल्कि दबाव और सौदेबाजी का खेल माना जा रहा है।

ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप का यह रवैया नया नहीं है। 2019 में भी उन्होंने इसे एक "रियल एस्टेट डील" बताया था, जिसे उस समय मजाक या कूटनीतिक अपरिपक्वता कहकर टाल दिया गया, लेकिन सात साल बाद वही विचार एक अलग, अधिक संगठित और खतरनाक रूप में सामने आया है। अब इसे राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्कटिक क्षेत्र में चीन और रूस की बढ़ती मौजूदगी और दुर्लभ खनिजों पर नियंत्रण जैसे तर्कों से जोड़ा जा रहा है। यही कारण है कि यह मुद्दा अब केवल अमेरिका और डेनमार्क के बीच सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरे नाटो और वैश्विक व्यवस्था के लिए चुनौती बन गया है। यूरोप की प्रतिक्रिया इस संकट की गंभीरता को रेखांकित करती है। डेनमार्क ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि ग्रीनलैंड बिक्री के लिए नहीं है, जबकि ग्रीनलैंड के लोग भी सड़कों पर उतरकर अपनी स्वायत्तता और पहचान की रक्षा कर रहे हैं। "कोई दबाव नहीं, कोई संकेत नहीं" जैसे बयान यह दर्शाते हैं कि स्थानीय नेतृत्व किसी भी सूरत में बाहरी दबाव स्वीकार करने को तैयार नहीं है। फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन और अन्य यूरोपीय देशों ने भी एकजुट होकर ट्रंप की धमकी को अंतर्राष्ट्रीय कानून और संप्रभुता के खिलाफ बताया है। यूरोप की सड़कों पर गूंजते "यांकी गो होम" जैसे नारे इस असंतोष की तीव्रता को उजागर करते हैं।

ट्रंप के तर्क अपनी जगह साफ हैं। आर्कटिक क्षेत्र में बर्फ पिघलने से नए समुद्री मार्ग खुल रहे हैं, जो वैश्विक व्यापार और सैन्य रणनीति दोनों के लिए अहम हैं। इसके अलावा, ग्रीनलैंड में लिथियम, कोबाल्ट और अन्य रेयर अर्थ एलिमेंट्स की भरपूर उपलब्धता है, जो भविष्य की तकनीक इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी और नवीकरणीय ऊर्जा के लिए अनिवार्य मानी जाती है। ट्रंप का दावा है कि ग्रीनलैंड 'गोल्डन डोम' मिसाइल रक्षा प्रणाली के लिए रणनीतिक रूप से आवश्यक है, हालांकि विशेषज्ञों का मत है कि वर्तमान पिटुफिक अंतरिक्ष आधार और डेनमार्क के साथ हुए समझौतों के कारण अमेरिका को पहले से ही पर्याप्त पहुंच है तथा पूर्ण क्रय की जरूरत विवादित है। इन दलीलों के पीछे संसाधनों और प्रभुत्व की पुरानी लालसा ही काम कर रही है।

आर्थिक दृष्टि से यह प्रस्ताव कई गहरे सवाल खड़े करता है। ट्रंप की टीम ने ग्रीनलैंड की संभावित खरीद कीमत 700 बिलियन डॉलर तक बताई है, जिसमें खरीद के अलावा माइंस, इंफ्रास्ट्रक्चर और सब्सिडी के लिए सैकड़ों बिलियन अतिरिक्त खर्च शामिल हैं और लाभ 10-20 साल बाद दिख सकता है। जबकि विशेषज्ञों का आकलन है कि इससे किसी ठोस आर्थिक लाभ के संकेत कम से कम दो दशक बाद ही सामने आ सकते हैं। इसके बावजूद, टैरिफ जैसे आर्थिक हथियारों के जरिए सहयोगी देशों पर दबाव बनाना नाटो की मूल भावना और आपसी भरोसे के खिलाफ जाता है। यही कारण है कि इस कदम को केवल एक आक्रामक नीति नहीं, बल्कि गठबंधन की विश्वसनीयता पर सीधा खतरा माना जा रहा है। इस टकराव का प्रभाव यूरोप की सीमाओं तक सीमित नहीं रहने वाला है। वैश्विक सप्लाई चेन पहले ही दबाव में है और यदि ट्रंप की टैरिफ नीति से ट्रेड वॉर तेज होता है, तो इसके झटके पूरी दुनिया में महसूस किए जाएंगे। इसी बीच रूस और चीन आर्कटिक क्षेत्र में अपनी मौजूदगी लगातार बढ़ा रहे हैं और विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप की आक्रामक रणनीति अनजाने में उन्हें और रणनीतिक अवसर प्रदान कर सकती है। यह 'पावर पॉलिटिक्स' का नया चरण है, जहां आर्थिक दबाव को भू-राजनीतिक लक्ष्य हासिल करने के औजार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है।

> भारत के लिए यह पूरा घटनाक्रम अप्रत्यक्ष होते हुए भी दूरगामी असर रखने वाला है। भारत आर्कटिक काउंसिल का ऑब्जर्वर है और जलवायु परिवर्तन के कारण इस क्षेत्र में उभरते संसाधनों और नए समुद्री मार्गों में उसकी दिलचस्पी स्वाभाविक है।

भारत के लिए यह पूरा घटनाक्रम अप्रत्यक्ष होते हुए भी दूरगामी असर रखने वाला है। भारत आर्कटिक काउंसिल का ऑब्जर्वर है और जलवायु परिवर्तन के कारण इस क्षेत्र में उभरते संसाधनों और नए समुद्री मार्गों में उसकी दिलचस्पी स्वाभाविक है। ग्रीनलैंड के रेयर अर्थ मिनरल्स भारत की इलेक्ट्रिक वाहन नीति, बैटरी निर्माण और नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों के लिए बेहद अहम हैं। यदि अमेरिका इन संसाधनों पर नियंत्रण स्थापित करता है, तो भारत के लिए अमेरिका के साथ रणनीतिक सहयोग के नए रास्ते खुल सकते हैं, विशेषकर क्वाड और इंडो-पैसिफिक ढांचे के अंतर्गत।

फिर भी, जोखिम को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ट्रंप की टैरिफ नीति का असर भारत पहले भी महसूस कर चुका है। भारत के लिए यह दौर सतर्कता, दूरदर्शिता और स्मार्ट डिप्लोमेसी की मांग करता है। 2026 में दुनिया एक नाजुक मोड़ पर खड़ी है, जहां लिया गया एक फैसला पूरी वैश्विक राजनीति की दिशा बदल सकता है। यदि भारत इस परिवर्तन को समझदारी से संभालता है, तो वह न केवल चुनौतियों से उबर पाएगा, बल्कि एक सशक्त वैश्विक शक्ति के रूप में और मजबूती से उभरेगा।

सोशल फोरम

आनंद भवन: जहां सुरक्षित है नेहरू की मूल वंशावली

पिछले 10-12 सालों से वास्तविकता के नाम पर आधुनिक इतिहास की भांति-भांति की शिक्षा हमें दी जा रही है। भ्रमित समाज के लिए इनमें सबसे रोचक जवाहर लाल नेहरू की 'आधुनिक वंशावली' लगती है, जिसे देखकर चौंकते तो सभी हैं, परंतु ऐसे

विजय सिंह
रुद्रपुर, उत्तराखंड

बहुत सारे लोग हैं, जिन्हें उसकी सच्चाई को लेकर रत्ती भर भी संदेह नही। फिर भी छद्म इतिहासकार, शंका का बीजारोपण करने में सफल होते दिखाई देते हैं। इस आधुनिक वंशावली में पंडित नेहरू को 'मुस्लिम' सिद्ध करने का प्रयास किया गया है। यद्यपि 'फैक्ट-चेक' करने वालों ने इस आधुनिक वंशावली को सिरे से नकार दिया है, परंतु वो दुष्प्रचार की ताकत ही क्या, जो शंका के बीज ना बो सके। ये है आज की सोशल मीडिया का करिश्मा। इस यूनिवर्सिटी से ज्ञान अर्जित करके लोग महाज्ञानी बन गए हैं और समाज में धड़ल्ले से ज्ञान बांटते दिख जाते हैं।

नेहरू परिवार की सच्चाई यह है कि जवाहर लाल नेहरू के पिता मोतीलाल नेहरू जी के दादा जी 'राजनरायन कौल' को 1713 में एक 'संस्था' ने कश्मीर से उत्तर प्रदेश बुलाया था। कश्मीरी पंडित राजनरायन कौल फारसी व संस्कृत के विद्वान थे, जिसकी वजह से संस्था को उनकी जरूरत महसूस हुई थी। राजनरायन कौल के तीन पुत्र थे, साहिब राम, टीका राम और मानिस राम। मानिस राम के पुत्र गंगाधर नेहरू (जवाहर लाल के दादा)। गंगाधर नेहरू के पुत्र मोतीलाल नेहरू (जवाहर लाल के पिता)। मोती लाल नेहरू के दो और भाई थे, नंदलाल और वंशीधर। जवाहर लाल नेहरू की दो बहनें भी थीं, विजयलक्ष्मी और कृष्णा कुमारी। उसके बाद की वंशावली तो सभी लोग के स्मरण में ताजी ही होगी। इंदिरा गांधी से होते हुए, राजीव गांधी व संजय गांधी और फिर राहुल गांधी व प्रियंका गांधी तक। इससे पहले कि आनंद भवन की दीवार पर लटके, मूल वंशावली को हटाकर कहीं आधुनिक वंशावली न लटका दिया जाए, यदि किसी को प्रयागराज जाने का अवसर मिलता है, उन्हें जवाहर लाल नेहरू के पैतृक निवास स्थल 'आनंद भवन' जाकर, जो वर्तमान में नेहरु जी व गांधीजी की स्मृतियों को संजोए, एक भव्य संग्रहालय में तब्दील हो चुका है, नेहरू परिवार की मूल वंशावली का भी अवलोकन जरूर करना चाहिए। प्रसंगवश याद दिला दें कि जवाहरलाल नेहरू का पैतृक निवास 'आनंद भवन' को उनके परिवार ने सरकार को दान कर दिया था। उस समय इस ऐतिहासिक भवन की कीमत लगभग 200 करोड़ आंकी गई थी और आज जिसकी कीमत लगभग 49,000 करोड़ बताई जाती है।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

अर्थव्यवस्था को जाली करेंसी से पहुंचती चोट

देश में जाली नोटों का कारोबार कई राज्यों में फैला हुआ है। इनमें कुछ नकली करेंसी विदेशों से आ रही है, तो कुछ भारत में ही तैयार की जा रही है। पहले तक पांच सौ, हजार और सौ रुपये के नकली नोट ही बड़ी समस्या बने हुए थे, लेकिन अब पचास, बीस और दस रुपये के नकली नोटों का भी धड़ल्ले से चलन हो रहा है। कारोबारी, पुलिस और सौदागर इन छोटे मूल्यवर्ग के नकली नोटों को ग्रामीण बाजारों में आसानी से खपा देते हैं, जिससे आम लोगों को नुकसान उठाना पड़ता है। बीते कुछ समय में देश के अलग-अलग हिस्सों से नकली नोटों के कई मामले सामने आए हैं। 18 जनवरी को उत्तर प्रदेश के सीतापुर में पुलिस ने एक महिला सहित दो आरोपियों को लगभग एक लाख रुपये के नकली नोटों के साथ गिरफ्तार किया। 1 जनवरी को हरियाणा के फरीदाबाद में नकली नोट बनाकर बाजार में चलाने के आरोप में दो युवक पकड़े गए। 17 जनवरी को महाराष्ट्र के यवतमाल जिले में एक बड़े जाली नोट नेटवर्क का भंडाफोड़ हुआ। इसी तरह बांदा, सूरत और भोपाल जैसे शहरों में भी नकली नोटों के रैकेट सामने आए हैं, जो इस समस्या की गंभीरता को दर्शाते हैं। हालांकि भारत डिजिटल लेनदेन के मामले में अग्रणी देशों में शामिल है और दुनिया के लगभग आधे रियल टाइम डिजिटल भुगतान भारत में होते हैं, फिर भी नकली करेंसी की मौजूदगी चिंता का विषय बनी हुई है। नकली नोटों का बढ़ता नेटवर्क देश की बैंकिंग सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बनता जा रहा है। हाल ही में दिल्ली पुलिस ने 18 सरकारी और निजी बैंकों की शिकायत पर मामला दर्ज किया, जिसमें करीब 11 हजार नकली नोट जमा होने की बात सामने आई। यह स्थिति देश की वित्तीय व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है।

रोहित माहेश्वरी
स्वतंत्र पत्रकार

सरकारी आंकड़े बताते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में नकली नोट पकड़े जाने के मामलों में तेजी आई है। वित्त मंत्रालय के अनुसार, 500 रुपये के नकली नोटों की संख्या में 2019 से 2023 के बीच 317 प्रतिशत की वृद्धि हुई। आरबीआई के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024-25 में 500 रुपये के 1.18 लाख नकली नोट पाए गए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 37 प्रतिशत अधिक हैं। यह संकेत देता है कि असामाजिक और राष्ट्रविरोधी तत्व लगातार नए तरीके अपनाकर इस चुनौती को जटिल बना रहे हैं। नोटबंदी का उद्देश्य नकली नोटों और काले धन पर रोक लगाना था, लेकिन मौजूदा आंकड़े इसकी सीमित प्रभावशीलता की ओर इशारा करते हैं। हालांकि डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देकर सरकार ने नकदी पर निर्भरता कम करने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। यूपीआई जैसे प्लेटफॉर्म ने लेनदेन को सरल और पारदर्शी बनाया है, फिर भी डिजिटल साक्षरता की कमी और नकदी पर निर्भरता इस समस्या को बढ़ावा देती है। नकली नोटों के प्रसार में जागरूकता की कमी सबसे बड़ी बाधा है, खासकर ग्रामीण इलाकों में। तकनीक की मदद से जालसाज हूबहू असली जैसे नोट तैयार कर रहे हैं, जिससे पहचान करना मुश्किल हो गया है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि नकली नोट न केवल अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाते हैं, बल्कि आम जनता के विश्वास को भी कमजोर करते हैं। इससे निपटने के लिए तकनीकी सशक्तिकरण, कड़ी निगरानी और व्यापक जागरूकता अभियान बेहद जरूरी हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

अंतस

वसंत पंचमी भारतीय संस्कृति में बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाने वाला त्योहार है, जिसमें हमारी परंपरा, भौगोलिक परिवर्तन, सामाजिक कार्य तथा आध्यात्मिक पक्ष सभी का सम्मिश्रण है। हिन्दू पंचांग के अनुसार माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को वसंत पंचमी का त्योहार मनाया जाता है। वास्तव में भारतीय गणना के अनुसार वर्ष भर में पड़ने वाली छह ऋतुओं में वसंत को ऋतुराज अर्थात सभी ऋतुओं का राजा माना गया है और वसंत पंचमी के दिन को वसंत ऋतु का आगमन माना जाता है, इसलिए वसंत पंचमी ऋतु परिवर्तन का दिन भी है, जिस दिन से प्राकृतिक सौंदर्य निखारना शुरू हो जाता है। पेड़ों पर नई पत्तिया कोपले और कालिया खिलना शुरू हो जाती हैं, पूरी प्रकृति एक नवीन ऊर्जा से भर उठती है। साथ ही यह त्योहार मां सरस्वती की पूजा और ज्ञान, संगीत, कला एवं विद्या के प्रति समर्पण का प्रतीक है।

वसंत पंचमी

प्रकृति के नवोन्मेष और ज्ञान की आराधना का पर्व

डॉ. विपिन शर्मा
ज्योतिषाचार्य

वसंत पंचमी को विशेष रूप से सरस्वती जयंती के रूप में मनाया जाता है। यह माता सरस्वती का प्राकट्योत्सव है, इसलिए इस दिन विशेष रूप से माता सरस्वती की पूजा उपासना कर उनसे विद्या बुद्धि प्राप्ति की कामना की जाती है। विद्यार्थियों के लिए वसंत पंचमी का त्योहार बहुत विशेष होता है। इस दिन पीले वस्त्र पहनने और खिचड़ी बनाने और बांटने की प्रथा भी प्रचलित है, तो इस दिन वसंत ऋतु के आगमन होने से कई स्थानों में आकाश में पतंगें उड़ाने की परंपरा भी दीर्घकाल से प्रचलन में है। वसंत पंचमी के दिन का एक और विशेष महत्व भी है। वसंत पंचमी को मुहूर्त शास्त्र के अनुसार एक स्वयं सिद्ध मुहूर्त और अनसूझ साया भी माना गया है अर्थात इस दिन कोई भी शुभ मंगल कार्य करने के लिए पंचांग शुद्धि की आवश्यकता नहीं होती। इस दिन नींव पूजन, गृह प्रवेश, वाहन खरीदना, व्यापार आरंभ करना, सगाई और विवाह आदि मंगल कार्य किए जा सकते हैं।

ज्ञान की देवी सरस्वती

माता सरस्वती को ज्ञान, संगीत, कला, विज्ञान और शिल्प-कला की देवी माना जाता है। भक्त लोग, ज्ञान प्राप्ति और सुस्ती, आलस्य एवं अज्ञानता से छुटकारा पाने के लिए, आज के दिन देवी सरस्वती की उपासना करते हैं। आज के दिन शिशुओं को पहला अक्षर लिखना सिखाने का भी विधान है। दूसरे शब्दों में वसंत पंचमी का दिन विद्या आरंभ करने के लिए काफी शुभ माना जाता है, इसीलिए माता-पिता आज के दिन शिशु को माता सरस्वती के आशीर्वाद के साथ विद्या आरंभ कराते हैं। सभी विद्यालयों में वसंत के दिन सुबह के समय माता सरस्वती की पूजा की जाती है।

शुभ कार्यों के लिए उपयुक्त दिन

वसंत पंचमी का दिन सनातन कैलेंडर में पंचमी तिथि को मनाया जाता है। जिस दिन पंचमी तिथि सूर्योदय और दोपहर के बीच में व्याप्त रहती है, उस दिन को सरस्वती पूजा के लिए उपयुक्त माना जाता है। सनातन कैलेंडर में सूर्योदय और दोपहर के मध्य के समय को पूर्वाह्न के नाम से जाना जाता है। ज्योतिष विद्या में पारंगत व्यक्तियों के अनुसार वसंत पंचमी का दिन सभी शुभ कार्यों के लिए उपयुक्त माना जाता है। इसी कारण से वसंत पंचमी का दिन अबूझ मुहूर्त के नाम से प्रसिद्ध है और नवीन कार्यों की शुरुआत के लिए उत्तम माना जाता है। वसंत पंचमी के दिन किसी भी समय सरस्वती पूजा की जा सकती है, परंतु पूर्वाह्न का समय पूजा के लिए श्रेष्ठ माना जाता है। सभी विद्यालयों और शिक्षा केन्द्रों में पूर्वाह्न के समय ही सरस्वती पूजा कर माता सरस्वती का आशीर्वाद ग्रहण किया जाता है।

वसंत पंचमी कथा

सृष्टि के प्रारंभिक काल में भगवान विष्णु की आज्ञा से ब्रह्मा ने जीवों, खासतौर पर मनुष्य योनि की रचना की। अपनी सर्जना से वे संतुष्ट नहीं थे। उन्हें लगता था कि कुछ कमी रह गई है, जिसके कारण चारों ओर मौन छाया रहता है। विष्णु से अनुमति लेकर ब्रह्मा ने अपने कमंडल से जल छिड़का, पृथ्वी पर जलकण बिखरते ही उसमें कंपन होने लगा। इसके बाद वृक्षों के बीच से एक अद्भुत शक्ति का प्राकट्य हुआ। यह प्राकट्य एक चतुर्भुजी सुंदर स्त्री का था, जिसके एक हाथ में वीणा तथा दूसरा हाथ वर मुद्रा में था। अन्य दोनों हाथों में पुस्तक एवं माला थी। ब्रह्मा ने देवी से वीणा बजाने का अनुरोध किया। जैसे ही देवी ने वीणा का मधुरनाद किया, संसार के समस्त जीव-जंतुओं को वाणी प्राप्त हो गई। जलधारा में कोलाहल व्याप्त हो गया। पवन चलने से सरसराहट होने लगी। तब ब्रह्मा ने उस देवी को वाणी की देवी सरस्वती कहा। सरस्वती को वागीश्वरी, भगवती, शारदा, वीणावादनी और वाग्देवी सहित अनेक नामों से पूजा जाता है। ये विद्या और बुद्धि प्रदाता हैं। संगीत की उत्पत्ति करने के कारण ये संगीत की देवी भी हैं। वसंत पंचमी के दिन को इनके जन्मोत्सव के रूप में भी मनाते हैं। ऋग्वेद में भगवती सरस्वती का वर्णन करते हुए कहा गया है- प्रणो देवी सरस्वती वाजेभिर्वजिनीवती धीनामणित्रयवतु। अर्थात ये परम चेतना हैं। सरस्वती के रूप में ये हमारी बुद्धि, प्रज्ञा तथा मनोवृत्तियों की संरक्षिका हैं। हम में जो आचार और मेधा है, उसका आधार भगवती सरस्वती ही हैं। इनकी समृद्धि और स्वरूप का वैभव अद्भुत है। पुराणों के अनुसार श्रीकृष्ण ने सरस्वती से खुश होकर, उन्हें वरदान दिया था कि वसंत पंचमी के दिन तुम्हारी भी आराधना की जाएगी और यूं भारत के कई हिस्सों में वसंत पंचमी के दिन विद्या की देवी सरस्वती की भी पूजा होने लगी, जो कि आज तक जारी है।

पौराणिक कथा

कर्ण और धर्म का मौन उपदेश

महाभारत के विराट चरित्रों में कर्ण एक ऐसा नाम है, जो अपने त्याग और दानशीलता के कारण आज भी स्मरण किया जाता है। उन्हें दानवीर कहा गया, क्योंकि दान उनके लिए कोई विशेष कर्म नहीं, बल्कि जीवन की स्वाभाविक प्रवृत्ति थी। प्रतिदिन प्रातः स्नान कर सूर्यदेव को अर्घ्य देने के पश्चात कर्ण के द्वार पर जो भी याचक आता, वह निराश होकर कभी नहीं लौटता था। उनके लिए दान यश, पुण्य या प्रशंसा का साधन नहीं, बल्कि धर्म का सहज पालन था।

एक दिन देवताओं के राजा इंद्र, ब्राह्मण का वेश धारण कर कर्ण के पास पहुंचे। उन्होंने कर्ण से उनके जन्मजात कवच और कुंडल दान में मांग लिए। ये कवच-कुंडल कर्ण के शरीर का अभिन्न अंग थे और उन्हें युद्ध में अजेय बनाते थे। कर्ण समझ चुके थे कि यह याचना किसी साधारण उद्देश्य से नहीं की गई है। उन्हें यह भी ज्ञात था कि यह दान उन्हें मृत्यु के मार्ग पर ले जाएगा और इसका संबंध अर्जुन की रक्षा से है। फिर भी कर्ण के मन में कोई द्वंद्व नहीं उठा। उन्होंने एक क्षण का भी विलंब नहीं किया। न किसी शर्त की बात की, न किसी प्रतिफल की अपेक्षा रखी। अपने शरीर को चीरकर उन्होंने कवच और कुंडल दान कर दिए।

यह केवल शारीरिक त्याग नहीं था, बल्कि आत्मबल और धर्मनिष्ठा की चरम अभिव्यक्ति थी। कर्ण के लिए धर्म जीवन से बड़ा था। कर्ण के इस असाधारण त्याग से इंद्रदेव भी भावविभोर हो उठे। उन्होंने कर्ण को वरदान स्वरूप शक्ति अस्त्र प्रदान किया, जो एक बार प्रयोग करने पर शत्रु का निश्चित वध कर सकता था। जाते समय इंद्रदेव ने उनसे प्रश्न किया- "कर्ण, तुम जानते थे कि यह दान तुम्हारे प्राण ले सकता है, फिर भी तुमने इसे क्यों दिया?" कर्ण का उत्तर सरल, किंतु अत्यंत गहन था- "यदि धर्म किसी लाभ या भय से बंधा हो, तो वह धर्म नहीं रहता।"

यह प्रसंग हमें सिखाता है कि महाभारत में धर्म किसी पक्ष, विजय या पराजय से नहीं जुड़ा है। वह मनुष्य के आचरण, कर्तव्य और त्याग से प्रकट होता है। कर्ण का जीवन इस सत्य का मौन उपदेश है कि परिस्थितियां चाहे जैसी हों, धर्म का मार्ग आत्मा की आवाज से तय होता है।

बोधकथा

सेवा बिना साधना अधूरी

एक बार संत ज्ञानेश्वर महाराज प्रातः काल नदी तट पर भ्रमण के लिए निकले। नदी के पास उन्होंने देखा कि एक बालक पानी में गोते लगा रहा है। कुछ दूरी पर एक संन्यासी आंखें मूंदे ध्यानमग्न बैठा था। तभी अचानक वह बालक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए ज्ञानेश्वर महाराज तुरंत नदी में कूद पड़े और बालक को सुरक्षित बाहर निकाल लाए।

इसके पश्चात उन्होंने संन्यासी को पुकारा। संन्यासी ने आंखें खोलीं तो ज्ञानेश्वर महाराज ने उससे पूछा- "क्या तुम्हारा ध्यान लगता है?"

संन्यासी ने उत्तर दिया- "नहीं महाराज, मन बार-बार भटक जाता है।" ज्ञानेश्वर महाराज ने पुनः प्रश्न किया- "जब बालक डूब रहा था, तब क्या तुमने उसे देखा नहीं?" संन्यासी बोला- "देखा तो था, पर मैं ध्यान में बैठा था।" यह सुनकर ज्ञानेश्वर महाराज ने करुण भाव से कहा- "ऐसे ध्यान से सिद्धि कैसे मिलेगी? प्रभु ने तुम्हें सेवा का अवसर दिया था और सेवा ही तुम्हारा प्रथम कर्तव्य था। यदि तुम उस कर्तव्य का पालन करते, तो तुम्हारा ध्यान स्वतः स्थिर हो जाता। प्रभु की सृष्टि उनका बगीचा है। यदि बगीचा उजड़ रहा हो और हम केवल उसकी सुंदरता का ध्यान करें, तो यह भक्ति नहीं, उपेक्षा है। बगीचे का आनंद लेना है, तो उसे संवारना भी सीखना होगा।"

यह प्रसंग आज के समय में और अधिक प्रासंगिक हो उठता है। यदि हमारा पड़ोसी भूखा सो रहा है और हम पूजा-पाठ में लीन हैं, तो यह मान लेना कि हम कोई पुण्य कार्य कर रहे हैं, आत्मवंचना है। वह भूखा व्यक्ति भी उसी ईश्वर की प्रतिछवि है, जिसे हम मंदिरों में खोजते हैं। भूखे को अन्न, दुखी को सहारा और असहाय को सहायता देना भी उतना ही बड़ा धर्म है, जितना मंत्र-जप या आरती। ईश्वर ने केवल पूजा के लिए नहीं, बल्कि सेवा के लिए भी मनुष्य को संवेदना दी है। किसी भी जीव, प्रकृति या समाज की उपेक्षा कर की गई भक्ति प्रभु को प्रसन्न नहीं कर सकती। सच्ची साधना वही है, जिसमें मनुष्य अपने कर्म से ईश्वर की सृष्टि को संवारने का प्रयास करे। सेवा से जुड़ी साधना ही आत्मिक शांति का मार्ग प्रशस्त करती है।

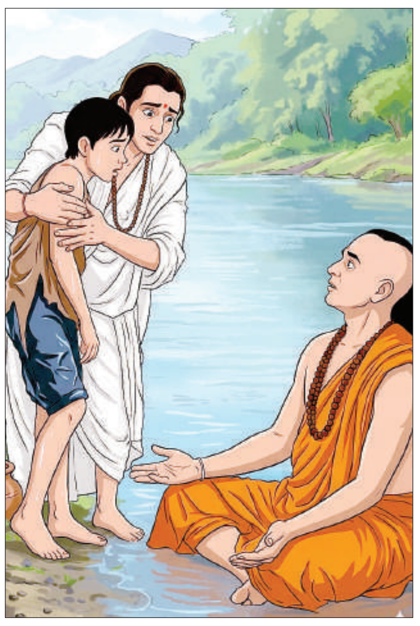

महत्वपूर्ण व्रत

रथ सप्तमी

- 25 जनवरी, रविवार 2026
- स्नान मुहूर्त – सुबह 05:26 से 07:13
- अवधि – 01 घंटा 47 मिनट
- अरुणोदय – 06:48
- अवलोकनीय सूर्योदय – 07:13

सप्तमी तिथि भगवान सूर्य को समर्पित है। मान्यताओं के अनुसार, भगवान सूर्य देव ने रथ सप्तमी के दिन से समस्त संसार को प्रकाशित करना प्रारंभ किया था, जिसे भगवान सूर्य का जन्म दिवस माना जाता था।

पूजा विधि : सुबह स्नान करें और साफ वस्त्र धारण करें। तांबे के पात्र में जल, रोली, अक्षत और लाल फूल लें। इसके बाद सूर्य देव के मंत्रों का जप करते हुए जल उनको अर्घ्य दें, तत्पश्चात आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें। सूर्य चालीसा पढ़ें। पूजा संपन्न करने के बाद अंत में गरीबों को दान दें।

पुरुषार्थ : मानव जीवन का मूल्याधारित लक्ष्य-संधान

यह धरा कर्मभूमि के नाम से जानी जाती है, जहां मनुष्य और पशु दोनों साथ-साथ विचरण करते हुए अपने-अपने प्रयोजनों की पूर्ति के लिए कर्म करते हैं, परंतु इन दोनों के कर्म में एक मौलिक अंतर है। पशु का कर्म स्वाभाविक, प्रवृत्तिजन्य और विवेकहीन होता है, जो जीवन-रक्षा और क्षुधा-पूर्ति तक सीमित रहता है, जबकि मनुष्य का कर्म विवेकयुक्त, मूल्याधारित और लक्ष्यपरक होता है। यही विवेकसम्मत कर्म पुरुषार्थ कहलाता है।

डॉ. रज्जन कुमार
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

पुरुषार्थ का सामान्य अर्थ है, अपने उद्देश्य या अपेक्षा की पूर्ति हेतु किया गया सचेत प्रयास। पशु भी कर्म करता है, परंतु उसका कर्म जैविक आवश्यकताओं से आगे नहीं बढ़ता। इसके विपरीत मनुष्य का पुरुषार्थ उसकी जिजीविषा, चेतना और आत्मिक उत्कर्ष का प्रतीक है। मानव द्वारा किया गया पुरुषार्थ लौकिक और अलौकिक, भौतिक और आध्यात्मिक, नैतिक और धार्मिक सभी आयामों को समाहित करता है। इसी कारण उसका मूल्यांकन भी नैतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक स्तर पर किया जा सकता है।

भारतीय दर्शन में पुरुषार्थ को मानव जीवन का मूल लक्ष्य माना गया है। 'पुरुषार्थ' शब्द का अर्थ है- "पुरुष का उद्देश्य" अथवा "मानव का लक्ष्य"। शास्त्रों में मानव जीवन के चार प्रमुख पुरुषार्थ बताए गए हैं-धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष, जिन्हें 'चतुर्वर्ग' भी कहा जाता है। ये चारों मिलकर मानव जीवन को संतुलित, मर्यादित और सार्थक बनाने का मार्ग प्रशस्त करते हैं। मानव पुरुषार्थ विवेकहीन या लक्ष्यविहीन प्रयास नहीं, बल्कि जीवन को श्रेष्ठ दिशा देने वाला सचेत उपक्रम है।

मनुष्य शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा चारों की संतुष्टि के लिए जो प्रयास करता है, वही

पुरुषार्थ है। इन चार पुरुषार्थों में मोक्ष को अंतिम लक्ष्य माना गया है, जबकि धर्म, अर्थ और काम उसके साधन हैं। इनका संतुलित समन्वय ही पूर्ण मानव जीवन का आदर्श प्रस्तुत करता है।

धर्म चारों पुरुषार्थों का नियामक सिद्धांत है। धर्म वह मूल्य-सिद्धांत है, जो जीवन, समाज और सृष्टि के संतुलन को बनाए रखता है। इसका आशय नैतिक कर्तव्य, सदाचार, पवित्रता, स्वभाव और उचित आचरण से है। मनुस्मृति में धर्म के दस लक्षण बताए गए हैं-क्षमा, दम, अस्तेय, शौच, इंद्रिय-निग्रह, विद्या, ज्ञान, सत्य और क्रोध पर नियंत्रण। धर्म मनुष्य में अच्छे-बुरे का विवेक जगाता है और कर्मफल के सिद्धांत को स्वीकार करता है। लोकमान्यता है कि पुण्य कर्म मृत्यु के बाद भी मनुष्य का साथ देते हैं।

अर्थ दूसरा प्रमुख पुरुषार्थ है, जिसका संबंध भौतिक साधनों और आवश्यकताओं की पूर्ति से है। अर्थ का अर्थ केवल धन या संपत्ति नहीं, बल्कि वे सभी साधन हैं, जो जीवन-निर्वाह और सामाजिक दायित्वों की पूर्ति में सहायक हों। पंचमहायज्ञ, दान, अतिथि-सत्कार, संतान-पालन और समाज-कल्याण जैसे कार्यों के लिए अर्थ आवश्यक है। गृहस्थ आश्रम में अर्थ अर्जन पर विशेष बल दिया गया है, परंतु शास्त्र यह भी कहते हैं कि धन का अर्जन नैतिक और धार्मिक मर्यादाओं के भीतर होना चाहिए। आवश्यकता से अधिक धन को व्यक्ति अपना निजी स्वामित्व न मानकर समाज की अमानत समझे, यही अर्थ का आदर्श स्वरूप है।

काम तीसरा पुरुषार्थ है, जिसे प्रायः केवल भोग या यौन-इच्छा से जोड़ दिया जाता है, जबकि इसका अर्थ कहीं व्यापक है। काम मनुष्य की सभी इच्छाओं, अभिलाषाओं, भावनाओं और सौंदर्यबोध का प्रतिनिधित्व करता है। यह जीवन के आनंद का प्रतीक है- शारीरिक, मानसिक और रचनात्मक सभी स्तरों पर। साहित्य, संगीत, कला, नृत्य और प्रेम ये सभी काम के ही विस्तार हैं। काम व्यक्ति को मानसिक संतुलन प्रदान करता है और गृहस्थ जीवन में समाज की निरंतरता बनाए रखने में सहायक होता है। इच्छाओं की संतुष्टि के बाद ही व्यक्ति उनमें विरक्ति प्राप्त कर मोक्ष की ओर अग्रसर होता है। मोक्ष चौथा और अंतिम पुरुषार्थ है। धर्म, अर्थ और काम के समन्वय से जब व्यक्ति आत्म-ज्ञान प्राप्त करता है और अज्ञान के बंधनों से मुक्त हो जाता है, तब मोक्ष की अवस्था आती है। मोक्ष का अर्थ जन्म-मृत्यु के चक्र से मुक्ति और आत्मा का परम सत्य से एकाकार होना है। यह अवस्था स्थायी आनंद, शांति और पूर्णता की अनुभूति कराती है।

शास्त्रों के अनुसार मोक्ष की प्राप्ति के तीन मार्ग हैं- कर्मयोग, ज्ञानयोग और भक्तियोग। कर्मयोग निष्काम कर्म पर बल देता है, ज्ञानयोग आत्म-बोध और विवेक पर आधारित है और भक्तियोग प्रेम, श्रद्धा और समर्पण के माध्यम से ईश्वर की प्राप्ति का मार्ग दिखाता है। इनमें भक्तियोग को सर्वसुलभ और सरल माना गया है, जबकि ज्ञानयोग कठिन और कर्मयोग जीवन को परिष्कृत करते हुए भक्ति की ओर ले जाता है। पुरुषार्थ का महत्व इस बात में निहित है कि यह स्वार्थ और परमार्थ के बीच संतुलन स्थापित करता है। यह मनुष्य को न केवल व्यक्तिगत विकास की ओर ले जाता है, बल्कि सामाजिक और नैतिक उत्तरदायित्वों का बोध भी कराता है। धर्म जीवन को अनुशासित करता है, अर्थ आवश्यकताओं की पूर्ति करता है, काम जीवन में आनंद भरता है और मोक्ष जीवन को परम लक्ष्य प्रदान करता है। इस प्रकार पुरुषार्थ मानव जीवन की वह सार्थक शक्ति है, जो सांसारिक सुखों के बीच भी धर्म के पालन द्वारा मोक्ष प्राप्ति का मार्ग दिखाती है। धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का संतुलित समन्वय ही मानव जीवन को पूर्ण, मूल्ययुक्त और अर्थवान बनाता है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	83,246.18	25,585.50
गिरावट	324.17	108.85
प्रतिशत में	0.39	0.42

सोना 1,48,100 प्रति 10 ग्राम

चांदी 3,02,600 प्रति किलो

अमृत विचार

हल्द्वानी, मंगलवार, 20 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2565, राज श्री 1870, फ़ॉर्चून कि. 2365, रविन्द्रा 2460, फॉर्चुन 13 किग्रा 2085, जय जवान 2065, सचिन 2060, सूरज 2065, अवसर 1900, उजाला 1985, गृहणी 13 किग्रा 1910, क्लासिक (किग्रा) 2235, मोर 2260, चक्र टिन 2330, ब्लू 2140, आशीर्वाद मस्टर्ड 2325, स्वास्तिक 2520

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 15000-17800, धनिया 9400-12000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8200, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1किग्रा,5किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8400, गौरी प्रीमियम 9800, सूमो 4000, गौरी रॉयल 8600, मंसूरी पनघट 4050,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9700, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200-12500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7350-9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 7800-8500, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10400, उड़द साबुत दिल्ली 10200, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7700, चना अकोला 6600, डबरा 6700-8400, सच्चा हीरा 8600, मोटा हीरा 9900, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8200, अरहर कोरा मोटा 8500, अरहर पटका छोटा 10000-10300, अरहर कोरी छोटी 11400

चीनी : पीलीभीत 4380, बहेड़ी 4300

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3400, मसूरी- 800, बासमती- 5300, परमल- 1100

दाल दलहन : काला चना- 2600, साबुत चना दाल- 1200, मूंग साबुत- 4000, राजमा- 8300-11200, दाल उड़द- 5000, साबुत मसूर दाल- 2200, मसूर दाल- 2000, उड़द साबुत- 3900, काबुली चना- 7500, अरहर दाल- 10300, लोबिया/करमानी- 1200

मुद्राकोष ने भारतीय वृद्धि दर किया 7.3%

तीसरी तिमाही में बेहतर आर्थिक प्रदर्शन और चौथी तिमाही में मजबूत रफ्तार होगा आधार

नई दिल्ली, एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने सोमवार को भारतीय अर्थव्यवस्था के बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.3% कर दिया जो अक्टूबर में जारी अनुमान से 0.7% अंक अधिक है। वाशिंगटन स्थित बहुपक्षीय वित्तीय संस्था ने अपनी विश्व आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भी भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 6.4% कर दिया गया है, जो पहले 6.2% था।

आईएमएफ ने कहा कि भारत में 2025 (वित्त वर्ष 2025-26) के लिए वृद्धि अनुमान को 0.7% अंक बढ़ाकर 7.3% कर दिया गया है। इसका कारण तीसरी तिमाही में अपेक्षा से बेहतर आर्थिक प्रदर्शन और चौथी तिमाही में मजबूत रफ्तार है। मुद्राकोष ने कहा कि आने वाले समय में भारत की वृद्धि दर में कुछ नरमी आ सकती है। वित्त वर्ष 2026-27 और 2027-28 में भारत की वृद्धि दर 6.4% रहने का अनुमान है, क्योंकि चक्रीय एवं अस्थायी कारकों का प्रभाव धीरे-धीरे कम होगा। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 8% रही। जुलाई-सितंबर तिमाही में यह वृद्धि 8.2% दर्ज की गई थी। सांख्यिकी मंत्रालय के पहले अग्रिम अनुमान के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था के 7.4% की दर से बढ़ने की संभावना है। 2024-25 में वृद्धि दर 6.5% थी। मुद्रास्फीति के मोर्चे पर आईएमएफ ने कहा कि 2025 में खाद्य कीमतों में नरमी आने से महंगाई में उल्लेखनीय गिरावट आई है और आगे चलकर इसके निर्धारित लक्ष्य के करीब लौटने की उम्मीद है। भारतीय रिजर्व बैंक को खुदरा मुद्रास्फीति 2% घट-बढ़ के साथ 4% पर सीमित रखने का लक्ष्य मिला हुआ है।

• विश्व आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट के अनुसार, 2026-27 में जीडीपी 6.4% रहने का लगाया अनुमान

वैश्विक अर्थव्यवस्था के वृद्धि को किया 3.3%

वाशिंगटन। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने सोमवार को कहा कि अप्रत्याशित रूप से मजबूत वैश्विक अर्थव्यवस्था इस साल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की संरक्षणवादी व्यापार नीतियों के असर से बाहर निकल सकती है। आईएमएफ ने एक रिपोर्ट में कहा कि ऐसा कुछ हद तक उत्तरी अमेरिका और एशिया में कृत्रिम मेधा (एआई) में निवेश बढ़ाने से संभव होगा। इस बहुपक्षीय निकाय को उम्मीद है कि इस साल वैश्विक वृद्धि दर 3.3% रहेगी। यह आंकड़ा 2025 के समान ही है, लेकिन पिछले अक्टूबर में जारी 2026 के लिए 3.1% के अनुमान से अधिक है। आईएमएफ के मुख्य अर्थशास्त्री पियरे-ओलिवियर गौरींचास और उनके सहयोगी टोबियास एड्रियन ने मुद्राकोष के ''विश्व आर्थिक परिदृश्य'' पर रिपोर्ट के साथ जारी ब्लॉग पोस्ट में लिखा, अमेरिका के नेतृत्व वाले महत्वपूर्ण व्यापारिक व्यवधानों और बढ़ी हुई अनिश्चितता के बावजूद वैश्विक अर्थव्यवस्था उल्लेखनीय मजबूती दिखाना जारी रखे हुए है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था को 2001 के बाद से तकनीकी निवेश की सबसे तेज रफ्तार का लाभ मिल रहा है। इसके इस साल 2.4% की दर से बढ़ने का अनुमान है, जो मुद्रा कोष के अक्टूबर के पूर्वानुमान और 2025 की अनुमानित वृद्धि दर (दोनों 2.1%) से अधिक है। इसमें अनुमान जताया गया है कि चीन की वृद्धि दर 4.5% रहेगी।

• रिपोर्ट अनुसार, उत्तरी अमेरिका और एशिया में एआई में निवेश बढ़ाने से ऐसा होना संभव

विप्रो ने 250 चयनित युवाओं को काम पर नहीं रखा : एनआईटीईएस

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों की संस्था एनआईटीईएस ने सोमवार को श्रम मंत्री मनसुख मांडविया को लिखित शिकायत दर्ज कर विप्रो लिमिटेड पर 250 से अधिक नव-चयनित कर्मचारियों को कई महीने बाद भी काम पर नहीं रखने का आरोप लगाया। इस संबंध में विप्रो से फिलहाल जवाब नहीं मिला है।

आईटी कर्मचारियों के निकाय ने कहा कि केंद्र सरकार से हस्तक्षेप करने और विप्रो से जवाब मांगने का आग्रह किया गया है। कंपनी को सभी प्रभावित उम्मीदवारों को स्पष्ट लिखित जानकारी देनी चाहिए, चाहे वह नियुक्ति की तय तारीख की पुष्टि हो या कारण सहित समापन। एनआईटीईएस की शिकायत में कहा गया है कि प्रभावित उम्मीदवार विभिन्न राज्यों में विप्रो की तरफ से संचालित टर्बो और नेक्स्टजेन टैलेंट हायरिंग कार्यक्रम के तहत चयनित किए गए थे। इन उम्मीदवारों को मई, 2025 में चयन की पुष्टि करने वाले आशय पत्र जारी किए गए थे जिनमें पद, वेतन और नौकरी शुरू करने से संबंधित प्रक्रिया का विवरण था।

पांच लाख टन गेहूं के आटे का निर्यात करेगी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

• तीन साल के बाद निर्यात पर लगे प्रतिबंध में दी गई आंशिक ढील

सरकार ने पांच लाख टन गेहूं के आटे और उससे संबंधित उत्पादों के निर्यात की अनुमति दे दी है। निर्यात पर लगे प्रतिबंध में ये आंशिक ढील तीन साल के बाद दी गई है। केंद्र सरकार ने साल 2022 में गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। भारत इस जिंस का प्रमुख उत्पादक देश है।

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने अधिसूचना में कहा कि गेहूं के आटे और संबंधित उत्पादों का निर्यात प्रतिबंधित रहेगा। मौजूदा नीतिगत शर्तों के अतिरिक्त, पांच लाख टन तक गेहूं के आटे और संबंधित उत्पादों के निर्यात की अनुमति दी गई है। डीजीएफटी ने कहा कि जो आवेदक इस उत्पाद का निर्यात करना चाहते हैं, उन्हें महानिदेशालय से अनुमति लेनी होगी और इसके लिए आवेदन करना होगा। पहले चरण के तहत आवेदन 21 से 31 जनवरी, 2026 तक दिए जा सकते हैं। इसके बाद जब तक निर्यात की निर्धारित मात्रा उपलब्ध रहेगी, तब तक हर महीने के अंतिम दस दिनों के दौरान आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। निर्यात का यह अधिकार जारी होने की तारीख से छह महीने के लिए वैध होगा। निर्यातक, आटा मिलें या प्रसंस्करण इकाइयां इसके लिए आवेदन कर सकती हैं, हालांकि उनके पास वैध आईईसी (आयात निर्यात कोड) और एफएसएसएआई (एफएसएसएआई) लाइसेंस होना चाहिए। निर्यात प्रसंस्करण इकाइयों और विशेष आर्थिक क्षेत्रों के अलावा, ऐसे व्यापारी निर्यातक भी आवेदन कर सकते हैं जिनके पास वैध आईईसी और एफएसएसएआई लाइसेंस है, साथ ही उनका सहायक विनिर्माताओं के रूप में काम करने वाली आटा मिलों के साथ वैध अनुबंध या आपूर्ति समझौता है।

डिजिटल ऋण मॉडल के तहत 52,300 करोड़ रुपये के एमएसएमई ऋण मंजूर

• सार्वजनिक बैंकों ने 3.96 लाख से ज्यादा आवेदन किए स्वीकृत

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि डिजिटल ऋण मूल्यांकन कार्यक्रमों के तहत सार्वजनिक बैंकों ने 1 अप्रैल से 31 दिसंबर, 2025 के बीच 52,300 करोड़ से अधिक के 3.96 लाख से ज्यादा एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम) ऋण आवेदनों को मंजूरी दी है। सार्वजनिक बैंकों (पीएसबी) ने 2025 में एमएसएमई के लिए डिजिटल गतिविधियों के रिकॉर्ड पर आधारित ऋण मूल्यांकन मॉडल (सीएएम) की शुरुआत की थी।

वित्त मंत्रालय ने कहा कि यह ऋण मूल्यांकन मॉडल उपलब्ध डिजिटल और सत्यापन योग्य डेटा का लाभ उठाता है। यह ऋण आवेदनों के लिए निष्पक्ष निर्णय प्रक्रिया से एमएसएमई ऋण मूल्यांकन को स्वचालित मार्ग तैयार करता है। यह मॉडल बैंक के मौजूदा ग्राहकों (ईटीबी) के साथ ही नए एमएसएमई उधारकर्ताओं (एनटीबी) दोनों के लिए मॉडल आधारित ऋण सीमा का आकलन करता है। मंत्रालय ने कहा कि 1 अप्रैल से 31 दिसंबर, 2025 के बीच सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा डिजिटल ऋण मूल्यांकन कार्यक्रमों के तहत 52,300 करोड़ की राशि के 3.96 लाख से अधिक एमएसएमई ऋण आवेदनों को स्वीकृति दी गई है। इस मॉडल द्वारा केवाईसी प्रमाणीकरण, मोबाइल और ईमेल सत्यापन, जीएसटी डेटा विश्लेषण, बैंक स्टेटमेंट विश्लेषण, आयकर रिटर्न (आईटीआर) सत्यापन और क्रेडिट सूचना कंपनियों (सीआईसी) के डेटा का उपयोग करके जांच, धोखाधड़ी की पहचान आदि के लिए डिजिटल फुटप्रिंट्स का उपयोग किया जाता है।

आईएफएससीए ने भारत को बनाया पुनर्बीमा का केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी

• वित्तीय सेवा सचिव नागराजू ने वैश्विक पुनर्बीमा शिखर सम्मेलन को किया संबोधित

• स्विस री की रिपोर्ट पर बोले- दुनिया का 10वां बीमा बाजार भारत, वैश्विक हिस्सेदारी 1.8%

वित्तीय सेवा सचिव एम नागराजू ने सोमवार को कहा कि अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) भारत को वैश्विक पुनर्बीमा केंद्र बनाने की दिशा में अहम भूमिका निभा रहा है और भारतीय बीमाकर्ताओं एवं पुनर्बीमाकर्ताओं को गिफ्ट सिटी के जरिये वैश्विक अवसरों का लाभ उठाना चाहिए। नागराजू ने मुंबई में आयोजित आईएफएससी-आईआरडीएआई-गिफ्ट सिटी वैश्विक पुनर्बीमा शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही।

वित्त मंत्रालय के मुताबिक नागराजू ने कहा कि भारत का पुनर्बीमा क्षेत्र रूपांतरकारी वृद्धि के दौर में है और यह देश की समग्र आर्थिक आकांक्षाओं को मजबूती प्रदान करेगा। बीमा एवं पुनर्बीमा क्षेत्र भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था में मजबूत भूमिका निभाने में मददगार हैं क्योंकि ये जोखिम प्रबंधन के साथ दीर्घकालिक पूंजी भी उपलब्ध कराते हैं। वित्तीय सेवा सचिव ने स्विस री की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि वर्ष 2024 में भारत कुल प्रीमियम मात्रा के आधार पर दुनिया का 10वां सबसे बड़ा बीमा बाजार बना रहा और उसकी वैश्विक हिस्सेदारी 1.8 प्रतिशत रही। देश की 3.7 प्रतिशत जनसंख्या ही बीमा दायरे में है जिसमें जीवन बीमा 2.7 प्रतिशत और गैर-जीवन बीमा एक प्रतिशत है। बीमा घनत्व बढ़कर 97 डॉलर हो गया जो यह दर्शाता है कि बाजार में अभी भी व्यापक अवसर मौजूद हैं।

सचिव ने कहा कि सरकार और बीमा नियामक ने क्षेत्र के विस्तार और बीमा की पहुंच बढ़ाने के लिए कई नीतिगत सुधार किए हैं। बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा बढ़ाकर 100 प्रतिशत कर दी गई है और पिछले वर्ष एक नया पुनर्बीमाकर्ता भी पंजीकृत किया गया। उन्होंने सबका बीमा, सबकी रक्षा (बीमा कानून संशोधन) अधिनियम, 2025 का भी उल्लेख किया, जिसके तहत पॉलिसीधारकों के शिक्षा एवं संरक्षण कोष का गठन, डेटा संरक्षण कानून के साथ तालमेल और बीमा नियामक की शक्तियों को मजबूत किया गया है। नागराजू ने कहा कि आईएफएससीए के तहत गिफ्ट सिटी अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप काम कर रही और विदेशी पुनर्बीमाकर्ताओं को भारत में परिचालन के लिए आकर्षक मंच प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि सभी हितधारकों के सहयोग से 2047 तक बीमा का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

राष्ट्रीय

न्यायिक सुधारों से जुड़ी याचिका से कोर्ट नाराज

सीजेआई सूर्यकांत बोले - कैमरों को संबोधित करने के मंच के रूप में अदालत का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने व्यापक न्यायिक सुधारों के अनुरोध वाली जनहित याचिका पर नाराजगी जताते हुए सोमवार को इसे प्रचार याचिका करार देते हुए असंतोष व्यक्त किया और याचिका खारिज कर दी। उच्चतम न्यायालय ने साथ ही यह भी कहा कि इस अदालत को बाहर कैमरों को संबोधित करने के मंच के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।

याचिकाकर्ता ने यह निर्देश देने का अनुरोध किया था कि भारत की हर अदालत में किसी भी मामले का निपटारा एक वर्ष की समय-सीमा में किया जाए। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने सवाल उठाया कि वह ऐसा निर्देश कैसे जारी कर सकती है, जिसमें सभी मामलों का एक वर्ष में निपटारा अनिवार्य किया जाए। यह जनहित याचिका कमलेश त्रिपाठी ने दायर की थी, जो स्वयं पेश होकर मामले की पैरवी कर रहे थे। सुनवाई के दौरान त्रिपाठी ने दलीलें हिंदी में रखने की अनुमति मांगी। देश में बदलाव लाने के लिए उनकी अर्जी पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि ऐसी आकांक्षाओं के लिए औपचारिक याचिका उपयुक्त माध्यम नहीं है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि आप देश में बदलाव चाहते हैं न? इसके लिए ऐसी याचिका दायर करने की जरूरत नहीं है। आप मुझे एक पत्र लिखकर भेज दीजिए। पीठ ने प्रचार याचिका दायर करने के मकसद की विशेष रूप से आलोचना की।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि आप लोग बाहर खड़े कैमरामैनों के सामने बोलने के लिए याचिका मत डालिये। याचिकाकर्ता के अनुरोध की व्यवहारिकता पर सवाल उठाते हुए प्रधान न्यायाधीश ने सवाल किया कि आप कह रहे हैं कि एक साल में हर कोर्ट फैसला करे? ऐसी कितनी कोर्ट चाहिए आपको? पीठ ने आदेश में कहा कि यदि याचिकाकर्ता चाहे तो न्यायिक सुधारों के लिए प्रशासनिक पक्ष से संबंधित पत्र प्रधान न्यायाधीश को प्रस्तुत कर सकता है, जिसमें यदि कोई सुझाव हों तो वे दे सकते हैं। यह स्पष्ट है कि ऐसे सभी सुझावों का हमेशा स्वागत है।

पांच लाख का जुर्माना लगाने को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को लखनऊ के वकील की याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उसने आरोप लगाया था कि एक निरर्थक जनहित याचिका दायर करने के लिए अक्टूबर 2023 में खुली अदालत में उन्हें 25,000 रुपये का जुर्माना देने का आदेश दिया गया था, लेकिन उन पर पांच लाख का जुर्माना लगाया गया था। तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने 13 अक्टूबर 2023 को वकील अशोक पांडे की जनहित याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें यह निर्देश देने का अनुरोध था कि न्यायमूर्ति देवेंद्र उपाध्याय को बंबई हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में फिर से शपथ दिलाई जाए क्योंकि संविधान के तहत तय तरीके से शपथ नहीं ली गई थी। न्यायमूर्ति उपाध्याय अब दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश हैं। पांडे के अनुसार, पीठ ने खुली अदालत में उन पर निरर्थक जनहित याचिका दायर करने के लिए 25,000 रुपये का जुर्माना लगाया था। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और जॉयमाल्या बागची की पीठ ने याचिका को खारिज करते हुए कहा कि हम आदेश का पालन करेंगे और इसमें पांच लाख रुपये का जिक्र है।

राजमार्ग से 500 मीटर के दायरे में शराब की दुकानें हटाने के आदेश पर रोक

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को राजस्थान हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें राज्य सरकार को राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों से 500 मीटर के दायरे में आने वाली सभी शराब की दुकानों को हटाने का निर्देश दिया गया था। हाईकोर्ट ने सड़क हादसों में हो रही बढ़ोतरी को देखते हुए यह आदेश दिया था। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने शराब विक्रेताओं और राजस्थान सरकार की याचिकाओं पर नोटिस जारी किया। पीठ ने कहा कि हाईकोर्ट की चिंता वाजिब थी और सरकार भविष्य में आबकारी नीति बनाते समय इस पर विचार कर सकती है। शीर्ष अदालत ने आदेश दिया कि नोटिस जारी किया जाए। चुनौती दिए आदेश पर रोक लगाई जाती है। राज्य सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने पहले निर्देश दिया था कि राजमार्गों से 500 मीटर के भीतर शराब की दुकानें नहीं होनी चाहिए, लेकिन समस्या वहां पैदा हुई जहां ये सड़कें शहरों से गुजरती हैं। बाद में आदेश में स्पष्ट था कि नगर निकाय की सीमा के भीतर शराब की दुकानों पर ऐसा कोई प्रतिबंध नहीं होगा।

2016 में प्रणय और राधिका रॉय को भेजे आयकर नोटिस रद्द

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को एनडीटीवी के संस्थापकों प्रणय रॉय और राधिका रॉय को भेजे 2016 के आयकर नोटिस को रद्द कर दिया और विभाग को सांकेतिक लागत के रूप में उनमें से प्रत्येक को एक लाख का भुगतान करने का आदेश दिया। न्यायमूर्ति दिनेश मेहता और विनोद कुमार की पीठ ने टिप्पणी की कि अधिकारियों द्वारा प्रणय और राधिका को उसी मुद्दे के लिए दूसरी बार पुनर्मूल्यांकन कार्यवाही के अधीन करना मनमाना और अधिकार क्षेत्र से बाहर था।

पीठ ने रॉय परिवार की याचिकाओं को स्वीकार करते हुए कहा कि इस मामले के तथ्य स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि कार्यवाही मनमानी और वैधानिक प्रावधानों के विपरीत होने के साथ न्यायिक प्रक्रिया के मूलभूत सिद्धांतों के भी विरुद्ध है। याचिकाकर्ताओं को जारी नोटिसों और इसके परिणामस्वरूप जारी किए आदेश या कार्यवाही रद्द की जाती हैं। हर्जाना पर्याप्त नहीं माना जा सकता, फिर भी हम बिना हर्जाना लगाए नहीं छोड़ सकते।

प्राथमिकी रद्द करने वाली लालू की याचिका पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली, एजेंसी

जमीन के बदले नौकरी देने का मामला

दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो और पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद की उस याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया, जिसमें उन्होंने सीबीआई की ओर से जमीन के बदले नौकरी घोटाले में दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने का अनुरोध किया है। लालू प्रसाद के अधिवक्ता कपिल सिब्बल और सीबीआई की तरफ से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा के समक्ष दलीलें पूरी कीं।

प्रसाद ने याचिका में प्राथमिकी के साथ 2022-23 और 2024 में दायर तीन आरोपपत्रों और संज्ञान संबंधी आदेशों को भी रद्द करने का अनुरोध किया है। राजद सुप्रीमो ने दलील दी कि इस मामले में जांच, प्राथमिकी, छानबीन और उसके बाद दायर आरोपपत्र कानूनी रूप से टिकने योग्य नहीं हैं, क्योंकि सीबीआई ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा-17ए के तहत अनिवार्य पूर्व स्वीकृति नहीं ली। सिब्बल ने सोमवार को कहा कि सीबीआई का कहना है कि लालू प्रसाद ने रेल मंत्री के रूप में अपनी आधिकारिक क्षमता में काम किया। उन्होंने कहा कि इसलिए प्रसाद पर आधिकारिक कार्यों या कर्तव्यों के निर्वहन के दौरान कथित रूप से किए गए कृत्यों के लिए मुकदमा चलाने के वास्ते मंजूरी की आवश्यकता है। राजू ने सिब्बल की दलीलों का विरोध किया।

बजट में पेश होगा बिजली संशोधन विधेयक

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल ने सोमवार को कहा कि बिजली संशोधन विधेयक संसद के बजट सत्र में पेश किया जाएगा। इसका उद्देश्य विद्युत क्षेत्र में सुधार और ऋण में डूबी बिजली वितरण कंपनियों की लाभप्रदता दिलाना है। मंत्री ने आईआईटी दिल्ली-सीईआरसी-ग्रिड इंडिया सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के उद्घाटन पर यह बात कही।

विद्युत मंत्रालय ने रविवार को बताया था कि कई वर्षों तक घाटे में रहने के बाद विद्युत वितरण कंपनियों ने 2024-25 में संयुक्त रूप से 2,701 करोड़ का लाभ दर्ज किया है। मंत्रालय ने कहा कि 50 वितरण कंपनियां अब भी घाटे में हैं। सभी वितरण कंपनियों को लाभप्रद बनाने की रणनीतियों पर लाल ने कहा कि अगले बजट सत्र में हम विद्युत अधिनियम में संशोधन करने जा रहे हैं ताकि वितरण कंपनियों को घाटा न हो और उन्हें समय पर भुगतान हो सके।

• विद्युत क्षेत्र में सुधार और ऋण में डूबी बिजली वितरण कंपनियों की लाभप्रदता दिलाना उद्देश्य

• एआईपीईएफ के चेयरमैन ने कहा- विधेयक निजीकरण के उद्देश्यों का समर्थन करता है

मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि विद्युत अधिनियम में प्रस्तावित संशोधनों पर चर्चा करने के लिए राज्य प्रतिनिधियों के साथ परामर्श बैठक भी आयोजित की है। ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन (एआईपीईएफ) ने इसका विरोध करते हुए तर्क दिया कि विधेयक में कई वितरण लाइसेंसधारियों को सरकारी बिजली वितरण कंपनियों के मौजूदा नेटवर्क का उपयोग करने का प्रस्ताव है। एआईपीईएफ के चेयरमैन शैलेंद्र दुबे ने कहा कि यह विधेयक निजीकरण के उद्देश्यों का समर्थन करता है। केंद्र सरकार विद्युत (संशोधन) नियमों के माध्यम से अपने निजीकरण एजेंडे को आगे बढ़ा रही है।

भाजपा सत्ता के केंद्रीकरण के प्रयास में : राहुल गांधी

कोच्चि। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा पर सत्ता को केंद्रीकृत करने के प्रयास का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी विकेंद्रीकरण में विश्वास करती है। कांग्रेस नेता ने स्थानीय निकाय चुनाव में निर्वाचित हुए कांग्रेस सदस्यों की महापंचायत में कहा कि कांग्रेस त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 73वां और 74वां संवैधानिक संशोधन लेकर आई।

• निकाय चुनाव में निर्वाचित सदस्यों की महापंचायत में कांग्रेस नेता ने की टिप्पणी

राहुल गांधी ने इस बात पर जोर दिया कि संविधान की रक्षा का मतलब जमीनी स्तर पर विकेंद्रीकृत शासन की रक्षा करना है। प्रसिद्ध मलयालम लेखिका एम लीलावती ने उन्हें देश भर में फैल रही चुप्पी की बढ़ती संस्कृति के बारे में आगाह किया था। भाजपा चाहती है कि लोग चुप रहें ताकि कुछ कॉरपोरेट समूह देश की संपत्ति पर नियंत्रण कर सकें। कांग्रेस नेता ने कहा कि केरल के लोगों को चुप नहीं कराया जा सकता है और वे चुनाव के माध्यम से बात रखेंगे।

कोर्ट के फैसले तक नहीं होंगे एनपीए के खुलासे

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने सुप्रीम कोर्ट का अंतिम फैसला आने तक सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत बैंक निरीक्षण रिपोर्टों और ऋण चूककर्ताओं की सूचियों को जारी करने पर रोक लगा दी है। राष्ट्रीय स्तर पर इसके व्यापक प्रभावों को समझते हुए, पारदर्शिता निगरानी संस्था ने फैसला सुनाया कि उच्चतम न्यायालय द्वारा बैंकों की लंबित याचिकाओं पर मंगलवार को निर्णय होने तक किसी भी गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) का आंकड़ा या जुर्माने का खुलासा नहीं किया जाएगा।

आरबीआई निरीक्षण रिपोर्टों के खुलासे पर ऐतिहासिक जयंतीलाल एन मिस्त्री फैसले पर पुनर्विचार की मांग वाली लंबित याचिकाओं को देखते हुए, सीआईसी ने रजिस्ट्री को उच्चतम न्यायालय की सुनवाई के बाद मामले को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। सूचना आयुक्त खुशवंत सिंह सेठी ने कहा कि शीर्ष न्यायालय के निर्देशों का इंतजार करना उचित होगा, क्योंकि उच्चत न्यायालय को मंगलवार को इस मामले की सुनवाई करनी है। सीआईसी ने भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, एक्सिस बैंक, आरबीएल बैंक, यस बैंक, सिटीबैंक एनए और अहमदनगर मर्चेंट्स को-ऑपरेटिव बैंक की अपीलों पर अंतरिम आदेश जारी किए। इस मामले से जुड़े सवालों का राष्ट्रीय स्तर पर प्रभाव पड़ेगा और इनमें स्पष्टता के लिए शीर्ष अदालत का फैसला जरूरी है, खासकर आरबीआई की निरीक्षण रिपोर्ट सार्वजनिक करने से जुड़े जयंतिलाल एन. मिस्त्री फैसले पर पुनर्विचार की याचिकाएं लंबित होने के कारण।

• सीआईसी ने अंतिम फैसला आने तक आरटीआई के तहत जारी होने वाली जानकारी पर लगाई रोक

सीआईसी ने कहा कि आयोग ने रामामले में उच्चतम न्यायालय के निर्देश का लाभ लेना उचित होगा। साथ ही अंतिम निर्णय तक कोई भी जानकारी प्रकट न करने का निर्देश दिया। ये मामले रिजर्व बैंक के निरीक्षण और जोखिम मूल्यांकन रिपोर्ट, गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) और जानबूझकर चूक करने वालों की सूची, कारण बताओ नोटिस, वैधानिक निरीक्षणों के बाद लगाए दंड और संबंधित प्रवर्तन कार्रवाइयों जैसी जानकारी का खुलासा करने के निर्णयों पर बैंकों द्वारा उठाई गई आपत्तियों से संबंधित हैं।

पलटवार: अमेरिका पर 93 अरब यूरो का शुल्क लगा सकता है यूरोपीय संघ

ब्रसेल्स, एजेंसी

● ग्रीनलैंड पर ट्रंप की धमकियों के बीच तैयार कर रहा मसौदा

ग्रीनलैंड पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लगातार बयानों और धमकियों के बीच यूरोपीय संघ (ईयू) अमेरिका पर 93 अरब यूरो (107.68 अरब डॉलर) का आयात शुल्क लगाने या अमेरिकी कंपनियों को यूरोपीय ब्लॉक में व्यापार करने से रोकने पर विचार कर रहा है।

सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में आधिकारिक सूत्रों के हवाले से कहा गया कि अगले हफ्ते दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) पर होने वाली बैठक से पहले इस शुल्क का मसौदा तैयार किया जा रहा है, ताकि ट्रंप पर यूरोपीय नेताओं को थोड़ी बढ़त मिल सके।

रिपोर्ट में कहा गया कि यूरोपीय यूनियन ने पिछले साल ही आयात शुल्क की सूची बना ली थी लेकिन व्यापार युद्ध रोकने के लिए उसे छह फरवरी तक के लिए स्थगित कर दिया था। ग्रीनलैंड पर अमेरिका-यूरोप के बीच बढ़ते तनाव के कारण ईयू नेताओं ने रविवार को इसे दोबारा लागू करने पर विचार किया। इसके अलावा यूरोपीय नेताओं ने दबाव-विरोधी मसौदे पर भी बातचीत की, जिसके लागू होने पर अमेरिकी कंपनियां यूरोप में अपना सामान नहीं बेच पाएंगी।

ट्रंप ने की है 10 फीसदी टैरिफ लेने की घोषणा

इससे पहले ट्रंप ने कहा था कि जो देश ग्रीनलैंड खरीदने के मुद्दे पर अमेरिका का समर्थन नहीं करेंगे, वह उन पर आयात शुल्क लगा सकते हैं। ट्रंप ने डेनमार्क, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड्स, नॉर्वे, स्वीडन और ब्रिटेन पर 10 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की घोषणा भी की थी। उन्होंने यह भी कहा था कि अगर हालात नहीं बदलते तो एक जून से यह बढ़कर 25 प्रतिशत हो जाएगा। जिसके बाद आठों देशों ने रविवार को एक संयुक्त बयान जारी कर ग्रीनलैंड और डेनमार्क के लिए पूर्ण समर्थन का एलान किया था।

मध्य पूर्व के नक्शे को बदलने की कोशिश

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का गाजा शांति प्लान केवल एक युद्धविराम समझौता नहीं है, बल्कि यह पूरे मध्य पूर्व के भू-राजनीतिक मानचित्र को बदलने की एक महत्वाकांक्षी कोशिश है। ट्रंप का मानना है कि जो बाइडन प्रशासन की नीतियां अनिर्णायक थीं, जिससे युद्ध लंबा खिंचा। ट्रंप की रणनीति का मुख्य स्तंभ अब्राहम समझौते का विस्तार है, जिसके तहत वे सऊदी अरब और इजराइल के बीच ऐतिहासिक राजनयिक संबंध स्थापित करना चाहते हैं। ट्रंप का दृष्टिकोण व्यावहारिक और व्यापारिक है। उनका तर्क है कि गाजा में युद्ध इजराइल की अर्थव्यवस्था और वैश्विक छवि को नुकसान पहुंचा रहा है, जबकि अमेरिका पर भी इसका भारी वित्तीय बोझ पड़ रहा है। उनके प्लान का केंद्र एक शांति समिति का गठन है, जो गाजा के पुनर्निर्माण और शासन को नियंत्रित करेगी।

ट्रंप का गाजा शांति प्लान

इजराइल के लिए सुरक्षा गारंटी

● अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस महत्वाकांक्षी योजना में फलस्तीनी संगठन हमास के लिए कोई जगह नहीं रखी गई है। ट्रंप गाजा को एक विसैन्यीकृत क्षेत्र के रूप में देखते हैं, जिसका प्रबंधन अरब देशों के सहयोग से किया जाएगा। यह योजना इजराइल के लिए एक सुरक्षा गारंटी और अरब देशों के लिए आर्थिक अवसर लेकर आई है। हालांकि, इसमें दो-राष्ट्र समाधान की तुलना में इजराइल की सुरक्षा और क्षेत्रीय एकीकरण पर अधिक जोर दिया गया है। ट्रंप का लक्ष्य 2026 के अंत तक गाजा को एक युद्ध क्षेत्र से निर्माण क्षेत्र में बदलना है, ताकि अमेरिकी संसाधन चीन और रूस जैसी बड़ी चुनौतियों पर केंद्रित किए जा सकें। गाजा के भविष्य के लिए घोषित बहुराष्ट्रीय गाजा पुनर्निर्माण एवं शांति परिषद में कई देशों और उनके नेताओं को शामिल करने की पहल की गई है। इसके लिए ट्रंप की ओर से तमाम नेताओं से आग्रह भी किया जा रहा है।

समिति में ये शामिल

● अमेरिका: मुख्य मध्यस्थ और सुरक्षा गारंटर के रूप में।

● इजराइल: सुरक्षा मानकों और सीमा नियंत्रण की निगरानी के लिए।

● सऊदी अरब और यूएई: मुख्य वित्तपोषक और प्रशासनिक सलाहकार।

● मिस्र: गाजा-मिस्र सीमा (फिलाडेल्फी कॉरिडोर) के प्रबंधन के लिए।

● तकनोक्रेट्स: गाजा के नागरिक।

समिति के कार्य

● पुनर्निर्माण फंड: अरब देशों के निवेश से गाजा में बुनियादी ढांचे का विकास।

● शिक्षा सुधार: गाजा के स्कूलों में शांति और सहिष्णुता को बढ़ावा देने वाला नया शैक्षणिक ढांचा बनाना।

● सुरक्षा प्रबंधन: नई स्थानीय पुलिस बल तैयार करना जिसे अरब देशों की सेनाओं द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा।

फिर भी इजराइल नाराज

● युद्ध रोकने की समय सीमा: ट्रंप ने स्पष्ट किया है कि वे युद्ध को अनिश्चितकाल तक नहीं खींचने देंगे। इजराइल का कट्टरपंथी खेमा (जैसे बेन-ग्वीर और स्मोट्रिच) पूरी सैन्य जीत तक युद्ध जारी रखना चाहता है।

● सऊदी अरब की शर्तें: ट्रंप ने सऊदी-इजराइल शांति के बदले फिलिस्तीनी राज्य की दिशा में 'अपरिवर्तनीय' कदम उठाने का दबाव डाला है, जो वर्तमान इजराइली सरकार को स्वीकार नहीं है।

● बफर जोन पर नियंत्रण: ट्रंप चाहते हैं कि सुरक्षा की जिम्मेदारी अंतर्राष्ट्रीय समिति की हो, जबकि इजराइल गाजा के भीतर पूर्ण सैन्य नियंत्रण बनाए रखना चाहता है। इसको लेकर इजराइल के राष्ट्रपति बेंजामिन नेतन्याहू अपनी नाराजगी भी जता चुके हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

ग्वाटेमाला हिंसा में 7 पुलिसकर्मियों की मौत

एस्कुइंटला। ग्वाटेमाला की राजधानी में रविवार को सुरक्षा बलों और एक गिरोह के सदस्यों के बीच हुई झड़पों में सात पुलिसकर्मियों की मौत हो गई। इससे पहले देश के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में स्थित तीन उच्च सुरक्षा वाली जेलों में से एक पर पुलिस ने दोबारा नियंत्रण हासिल कर लिया, जहां एक रात पहले कैदियों ने उपद्रव कर सुरक्षाकर्मियों को बंधक बना लिया था। ग्वाटेमाला सिटी और उसके आसपास पुलिस पर हमले उस समय हुए, जब सैकड़ों दंगा-निरोधक पुलिसकर्मियों ने राजधानी से करीब 76 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में एस्कुइंटला स्थित रेनोवेसियोन जेल पर धावा बोला और वहां बंधक बनाए गए नौ जेलकर्मियों को मुक्त कराया।

नेपाली खेल मंत्री बबलू गुप्ता ने दिया इस्तीफा

काठमांडू। नेपाल के खेल मंत्री बबलू गुप्ता ने आगामी पांच मार्च को होने वाला आम चुनाव लड़ने के लिए सोमवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) से जुड़े सूत्रों ने बताया कि युवा एवं खेल मंत्री गुप्ता वर्तमान में धनुषा जिले के जनकपुर में आरएसपी के लिए चुनाव प्रचार में जुटे हैं और पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। गुप्ता ने कहा कि मैं आगामी चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने के उद्देश्य से सिराहा पहुंच गया हूं। मैंने अपना इस्तीफा ईमेल के जरिए प्रधानमंत्री सुशीला कार्की को भेज दिया है।

पुतिन को गाजा शांति बोर्ड के लिए न्योता

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गाजा शांति बोर्ड में शामिल होने का आमंत्रण मिला है, जिस पर विचार किया जा रहा है। क्रेमलिन ने सोमवार को यह जानकारी दी। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने बताया कि वास्तव में, राष्ट्रपति पुतिन को भी राजनयिक चैनलों के माध्यम से इस शांति बोर्ड में शामिल होने का प्रस्ताव मिला था। हम फिलहाल इस प्रस्ताव के सभी विवरणों का अध्ययन कर रहे हैं और सभी विवरणों को स्पष्ट करने के लिए अमेरिकी पक्ष से संपर्क किए जाने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके पाकिस्तानी समकक्ष शहबाज शरीफ को भी न्योता मिला है।

काबुल के एक होटल में विस्फोट, कई हताहत

काबुल। अफगानिस्तान के काबुल में सोमवार को विस्फोट से कई लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। विस्फोट का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। प्रवक्ता खालिद जादरान ने बताया कि विस्फोट शहर-ए-नॉ जिले के एक होटल में हुआ। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल मतीन कानी ने बताया कि विस्फोट में कई की मौत हुई है।

हमारे पड़ोस में आतंकवादी ढांचे को बढ़ावा देने में मदद न करें: जयशंकर

विदेश मंत्री ने पोलैंड के अपने समकक्षी रादोस्लाव सिकोरस्की को दिया स्पष्ट संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को पोलैंड के विदेश मंत्री रादोस्लाव सिकोरस्की को एक तीखा संदेश देते हुए कहा कि उनके देश को आतंकवाद के प्रति कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनानी चाहिए और भारत के पड़ोस में आतंकवादी ढांचे को बढ़ावा देने में मदद नहीं करनी चाहिए। जयशंकर का यह संदेश स्पष्ट रूप से अक्टूबर में पोलैंड-पाकिस्तान के संयुक्त बयान में कश्मीर के उल्लेख के संदर्भ में था।

सिकोरस्की के साथ एक बैठक में जयशंकर ने यूक्रेन संघर्ष को लेकर भारत को अनुचित और अन्यायपूर्ण तरीके से चयनात्मक रूप से निशाना बनाए जाने पर भी अपनी चिंता व्यक्त की। इसे रूस के साथ ऊर्जा संबंधों को लेकर नई दिल्ली की पश्चिमी देशों द्वारा की गई आलोचना के संदर्भ के रूप में देखा जा रहा है। नई दिल्ली में हुई बैठक में विदेश मंत्री ने ये टिप्पणी की। सिकोरस्की पोलैंड के उपप्रधानमंत्री भी हैं। वहीं, पोलैंड के विदेश मंत्री ने कहा कि वह भारत के रूस के साथ संबंधों को लेकर लगाए गए शुल्क के संदर्भ में अन्याय और चयनात्मक रूप से निशाना बनाए जाने के बारे में जयशंकर से पूरी तरह सहमत हैं।

सिकोरस्की भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। जयशंकर ने कहा कि आप हमारे क्षेत्र से अपरिचित नहीं हैं और सीमा पार आतंकवाद की दीर्घकालिक चुनौती से निश्चित रूप से परिचित हैं। मुझे उम्मीद है कि इस बैठक में हम क्षेत्र की आपकी हालिया यात्राओं पर चर्चा करेंगे। पोलैंड को आतंकवाद के प्रति कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनानी चाहिए और हमारे पड़ोस में आतंकवादी ढांचे को बढ़ावा देने में मदद नहीं करनी चाहिए। अक्टूबर के अंत में, सिकोरस्की ने पाकिस्तान के विदेश मंत्री इसहाक डार के साथ व्यापक वार्ता की थी जिसके बाद जारी किए गए एक संयुक्त बयान में कश्मीर मुद्दे को प्रमुखता दी।

द्विपक्षीय संबंधों को संभालने की जरूरत

विदेश मंत्री ने कहा, हमारे द्विपक्षीय संबंधों में भी लगातार प्रगति हुई है, लेकिन फिर भी, इसे निरंतर संभालने की आवश्यकता है। वार्ता में दोनों विदेश मंत्रियों ने व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, स्वच्छ प्रौद्योगिकी और डिजिटल नवाचार के क्षेत्र में जारी सहयोग को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।

भारत को चुनिंदा रूप से निशाना बनाया जाना अनुचित और अन्यायपूर्ण

विदेश मंत्री ने यूक्रेन संघर्ष पर भारत के लगातार रुख का भी उल्लेख किया। जयशंकर ने कहा कि हाल के दिनों में, पिछले सितंबर में न्यूयॉर्क और इस जनवरी में पेरिस में, मैंने यूक्रेन संघर्ष और इसके निहितार्थों पर अपने विचार खुलकर आपके साथ साझा किए हैं। उन्होंने कहा, ऐसा करते हुए मैंने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि भारत को चुनिंदा रूप से निशाना बनाना अनुचित और अन्यायपूर्ण है। मैं आज फिर से यही बात दोहराता हूं। अपने संबोधन में जयशंकर ने भारत-पोलैंड संबंधों में आए सकारात्मक बदलावों के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि हम ऐसे समय में मिल रहे हैं जब दुनिया में काफी उथल-पुथल मची हुई है। अलग-अलग क्षेत्रों में स्थित दो राष्ट्रों के रूप में, जिनमें से प्रत्येक के समक्ष अपनी चुनौतियां और अवसर हैं, विचारों और दृष्टिकोणों का आदान-प्रदान करना स्पष्ट रूप से उपयोगी है।

स्पेन में दो रेलगाड़ियों की टक्कर, 39 लोगों की मौत

● दोनों ट्रेनों में 500 यात्री थे सवार बढ़ सकती है मृतकों की संख्या

आदमुज (स्पेन), एजेंसी

स्पेन में रविवार शाम को दो हाईस्पीड ट्रेनों की टक्कर में कम से कम 39 यात्रियों की मौत हो गई जबकि कई यात्री गंभीर रूप से घायल हैं जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। स्पेनिश पुलिस ने सोमवार को बताया कि देश के दक्षिणी हिस्से में गत रात एक उच्च गति वाली ट्रेन की टक्कर में 39 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। मृतकों की संख्या और बढ़ने की आशंका है।

रेल संचालक एडिफ के अनुसार, यह हादसा रविवार शाम करीब 7:45 बजे हुआ, जब मलागा से राजधानी मैड्रिड जा रही लगभग 300 यात्रियों को ले जा रही ट्रेन का पिछला हिस्सा पटरी से उतर गया। जिसके बाद वह मैड्रिड से दक्षिणी स्पेन के एक अन्य शहर हुएल्वा जा रही सामने से आ रही एक अन्य ट्रेन से टकरा गई। स्पेन के परिवहन मंत्री ऑस्कर पुएंते ने कहा कि दूसरी ट्रेन का अगला हिस्सा, जिसमें करीब 200 यात्री सवार थे, टक्कर से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ। इस टक्कर के कारण ट्रेन की पहली दो बोगियां बेपटरी हो गईं।

यात्रियों ने बताया कि वे टूटी हुई खिड़कियों से बाहर निकले, जबकि कुछ लोगों ने आपातकालीन हथौड़ों से शीशे तोड़कर खुद को स्पेनिश पुलिस के अनुसार, इस हादसे में 159 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है। इसके अलावा 24 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं। यह टक्कर मैड्रिड से 370 किमी दक्षिण में कॉर्डोबा प्रांत के एक कस्बे आदमुज के पास हुई। परिवहन मंत्री पुएंते ने कहा कि दुर्घटना के कारण का अभी पता नहीं चला है।

रेल हादसे के बाद मैड्रिड रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों की प्रतीक्षा करते यात्री।

द. अफ्रीका में हादसा, 13 स्कूली बच्चों की मौत

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के गौतेंग प्रांत में एक ट्रक और स्कूल मिनी बस की टक्कर में कम से कम 13 बच्चों की मौत हो गई। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 11 बच्चों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दो बच्चों ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। अधिकारियों के अनुसार, सोमवार को सुबह करीब सात बजे यह घटना तब हुई जब बस जोहानिसबर्ग में प्राथमिक और उच्च विद्यालयों के छात्रों को ले जा रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बच्चों को ले जा रही मिनी बस अन्य वाहनों से आगे निकलने का प्रयास कर रही थी तभी वह सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। पुलिस ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है और ट्रक चालक से पूछताछ की जाएगी। गौतेंग आपातकालीन सेवा ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। घायलों में बस चालक भी शामिल है।

करूर भगदड़ केस: सीबीआई ने अभिनेता विजय से की पूछताछ

नई दिल्ली, एजेंसी

● एसयूवी के काफिले में लोधी रोड में एजेंसी के मुख्यालय पहुंचे विजय

सीबीआई ने करूर भगदड़ मामले के सिलसिले में तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख एवं अभिनेता विजय से सोमवार को यहां एजेंसी मुख्यालय में दूसरे दौर की पूछताछ शुरू की। अधिकारियों ने बताया कि अभिनेता आज सुबह लग्जरी एसयूवी के काफिले में लोधी रोड स्थित एजेंसी के मुख्यालय पहुंचे। उन्होंने बताया कि उनसे एजेंसी की भ्रष्टाचार रोधी इकाई से चुने गए एक उप अधीक्षक रैंक के अधिकारी के नेतृत्व में अधिकारियों की एक टीम द्वारा आज पूछताछ की जा रही है।

विजय से 12 जनवरी को यहां सीबीआई मुख्यालय में छह घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की गई थी। उन्हें पिछले मंगलवार को फिर से आने के लिए कहा गया था, लेकिन अभिनेता ने पोंगल का हवाला देते हुए दूसरी तारीख मांगी।

अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय एजेंसी ने अभिनेता की मांग स्वीकार करते हुए उन्हें सोमवार की तारीख दी थी। अधिकारियों ने बताया कि विजय से रैली से जुड़े फैसलों, उनके देर से पहुंचने, भाषण जारी रखने के कारणों, मौके पर मची अफरा-तफरी की जानकारी होने, भीड़ की संख्या और भीड़ प्रबंधन में हुई चूक से संबंधित कई सवाल पूछे गए। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद केंद्रीय एजेंसी ने एसआईटी से जांच ली थी।

चिली में जंगल की आग से 18 की मौत, 50 हजार बेघर

पेंको। मध्य और दक्षिणी चिली में जंगलों में लगी भीषण आग में रविवार को कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई, वहीं हजारों एकड़ जंगल जलकर राख हो गए तथा सैकड़ों मकान भी जल गए। दक्षिण अमेरिका का यह देश भीषण गर्मी की चपेट में है। चिली के राष्ट्रपति गैब्रियल बोरिक ने देश के मध्य बायोबियो क्षेत्र और राजधानी सैंटियागो से लगभग 500 किलोमीटर दक्षिण में स्थित नुब्ले क्षेत्र में आपदा की स्थिति घोषित कर दी है। चिली के सुरक्षा मंत्री लुइस कॉर्डेरो के अनुसार, आपातकाल की घोषणा से सेना के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने में मदद मिलेगी ताकि अब तक 8,500 हेक्टेयर में फैली जंगल की आग पर काबू पाया जा सके, जिसके कारण 50,000 लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा है। बोरिक ने एक्स पर पोस्ट किया, सभी संसाधन उपलब्ध हैं। हालांकि, स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि रविवार को हर तरफ तबाही थी और केंद्र सरकार की ओर से कोई मदद नहीं पहुंची। छोटे तटीय कस्बे पेंको के मेयर रोड्रिगो वेरा ने कहा, प्रिय राष्ट्रपति बोरिक, दिल की गहराइयों से कह रहा हूं कि मैं यहां चार घंटे से मौजूद हूं, एक पूरा क्षेत्र जल रहा है।

संत चिन्मयदास समेत अन्य के खिलाफ तय किए आरोप

ढाका, एजेंसी

● बांग्लादेश में प्रदर्शन के दौरान वकील की मौत का मामला

बांग्लादेश की एक अदालत ने संत चिन्मय कृष्ण दास और 38 अन्य लोगों पर नवंबर 2024 में बंदरगाह शहर चटगांव में एक वकील की मौत के संबंध में सोमवार को आरोप तय किए। बांग्लादेश सम्मिलित सनातनी जागरण जोते के प्रवक्ता दास को राजद्रोह के आरोप में 25 नवंबर, 2024 को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया था।

इस्कॉन के पूर्व नेता दास को चटगांव की एक अदालत ने जमानत देने से इनकार कर दिया और उन्हें जेल भेज दिया। दास की गिरफ्तारी के बाद विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए और उनके समर्थकों ने अगले दिन ढाका और अन्य स्थानों पर प्रदर्शन किया। चटगांव में प्रदर्शन हिंसक हो गया, जहां 26 नवंबर को वकील की हत्या कर दी गई।

सोमवार को, चटगांव संभागीय त्वरित सुनवाई न्यायाधिकरण द्वारा आरोप सुनाए जाने के बाद अभियोजन पक्ष के एक वकील ने पत्रकारों को बताया कि अदालत ने चिन्मय के खिलाफ दंड संहिता की धारा 302 और 109 के तहत आरोप तय किए और 22 अन्य लोगों के खिलाफ अलग-अलग धाराओं के तहत आरोप लगाए।

मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने छह माओवादियों को मार गिराया

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के उत्तर-पश्चिमी सीमावर्ती क्षेत्र में सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच दो दिन तक चली मुठभेड़ में छह माओवादी मारे गए हैं, जिनमें चार महिलाएं शामिल हैं। सोमवार को प्राप्त जानकारी के अनुसार मारे गए माओवादियों में इंद्रावती नेशनल पार्क एरिया कमेटी का इंचार्ज और आठ लाख रुपये इनामी दिलीप बेंडजा भी शामिल है। सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ स्थल से स्वचालित हथियार, विस्फोटक और माओवादी साहित्य भी बरामद किया है। शनिवार सुबह से शुरू हुई मुठभेड़ अलग-अलग जगहों पर रविवार तक चली थी। पुलिस को मुठभेड़ के बाद छह नक्सलियों के शव बरामद किए। इस दौरान जंगल में भालू और भैंस के हमले में दो जवान नीरज शर्मा और कृष्णा नेताम भालू घायल हो गए हैं। मुठभेड़ में कुल छह माओवादी कैडरों के शव बरामद हुए, जिनमें नेशनल पार्क एरिया कमेटी इंचार्ज डीवीसीएम दिलीप बेंडजा भी शामिल है, जिस पर आठ लाख रुपये का ईनाम था। मुठभेड़ स्थल पर खोजबीन के दौरान दो एके-47 रायफल, एक इंसास, दो .303 रायफल और एक कार्बाइन सहित छह हथियार बरामद किए गए हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 20 जनवरी, मंगलवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वितीया 21 जनवरी 02.42 तक तत्पश्चात तृतीया।

आज का पंचांग

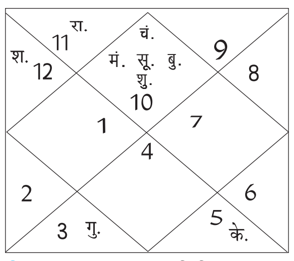

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- शिशिर।

चन्द्रबल- मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।

ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।

नक्षत्र- श्रवण 13.06 तक तत्पश्चात धनिष्ठा।

मेष — आज किसी धार्मिक आयोजन की संभावना बन रही है। पिता के ऊपर गर्व होगा। कार्यक्षेत्र की उलझनों को सुलझाने में मेहनत करनी पड़ेगी। अधिकारी वर्ग से आपको अत्यधिक समर्थन मिलेगा। परिवार के सदस्यों के बीच प्रेमभाव में वृद्धि होगी।

वृष — आज आपका स्वास्थ्य काफी अच्छा रहेगा। व्यापार में प्रभावशाली लोगों से आपके संपर्क मजबूत होंगे। कई दिनों से चली आ रही समस्या का समाधान मिलेगा। आईटी क्षेत्र में कार्यरत लोगों को विदेश से जॉब के ऑफर मिल सकते हैं।

मिथुन — आज नए सहयोगियों से आपको सावधान रहना चाहिए। शेयर मार्केट में बड़ा निवेश करने से आपको बचना चाहिए। माइग्रेन का दर्द उभर सकता है। घूमने-फिरने में समय बर्बाद न करें। वैवाहिक संबंधों में तनाव उत्पन्न होने की संभावना है।

कर्क — आज कानूनी मामलों में विजय मिलने की प्रबल संभावना है। अपने लोगों की सलाह लेने से पीछे न हटें। आपके मन में विचारों का आधिक्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपका विरोध करने वाले लोगों की आलोचना हो सकती है।

सिंह — आज नया काम शुरू करने के लिए दिन अच्छा है। आपके काम का श्रेय दूसरे लोग ले सकते हैं। पहले किए गए प्रयासों का उत्तम परिणाम मिलेगा। प्रेमीजन से झगड़ा हो सकता है। कुटीर उद्योगों से उत्तम धन लाभ होगा। तीखा भोजन करने से बचें।

कन्या — आज सरकारी काम में बाधा आ सकती है। अधीनस्थ कर्मचारियों से अपेक्षानुकूल सहयोग नहीं मिल पाएगा। आप अपने लक्ष्यों को लेकर थोड़े दबाव में रहेंगे। विरोधी आपके सामने दोबारा सक्रिय हो सकते हैं।

तुला — आज अपनी वाणी पर संयम रखें। कार्यक्षेत्र में आपके काम पर लोग नजर बनाए रखेंगे। जमीन के कारोबारियों के लिए दिन अच्छा नहीं है। व्यावसायिक अनुबंध करने से पहले पेपर्स वगैरह को ध्यान से रख लें। आप लोगों की मदद के लिए तैयार रहेंगे।

वृश्चिक — आज का दिन आपके लिए बहुत ही अच्छा है। मार्केटिंग संबंधित कार्यों से बेहतरीन लाभ होगा। ऑफिस में आपके काम की प्रशंसा होगी। परिवार में लोग आपकी बातों को अनसुना कर सकते हैं। घर में सुख-सुविधाओं का विशेष ध्यान रखेंगे।

धनु — आज आपसे ईर्ष्या रखने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। व्यवसाय में आपको थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। अधिक सोच-विचार के चक्कर में काम बिगड़ सकते हैं। मौसम में आ रहे बदलाव के कारण सर्द-बुखार हो सकता है।

मकर — आज नया वाहन खरीद सकते हैं। भोग-विलास का भरपूर आनंद उठाएंगे। देव स्थल की यात्रा के लिए जा सकते हैं। अपने विचारों को दूसरों पर थोपने से बचें। आयात-निर्यात से संबंधित व्यवसाय से आपको धन लाभ होगा।

कुंभ — आज लंबी यात्रा करने से बचना चाहिए। मन अप्रसन्न रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में लोगों के मनोभावों को इग्नोर न करें। पति-पत्नी के बीच मीठी नोक-झोंक होने की संभावना है। छात्रों का मन पढ़ाई से उचट सकता है।

मीन — आज आय के नए स्रोत विकसित हो सकते हैं। मित्र के सहयोग से आपको धन लाभ मिलने की संभावना बन रही है। शत्रुओं के ऊपर आपका प्रभाव बढ़ेगा। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। माता-पिता का आशीर्वाद लेना न भूलें।

सुडोकू-37

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1		8	5			9		
	2			7	3	1	8	
6				8			4	
	5			2				3
		2				8		
7				9			6	
	1			5				2
	6	9	4	3			7	
		3			8	4		1

सुडोकू - 36 का हल

2	8	5	3	7	9	4	6	1
3	4	1	8	6	5	7	2	9
9	7	6	4	2	1	5	8	3
6	2	9	7	4	3	1	5	8
4	1	8	6	5	2	3	9	7
5	3	7	1	9	8	6	4	2
1	9	2	5	3	4	8	7	6
7	5	3	2	8	6	9	1	4
8	6	4	9	1	7	2	3	5

स्टेडियम

हल्द्वानी, मंगलवार, 20 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

इंडोनेशिया मास्टर्स में श्रेष्ठ प्रदर्शन पर भारतीयों की निगाहें

जकार्ता। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पिछले सप्ताह घरेलू धरती पर खेले गए इंडिया ओपन के निराशाजनक प्रदर्शन को पीछे छोड़कर मंगलवार से यहां शुरू होने वाले 500,000 अमेरिकी डॉलर इनामी इंडोनेशिया मास्टर्स में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। पिछले सप्ताह नई दिल्ली में इंडिया ओपन में लक्ष्य सेन पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में बाहर हो गए थे। भारत का कोई भी खिलाड़ी किसी भी वर्ग में अंतिम आठ से आगे नहीं बढ़ पाया था। चीनी ताइपे के लिन चुन यी और कोरिया की विश्व में नंबर एक खिलाड़ी आन से यंग ने क्रमश: पुरुष और महिला एकल खिताब जीता। अब सारा ध्यान जकार्ता पर केंद्रित हो गया है, जहां भारतीय खिलाड़ियों को कड़ा ड्रॉ मिला है और उन्हें अपने से अधिक रैंकिंग वाले खिलाड़ियों के खिलाफ अभियान की शुरुआत करनी होगी।

पहली कबड्डी चैंपियंस लीग 25 जनवरी से

नई दिल्ली। पहली कबड्डी चैंपियंस लीग (केसीएल) का आयोजन 25 जनवरी से सात फरवरी तक हरियाणा के राय स्थित खेल विश्वविद्यालय में किया जाएगा। आयोजकों ने सोमवार को यह घोषणा की। केसीएल ने आधिकारिक तौर पर पहले सत्र के लिए मैचों का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। यह प्रतियोगिता 12 दिन तक चलेगी जिसमें आठ फ्रेंचाइजी टीम भाग लेंगी। इन टीम में सोनीपत स्टार्स, गुरुग्राम गुरुज, हिसार हीरोज, भिवानी बुल्स, रोहतक रॉयल्स, करनाल किंग्स, पानीपत पैंथर्स और फरीदाबाद फाइटर्स शामिल हैं। इस प्रतियोगिता का आयोजन लीग प्रारूप में किया जाएगा जिसमें सभी टीम एक दूसरे का सामना करेंगी।

प्रमोद भगत, सुकांत कदम ने जीते स्वर्ण

नई दिल्ली। भारत के प्रमोद भगत और सुकांत कदम ने काहिरा में मिस्र पैरा बैडमिंटन आमंत्रण टूर्नामेंट 2026 में अपने अपने एकल वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने के बाद टीम वर्ग में भी स्वर्ण हासिल किया। भगत ने एसएल3 पुरुष एकल फाइनल में उमेश विक्रम कुमार को हराकर पीला तमगा हासिल किया। उन्होंने यह मुकाबला 19–21, 21–15, 21–13 से जीता। एसएल 4 पुरुष एकल में सुकांत ने भारत के सूर्यकांत यादव को 27–25, 21–18 से मात दी। दोनों ने पुरुष युगल में उमेश और सूर्यकांत को हराकर स्वर्ण पदक जीता।

प्रज्ञानानंदा की एक और हार

विज्क आन जी (नीदरलैंड्स)। गत चैंपियन आर प्रज्ञाननंदा का टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में खराब प्रदर्शन जारी रहा और वह दूसरे दौर में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसात्तोरोव से हार गए। विश्व चैंपियन गुकेश को एक और कड़े मुकाबले में नीदरलैंड के जॉर्डन वैन फॉरेस्ट ने ड्रॉ पर रोक दिया। लगातार दूसरे ड्रॉ के साथ गुकेश का कुल अंक एक हो गया है। प्रज्ञानानंदा पहले दौर में हमवतन अर्जुन एरिगैसी से हार गए थे।

अच्छी शुरुआत को बदलना होगा बड़े स्कोर में

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज हारने के बाद कप्तान गिल निराश, बोले- कैचिंग में सुधार की जरूरत

इंदौर, एजेंसी

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला में पहली हार न केवल आंकड़ों के लिहाज से एक झटका थी, बल्कि इससे एक असहज स्पष्टता भी उजागर हुई और कप्तान शुभमन गिल ने हार के अंतर या कुछ खिलाड़ियों की गैर मौजूदगी का बहाना नहीं बनाया। श्रृंखला के तीसरे और अंतिम मैच में भारतीय टीम की पराजय के बाद गिल ने एक ऐसे पैटर्न का खुलासा किया, जिसने उनके शब्दों में दोनों टीमों के बीच अंतर पैदा किया।

गिल ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा ऐसा नहीं है कि हमने खराब बल्लेबाजी की। बात यह थी कि हम पर्याप्त देर तक बल्लेबाजी नहीं कर पाए। जब बल्लेबाजों को अच्छी शुरुआत मिलती है और वे उसे बड़े स्कोर में तब्दील नहीं कर पाते तो स्थिति बहुत मुश्किल हो जाती है। हमारे कम से कम दो बल्लेबाजों को लंबी पारी खेलनी चाहिए थी। यही उनके और हमारे बीच का अंतर रहा। भारत पूरी श्रृंखला में अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाया जिसमें इंदौर में खेला गया मैच भी शामिल है। इस मैच में विराट कोहली के शतक ने कुछ समय के लिए मैच का रुख पलटने की उम्मीद जगाई थी।

गिल बार-बार न्यूजीलैंड के दृष्टिकोण के साथ तुलना का मुद्दा उठाते रहे। उन्होंने कहा जब भी उनके बल्लेबाजों ने अच्छी शुरुआत की तो वह बड़ा स्कोर बनाने में सफल रहे। श्रृंखला में इसी ने मुख्य अंतर पैदा किया। पहले दो मैचों में मैं भी जम गया था, लेकिन मैं उसे 100, 120 या 130 रन में नहीं बदल पाया। बल्लेबाजी इकाई के रूप में हमें इसमें सुधार करने की जरूरत है।

रविंद्र जडेजा पिछले कुछ मैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए लेकिन गिल ने कहा कि हार के लिए सभी खिलाड़ी जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा जड्डू भाई बल्ले से अच्छी लय में दिख रहे थे। लेकिन बात सिर्फ उनकी नहीं थी। मुझे नहीं लगता कि हमारे किसी भी बल्लेबाज ने अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने में कामयाबी हासिल की। ऐसी पिचों पर अगर आप अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाते तो आपको हमेशा मैच में पिछड़ना पड़ता है। उन्होंने कहा पिछले कुछ साल में जिस तरह से उन्होंने गेंदबाजी की है, वह हमेशा हमारे लिए पर मुख्य विकल्प थे।

गिल को विश्राम नहीं, खेलेंगे रणजी ट्रॉफी में

नई दिल्ली। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को समाप्त हुई वनडे श्रृंखला के बाद विश्राम नहीं करने का फैसला किया है और वह पंजाब की तरफ से सौराष्ट्र के खिलाफ गुरुवार से राजकोट में होने वाले रणजी ट्रॉफी मैच में खेलेंगे। गिल न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला के तीनों मैच खेले थे। उन्होंने विश्राम करने के बजाय तुरंत ही लाल गेंद के क्रिकेट में लौटने का विकल्प चुना है क्योंकि वह भारत की टी20 विश्व कप टीम का हिस्सा नहीं हैं। इस 26 वर्षीय खिलाड़ी का लक्ष्य पंजाब को रणजी ट्रॉफी के नॉकआउट में पहुंचाना होगा। पंजाब टीम के एक करीबी सूत्र ने पीटीआई से कहा शुभमन ने वनडे श्रृंखला के बाद विश्राम नहीं करने का फैसला किया है। उन्हें इंदौर से राजकोट पहुंचने में आठ घंटे का समय लगा क्योंकि वहां से कोई सीधी उड़ान उपलब्ध नहीं है। पंजाब फिलहाल ग्रुप बी में पांच मैचों में 11 अंकों के साथ छठे स्थान पर है। उसे अगले दौर में जगह बनाने के लिए अपने बाकी बचे तीनों मैच में जीत हासिल करनी होगी। गिल की वापसी से उसकी बल्लेबाजी को मजबूती मिली है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में पहले टेस्ट में चोटिल होने के बाद गिल पहली बार लाल गेंद का क्रिकेट खेलेंगे।

युवा खिलाड़ियों को विराट कोहली से सीख लेने की जरूरत : गावस्कर

नई दिल्ली। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि अच्छी शुरुआत नहीं मिलने के कारण भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला में हार का सामना करना पड़ा और टीम के बल्लेबाजों को मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते समय पारी को सही ढंग से आगे बढ़ाने के लिए विराट कोहली से सीख लेनी चाहिए। भारत को इंदौर में खेले गए तीसरे और अंतिम वनडे में न्यूजीलैंड से 41 रन से हार का सामना करना पड़ा और इस तरह वह न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर पहली बार वन डे श्रृंखला में हार गया। भारत के प्रमुख बल्लेबाजों में केवल कोहली ही अच्छा प्रदर्शन कर पाए। उन्होंने 108 गेंद पर 124 रन बनाए। गावस्कर ने जिओस्टार के एक कार्यक्रम में कहा विराट कोहली को पूरा सहयोग नहीं मिलने के कारण भारत के लिए चीजें मुश्किल हो गई। कोहली को बहुत कम सहयोग मिला। इस श्रृंखला में भारत के लिए असली समस्या अच्छी शुरुआत न कर पाना रही है। कहा भी जाता है कि अच्छी शुरुआत का मतलब आधा काम हो गया। उन्होंने बताया भारत की शुरुआत कभी अच्छी नहीं रही और यही उसकी हार के मुख्य कारणों में से एक है कि वह बड़े स्कोर का पीछा करने में सक्षम नहीं था। भारत के आधे बल्लेबाज 159 रन तक पवेलियन लौट गए थे जिससे टीम की जीत की संभावना को गंभीर झटका लगा था।

गावस्कर ने कहा जब आप केएल राहुल जैसे शानदार फॉर्म में चल रहे खिलाड़ी को खो देते हैं और आपके पास नीतीश कुमार रेड्डी हैं, जिन्होंने 53 रन की इस पारी से पहले अपनी क्षमता का सही प्रदर्शन नहीं किया था, और फिर हर्षित राणा हैं, जिनसे आप कभी भी पूरी तरह से आश्वस्त नहीं हो सकते कि वह कैसा प्रदर्शन करेंगे तो लक्ष्य तक पहुंचना बड़ी चुनौती बन जाती है।

न्यूजीलैंड को ऐतिहासिक जीत पर गर्व : मिचेल

इंदौर। न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज डैरिल मिचेल ने कहा कि भारत के खिलाफ एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखला में ऐतिहासिक जीत दबाव में शांति के साथ फैसले लेने और एक दूसरे पर विश्वास करने के कारण मिली। न्यूजीलैंड ने रविवार को यहां खेले गए तीसरे और अंतिम वनडे में 41 रन से जीत दर्ज करके भारतीय धरती पर पहली द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला जीती।

भारत ने शतकवीर विराट कोहली और हर्षित राणा की अहम साझेदारी के दम पर 338 रन के मुश्किल लक्ष्य का पीछा करने की उम्मीद जगाई, लेकिन यह साझेदारी टूटने के बाद उसकी उम्मीद पर पानी फिर गया। मिचेल ने स्वीकार किया कि तब उनकी टीम दबाव में थी, लेकिन उन्होंने अपने खिलाड़ियों की भी प्रशंसा की जिन्होंने संयम बनाए रखा। तीसरे मैच में 137 रन बनाने वाले मिचेल ने कहा उन्होंने बहुत अच्छी साझेदारी निभाई और तब इस मैदान की प्रकृति, विकेट और छोटे आकार के कारण हम पर काफी दबाव था। मुझे इस बात पर गर्व है कि हमारे खिलाड़ियों ने शांति से काम लिया और अपनी रणनीति पर अच्छी तरह से अमल किया। उन्होंने कहा यह शानदार मैच था जो रोमांचक स्थिति में पहुंच गया था।

विदर्भ की जीत आपस में भरोसे का नतीजा : कोच

बेंगलुरु। विदर्भ के मुख्य कोच उस्मान गनी का मानना है कि विजय हजारे ट्रॉफी में उनकी टीम की शानदार जीत खिलाड़ियों के एक-दूसरे पर भरोसे का नतीजा है, जिससे उन्हें चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से सफलतापूर्वक उबरने में मदद मिली।

रणजी ट्रॉफी के मौजूदा चैंपियन विदर्भ ने रविवार को यहां सौराष्ट्र को 38 रन से हराकर घरेलू एक दिवसीय टूर्नामेंट का खिताब भी अपने नाम किया। गनी ने पीटीआई से कहा हम एक-दूसरे पर भरोसा करते हैं। हमारे पास सीमित ओवरों की क्रिकेट के लिए भी मजबूत टीम है लेकिन इससे पहले हम सफेद गेंद के प्रारूप में ट्रॉफी नहीं जीत पाए थे। इस साल सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी हम कुछ करीबी मैच में हार गए थे और सुपर लीग तक भी नहीं पहुंच पाए थे।

उन्होंने कहा लेकिन इस बार हम आत्मविश्वास से भरे थे और हमने एक-दूसरे का साथ दिया ताकि हम सीमित ओवरों की ट्रॉफी जीत सकें। टीम ने सकारात्मक क्रिकेट खेलकर चुनौती का बखूबी सामना किया। गनी ने अपनी टीम की जीत के रहस्य का खुलासा करते हुए कहा कि वह सभी खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं और मुश्किल परिस्थितियों में भी सकारात्मक बने रहते हैं। उन्होंने कहा हमें प्रत्येक खिलाड़ी का समर्थन करना होगा, चाहे परिस्थिति कितनी भी मुश्किल क्यों न हो। हमें उनके साथ खड़े रहना होगा। गनी ने कहा यह अब टीम की मानसिकता बन गई है और अगर आप पिछले कुछ मैचों को देखें तो हमें इस तरह की स्थिति का सामना नहीं करना पड़ा है। यह सब एक टीम के रूप में सकारात्मक मानसिकता बनाए रखने से जुड़ा है।

अब टी-20 की तैयारी

नागपुर स्थित विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में अभ्यास करते भारतीय टी–20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव, वरुण चक्रवर्ती, ईशान किशन और रिंकू सिंह। यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला का पहला मुकाबला 21 जनवरी को शाम 7 से बजे होगा। वनडे सीरीज हारने के बाद क्रिकेट प्रेमियों को इस प्रतियोगिता से बहुत उम्मीद है। ● एजसी

बेंगलुरु ने गुजरात को दिया 179 रनों का लक्ष्य

महिला प्रीमियर लीग

वडोदरा, एजेंसी

शॉट लगातीं आरसीबी की बल्लेबाज रिचा घोष। एजेंसी

गौतमी नाईक के जुझारू अर्धशतक की मदद से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुजरात जाइंट्स के खिलाफ महिला प्रीमियर लीग के मैच में सोमवार को छह विकेट पर 178 रन का सम्मानजनक स्कोर बनाया। अब तक चारों मैच जीतकर शीर्ष पर काबिज आरसीबी की शुरूआत अच्छी नहीं रही।

पहले ओवर में ग्रेस हैरिस और दूसरे ओवर में जॉर्जिया वोल पवेलियन लौट गए जब स्कोर नौ रन ही था। पहला विकेट तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ने और दूसरा आस्ट्रेलिया दौरे के लिये भारतीय टीम में जगह बनाने वाली काशवी गौतम ने चटकाया। पिछले मैच में 96 रन बनाने वाली कप्तान स्मृति मंधाना (23 गेंद में 26 रन) ने नाईक के साथ तीसरे विकेट के लिये 60 रन की साझेदारी करके पारी को संभाला। गुजरात की कप्तान एशले गार्डनर ने हालांकि मंधाना को पगबाधा आउट करके इस साझेदारी को तोड़ा।

मंधाना ने रिव्यू लिया लेकिन तीसरे अंपायर का फैसला गेंदबाज के पक्ष में रहा। नाईक ने 55 गेंद की अपनी पारी में सात चौकों और एक छक्के के साथ 73 रन बनाये।

उन्होंने रिचा घोष के साथ चौथे विकेट के लिये 69 रन जोड़े। रिचा ने 20 गेंद में 27 रन का योगदान दिया जिसमें तीन छक्के शामिल थे। नाईक को 18वें ओवर में गार्डनर ने बोल्ड किया। राधा यादव ने आखिर में आठ गेंदों पर दो चौकों और एक छक्के के साथ 17 रन बनाये। गुजरात जाइंट्स के लिए काशवी गौतम और गार्डनर ने दो दो विकेट लिए।

...तो बाहर रहने को तैयार रहे बांग्लादेश

नई दिल्ली, एजेंसी

- आईसीसी ने चेतावनी देते हुए कहा-कल तक लें फैसला
- भारत से मैच स्थानांतरित करने के लिए अड़ा है बांग्लादेश

आईसीसी ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड से कहा है कि भारत में होने वाले टी20 विश्व कप में भागीदारी को लेकर 21 जनवरी तक फैसला ले या सात फरवरी से शुरू हो रहे टूर्नामेंट से बाहर होने को तैयार रहे।

आईसीसी और बीसीबी के बीच बातचीत के बावजूद मसले का कोई हल नहीं निकल पाया है। यह संकट बीसीसीआई के निर्देश पर बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान को आईपीएल 2026 से बाहर किए जाने के बाद शुरू हुआ।

आईसीसी के एक सूत्र ने कहा बीसीबी अधिकारियों को 21 जनवरी तक फैसला लेने के लिये कहा गया है। अगर वे भारत आने से इनकार करते हैं तो रैंकिंग के आधार पर किसी दूसरी टीम को चुन लिया जाएगा। सुरक्षा चिंताओं और राष्ट्रीय गौरव का हवाला देकर बीसीबी ने कहा है कि उसकी टीम कोलकाता और मुंबई में विश्व कप के लीग मैच खेलने भारत नहीं जाएगी। टूर्नामेंट का कार्यक्रम घोषित हो चुका है लिहाजा आईसीसी बांग्लादेश के मैच श्रीलंका में स्थानांतरित नहीं करेगी।

स्कॉटलैंड को मिल सकता मौका

बांग्लादेश अगर आने से इनकार करता है तो मौजूदा रैंकिंग के आधार पर स्कॉटलैंड को मौका मिल सकता है। बांग्लादेश ग्रुप सी में वेस्टइंडीज, इटली, इंग्लैंड और नेपाल के साथ है।

सेनेगल ने मोरक्को को हराकर जीता अफ्रीका कप

रबात (मोरक्को)। सेनेगल ने पेप गुये के अतिरिक्त समय में किए गए गोल की मदद से मेजबान मोरक्को को 1-0 से हराकर अफ्रीका कप ऑफ नेशंस फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। बेहद तनावपूर्ण परिस्थितियों में खेले गए फाइनल में दोनों टीम निर्धारित समय तक गोल नहीं कर पाई थी लेकिन आखिर में पेप गुये निर्णायक गोल करने में सफल रहे।

फाइनल मैच में तनाव काफी बढ़ गया था। मैच के दौरान ऐसा समय भी आया जब दर्शकों ने मैदान पर घुसने की कोशिश की। यही नहीं सेनेगल के खिलाड़ी दूसरे हाफ के स्टॉपेज टाइम में पेनल्टी के फैसले के विरोध में मैदान से बाहर चले गए थे। यह स्पष्ट नहीं था कि खेल जारी रह पाएगा या नहीं क्योंकि प्रशंसक सुरक्षाकर्मियों से भिड़ गए थे।

इसके कारण 14 मिनट तक खेल नहीं हो पाया था। खेल शुरू होने पर सेनेगल के एडुआर्ड मेंडी ने ब्राहिम डियाज़ की पेनल्टी को आसानी से बचा लिया।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन

गॉफ ने पहले दौर के मैच में कामिला रखिमोवा को सीधे सेटों में पराजित किया

कोको गॉफ, अनिसिमोवा और मेडवेदेव दूसरे दौर में

मेलबर्न, एजेंसी

तीसरी वरीयता प्राप्त कोको गॉफ को अपनी सर्विस पर कुछ परेशानी का सामना करना पड़ा, लेकिन इसके बावजूद वह अमांडा अनिमिसोवा और दानिल मेडवेदेव के साथ सोमवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंचने में सफल रही। गॉफ ने पहले दौर के मैच में कामिला रखिमोवा को सीधे सेटों में 6-2, 6-3 से पराजित किया।

गॉफ ने दो ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं, लेकिन मेलबर्न पार्क में वह कभी सेमीफाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई हैं। पिछले साल वह क्वार्टरफाइनल में बाहर हो गई थीं। अमेरिकी खिलाड़ी को फिर से डबल फॉल्ट की समस्या से जूझना पड़ा।

दूसरे दौर में गॉफ का सामना ओल्गा डैनिलोविच से होगा। डैनिलोविच ने रविवार को पहले दौर के मैच में 45 वर्षीय वीनस विलियम्स को हराया था। महिला वर्ग के अन्य महत्वपूर्ण मैचों में

विश्व रैंकिंग में चौथे नंबर की खिलाड़ी और पिछले दो ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाली अमांडा अनिसिमोवा ने सिमोना वाल्टरट को 6-3, 6-2 से, नंबर छह जेसिका पेगुला ने अनास्तासिया ज़खारोवा को 6-2, 6-1 से और नंबर 14 क्लारा टौसन ने डाल्मा गाल्फी को 6-3, 6-3 से हराया। इस बीच 27वीं वरीयता प्राप्त और 2020 की चैंपियन सोफिया केनिन का खराब प्रदर्शन जारी रहा। वह पहले दौर में हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी पेटन स्टर्न्स से 6-3, 6-2 से हार गईं। स्टर्न्स का अगला मुकाबला क्रोएशिया की पेट्रा मार्किको से होगा। एम्मा नवारो भी पोलैंड की मैग्डा लिनेट से तीन सेटों में हार गईं। पुरुषों के वर्ग में कनाडा की सातवीं वरीयता प्राप्त फेलिक्स औगर अलियासिमे ने पुर्तगाल के नूनो बोर्गेस के खिलाफ अपना मैच बीच में ही छोड़ दिया। दो घंटे से कुछ अधिक समय तक चले इस मैच में तब बोर्गेस 3-6, 6-4, 6-4 से आगे चल रहे थे। ऑस्ट्रेलियाई ओपन में तीन बार के उपविजेता दानिल मेदवेदेव ने जेस्पर डी जोंग को 7-5, 6-2, 7-6 (2) से हराकर ऑस्ट्रेलिया में अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा। उन्होंने ब्रिस्बेन में खिताब जीता था।

जोकोविच ने 100वीं जीत दर्ज की

मेलबर्न। सार्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने सोमवार को ऑस्ट्रेलिया ओपन में स्पेन के पेड्रो मार्टिनेज को हराकर अपने करियर की 100वीं जीत दर्ज की। आज यहां पूर्व नंबर वन टेनिस खिलाड़ी जोकोविच ने पेड्रो मार्टिनेज को 6–3, 6–2, 6–2 से हराकर शानदार प्रदर्शन करते हुए मेलबर्न पार्क में अपनी 100वीं करियर जीत हासिल की। रिकॉर्ड 10 बार के ऑस्ट्रेलिया ओपन चैंपियन जोकोविच की अब टूर्नामेंट में रोजर फेडरर के 102 मैच जीतने के ऑल–टाइम रिकॉर्ड को तोड़ने पर नजर हैं। मैच के बाद जोकोविच ने कहा मैं क्या कहूं। सेंचुरी बनाना बहुत अच्छा है। उन्होंने कहा मैं शुरू में बहुत भाग्यशाली था कि मुझे कुछ ऐसे लोग मिले जिन्होंने मुझे सिखाया और गाइड किया कि मैं अपने करियर में लंबी रेस का घोड़ा बनूं, जल्दी थक न जाऊं।